दैनिक

आज की जनधारा

सीधी और सच बात, साहस के साथ

डाक पंजीयन 29/2010-2012

भोपाल,रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर से प्रकाशित

वेब संस्करण
www.aajkijandhara.com
www.jandhara.in
Jandhara24x7
@AJandhara/Jandhara24/7
AajkiJandhara & Jandhara24x7
9981126516, 9425203900

RNI.NO.MPHIN/ 25/A3544

वर्ष : 01, अंक : 204, भोपाल, मंगलवार 26 मई 2026, पृष्ठ: 12,मूल्य: 2/- | aajkijandhara.news | aajkijandhara | NewsAkj | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-9, वि.सं. 2083

ट्विशा मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

युवती की जान चली गई, वजह जो भी हो पता चलना चाहिए-निष्पक्ष हो जांच

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के चर्चित मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट के स्वतः संज्ञान मामले पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी एम पंचोली की बेंच ने अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने मीडिया से इस मामले में आरोपियों के इंटरव्यू न चलाने का आग्रह किया। साथ ही कोर्ट में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो इस मामले की पूरी जांच को आज ही अपने हाथों में ले रही है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रिकॉर्ड पर लिया है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने उम्मीद जताई कि सीबीआई तुरंत जांच अपने पास लेकर इस पर कड़े स्तर की सुनवाई शुरू करेगी। कोर्ट ने कहा कि एक मासूम युवती की जान गई है, वजह चाहे जो हो ,उसका पता चलना चाहिए। उसके स्वतंत्र निष्पक्ष और गहराई से जांच होनी जरूरी है। क्योंकि मामले में अपराधिक साजिश का भी एंगल शुरुआती जांच और आरोपों से सामने आ रहा है।

सीबीआई को सौंपी जा रही है जांच: सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हम मीडिया और जनता की अटकलें नहीं चाहते हैं। सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि जांच आज सीबीआई को सौंपी जा रही है। सुनवाई के दौरान अदालत को ये भी बताया गया कि एक मृत बेटी होने की तुलना में समाज में एक तलाकशुदा बेटी होना कहीं ज्यादा बेहतर है। इस पर अदालत ने सुनवाई के दौरान दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उसे एक युवा बेटी को असमय खोने पर पीड़ित परिवार की असीम पीड़ा के साथ पूरी मानवीय सहानुभूति है।

रिटायर्ड जज सास को हाईकोर्ट का नोटिस

एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आरोपी सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस राज्य सरकार और ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा की उस याचिका पर जारी हुआ, जिसमें ट्रायल कोर्ट से मिली गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत का विरोध किया गया है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा कि गिरिबाला जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं। वहीं, गिरिबाला सिंह के वकील मृगेंद्र सिंह ने कहा- यह कहना गलत है कि हम जांच में सपोर्ट नहीं कर रहे हैं। हमें पिटीशन के दस्तावेज नहीं मिले हैं, इसलिए जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए। वहीं भोपाल जिला कोर्ट ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह मामले की सुनवाई मंगलवार तक के लिए टाल दी है। पुलिस प्रतिवेदन नहीं मिलने के कारण सुनवाई स्थगित की गई। कोर्ट ने पुलिस को कल तक प्रतिवेदन पेश करने के निर्देश दिए हैं।

ट्विशा के पति और सास के खिलाफ एफआईआर दर्ज: ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के बाद उनके पति समर्थ सिंह और उनकी सास जो कि एक पूर्व जिला न्यायाधीश हैं, गिरिबाला सिंह के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि रसूख के कारण स्थानीय स्तर पर जांच प्रभावित हो रही थी। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि इसी प्रक्रियागत अनियमितता को दूर करने के लिए आज ही जांच सीबीआई को सौंपी जा रही है।

एनटीए ने अब तक सबक नहीं सीखा

नीट पेपर लीक केस में सुप्रीम कोर्ट सख्त, सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में घमासान लगातार जारी है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि यह दुखद है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पहले हुए नीट पेपर लीक से सबक नहीं सीखा है। साथ ही शीर्ष अदालत ने केंद्र, एनटीए और सीबीआई से मेडिकल प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए परीक्षा एजेंसी की जगह एक मजबूत और स्वायत्त निकाय स्थापित करने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर जवाब मांगा है।

शीर्ष कोर्ट ने कहा- यह दुखद है: जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की पीठ ने निर्देश दिया कि याचिकाओं की प्रति अन्य पक्षों के अलावा सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को भी दी जाए। कोर्ट ने नीट परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार एनटीए को 2024 में अदालत की ओर से जारी निर्देशों के अनुपालन पर गुरुवार तक एक हलफनामा दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि यह दुखद है कि उन्होंने सबक नहीं सीखा है। यह मामला पहले भी इस अदालत में आया था। एक समिति, एक निगरानी समिति गठित की गई थी जिसने कुछ सिफारिशें की थीं और उन्हें स्वीकार कर लिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगा हलफनामा: शीर्ष कोर्ट ने कहा कि हम चाहते हैं कि एनटीए समिति की ओर से सुझाई गई सिफारिशों के अनुपालन के लिए उठाए गए कदमों पर एक हलफनामा दाखिल करे। शीर्ष अदालत ने फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) की ओर से वकील तन्वी दुबे के माध्यम से दायर याचिका पर नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह सभी समान मामलों को एक साथ नत्थी कर रहा है। अदालत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन के नेतृत्व वाली केंद्र की ओर से नियुक्त समिति को एनटीए के कामकाज में सुधार करने और उसके निर्देशों के अनुपालन के लिए उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण देने का निर्देश दिया।

फेमा की याचिका, उठाई ये मांग: मेडिकल संस्था ने बार-बार पेपर लीक होने के कारण 22.7 लाख से अधिक छात्रों के मौलिक अधिकारों पर सीधे सीधे हमला होने का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत से सीधे हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया।

10 दिन में चौथी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

- 7 रुपये से ज्यादा की आई तेजी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने सोमवार को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी कर दी है। पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। लंबे अंतराल के बाद हाल में 15 मई को पहली बार तेल की कीमतों में वृद्धि हुई थी। तब से लेकर अब तक पेट्रोल 7.35 रुपये और डीजल 7.82 रुपये प्रति लीटर महंगे हो चुके हैं। इनकी कीमतों में अभी और वृद्धि हो सकती है।

तेल अधिकारियों का कहना है कि इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतें और रुपये के अवमूल्यन के कारण बढ़ी हुई आयात लागत है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार अस्थिरता और अंडर-रिकवरी (लागत से कम पर बिक्री) ने तेल खुदरा विक्रेताओं पर भारी दबाव बना दिया है।

15 मई: पेट्रोल और डीजल की कीमतों में प्रति लीटर करीब 3 रुपये की वृद्धि हुई थी।

कपिल शर्मा के घर पर फायरिंग

अमृतसर। मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के अमृतसर स्थित घर के बाहर कथित फायरिंग की सूचना सामने आई है। बताया जा रहा है कि सोमवार देर रात बाइक सवार कुछ बदमाशों ने घर के बाहर गोलियां चलाईं। घटना के समय कपिल शर्मा का परिवार घर के अंदर मौजूद था, जबकि कपिल शर्मा शूटिंग के सिलसिले में मुंबई में बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार घटना अमृतसर के होली सिटी इलाके में स्थित कपिल शर्मा के घर के बाहर हुई। गनीमत रही कि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

कार 800 फीट गहरी खाई में गिरी:8 की मौत

रायगढ़/भटकल। महाराष्ट्र और कर्नाटक में दो हादसों में 19 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के रायगड में पोलादपुर-महाबलेश्वर रोड के अंबेनली घाट इलाके में रविवार सुबह एसयूवी कार 800 फीट गहरी खाई में गिर गई। घटना में 8 लोगों की मौत हुई है। पीड़ित परिवारों की शिकायत पर पुलिस ने मृतकों के मोबाइल की लास्ट लोकेशन ट्रेस की। तब जाकर घटना की जानकरी मिली।

असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पेश

गुवाहाटी। असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) बिल सोमवार को पेश किया गया। इसे पटल पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की ओर से राज्य के संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने रखा। इस बिल को दो हफ्ते पहले कैबिनेट से मंजूरी मिली थी। इस बिल पर 27 मई को चर्चा होगी। यदि यह बिल पारित हो जाता है, तो असम देश का तीसरा ऐसा राज्य बन जाएगा। इससे पहले उत्तराखंड और गुजरात ऐसा कर चुके हैं। सीएम सरमा के मुताबिक अनुसूचित जनजातियां (पहाड़ी) और अनुसूचित जनजातियां (मैदानी) यूसीसी के दायरे से बाहर रहेंगी। साथ ही पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों, प्रथाओं और अनुष्ठानों को भी इससे छूट दी जाएगी।

गुलमर्ग गोंडोला में तकनीकी खराबी, बीच हवा में अटके करीब 300 पर्यटक; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

श्रीनगर। प्रसिद्ध गुलमर्ग गोंडोला में सोमवार को अफरा-तफरी मच गई जब अचानक तकनीकी खराबी आने के कारण केबल कार सेवा बीच में ही रुक गई। इस घटना के चलते करीब 300 पर्यटक हवा में ही अलग-अलग केबिनों में फंस गए। जानकारी के अनुसार गोंडोला के संचालन के दौरान अचानक तकनीकी गड़बड़ी आ गई, जिससे केबल कार आगे नहीं बढ़ सकी और यात्री बीच रास्ते में ही अटक गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और फायर एंड इमरजेंसी सर्विस की टीम को मौके पर बुलाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज और स्थानीय प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार सभी फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित निकालने के प्रयास लगातार जारी हैं।

स्थानीय प्रशासन का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और तकनीकी टीम भी खराबी को ठीक करने में जुटी हुई है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जिससे राहत की बात है।

अभिषेक बनर्जी के आवास पर पुलिस की छापेमारी, कंप्यूटर समेत कई दस्तावेज किए गए जब्त

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता, राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के कोलकाता स्थित निजी आवास पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीमों ने अचानक एक बड़ी छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस हाई-प्रोफाइल कार्रवाई के दौरान अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर और आसपास के पूरे इलाके में भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। अचानक हुई इस प्रशासनिक घेराबंदी से पूरे राज्य के राजनीतिक हलकों में कयासों और तीखी बहसों का दौर बेहद तेज हो गया है।

यह पूरी कार्रवाई कोलकाता के पॉश इलाके में स्थित 188ए हरीश मुखर्जी रोड वाले अभिषेक बनर्जी के मुख्य आवास पर सोमवार दोपहर को की गई। पुलिस के आला अधिकारियों ने आवास के भीतर कई घंटों तक सघन तलाशी ली। तलाशी अभियान पूरा होने के बाद बाहर निकली पुलिस की टीमें अपने साथ कंप्यूटर मॉनिटर, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज, सीपीयू और कई अन्य महत्वपूर्ण फाइलों व विधिक दस्तावेजों को जब्त कर अपने साथ लेकर रवाना हुई हैं। शुरुआती जांच और प्रशासनिक सूत्रों से मिली आधिकारिक जानकारियों के मुताबिक, इस पूरी कार्रवाई का सीधा संबंध कोलकाता नगर निगम द्वारा पूर्व में जारी किए गए एक विधिक नोटिस से जुड़ा हुआ है। निगम के अधिकारियों का आरोप है कि अभिषेक बनर्जी के इस आलीशान घर के कई हिस्सों में कथित तौर पर नियमों को ताक पर रखकर और बिना उचित प्रशासनिक अनुमति के अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा था।

धार में राज्य सरकार बनायेगी भव्य सरस्वती लोक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राजा भोज शोध संस्थान की स्थापना भी की जाएगी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार स्थित भोजशाला परिसर में राज्य सरकार भव्य सरस्वती लोक बनायेगी, यहाँ राजा भोज संस्थान की स्थापना भी की जायेगी। ऐतिहासिक भोजशाला पर माननीय उच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया है, राज्य सरकार इस न्यायिक आदेश का अक्षरशः पालन कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भोजपाल द्वारा स्थापित यह भोजशाला सदियों तक ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संस्कृत भाषा का सबसे प्रखर केन्द्र रहा है। यह हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा का अटूट प्रतीक है। यहाँ दूर-दूर से छात्र और विद्वान ज्ञान अर्जित करने और शास्त्रों पर विमर्श करने आते थे। राज्य सरकार भोजशाला के उसी गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने के लिए सभी जरूरी प्रयास करेगी। राजा भोज की इस पुण्य धरा (धार) में अब चहुंमुखी विकास की नई धारा बहेगी। धार के आसपास पुरात्व विभाग से समन्वय कर सभी प्रकार के विकास कार्य किए जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भोज जल संरक्षण के अग्रदूत थे। उनके द्वारा निर्मित विशाल जलाशय, तालाब और जल प्रबंधन की व्यवस्थाएं आज भी उनकी अद्भुत दूरदर्शिता एवं जल नियोजन का प्रमाण हैं। धार को किसी समय तालाबों की नगरी कहा जाता था। राजा भोज ने इस शहर में जलापूर्ति के लिए यहां साढ़े 12 तालाबों का निर्माण कराया गया था और इन्हें आपस में इस तरह से जोड़ा गया था कि एक तालाब भरने पर उसका अतिरिक्त पानी दूसरे तालाब में स्वतः चला जाता था। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान से प्रदेश में जल संवर्धन की नई क्रांति आएगी।

धर्मेंद्र का मरणोपरांत पद्म विभूषण सम्मान लेकर भावुक हुई हेमा मालिनी

- बेटी अहाना नहीं रोक पाईं आंसू

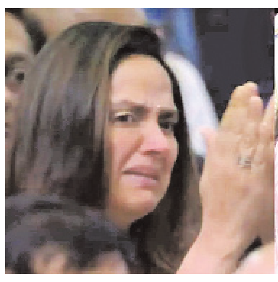

नई दिल्ली। इस साल जनवरी में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कारों की घोषणा हुई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कला, साहित्य, चिकित्सा, विज्ञान और खेल सहित विभिन्न क्षेत्र की हस्तियों को सोमवार को देश के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने वर्ष 2026 के लिए कुल 131 पद्म पुरस्कारों को मंजूरी दी, इनमें से 66 हस्तियों को आज सम्मानित किया जा रहा है। इस साल की सूची के मुताबिक कुल पांच लोगों को पद्म विभूषण, 13 विभूतियों को पद्म भूषण और 113 लोगों को पद्म श्री से नवाजा जाएगा। 2026 में कुल 131 हस्तियों को पद्म पुरस्कार दिए जाने हैं, जिनमें से बाकी बचे 65 विजेताओं को अगले चरण में सम्मानित किया जाएगा।

धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण; हरमनप्रीत कौर समेत कई हस्तियों को सम्मान: पद्म विभूषण सम्मान 2026 में सबसे पहले दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र सिंह देओल (मरणोपरांत) को प्रदान किया गया। यह सम्मान उनकी पत्नी और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने ग्रहण किया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को पद्मश्री से नवाजा गया। उनकी नेतृत्व क्षमता में भारतीय टीम ने इस वर्ष वनडे वर्ल्ड कप जीतकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की थी।

सोलर ग्रुप के चेयरमैन सत्यनारायण नुवाल को रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया।

बंगाल में घुसपैठियों और विदेशी कैदियों के लिए होल्डिंग सेंटर शुरू

- लालगोला के पद्मा भवन में रखे गए तीन बांग्लादेशी

कोलकाता। बंगाल में सीमा पार से होने वाली अवैध घुसपैठ और सजा पूरी कर चुके विदेशी नागरिकों के प्रत्यर्पण की जटिल प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार के ताजा आदेश के बाद प्रदेश के हर जिले में होल्डिंग सेंटर बनाने का काम युद्ध स्तर पर शुरू हो गया है। गौर करने वाली बात यह है कि गत 23 मई को इस संबंध में आधिकारिक दिशानिर्देश जारी होने के महज 48 घंटों के भीतर ही इस पर कड़ाई से अमल भी शुरू कर दिया गया है।

होल्डिंग सेंटर का निर्माण शुरू: इसी कड़ी में मुर्शिदाबाद के लालगोला स्थित पद्मा भवन की तीसरी मंजिल पर राज्य का पहला सक्रिय होल्डिंग सेंटर अस्तित्व में आ चुका है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस सेंटर में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को लाकर रखा भी जा चुका है। सुरक्षा और गोपनीयता के लिहाज से फिलहाल इन तीनों की विस्तृत पहचान उजागर नहीं की गई है, लेकिन बताया जा रहा है कि ये सभी पुरुष हैं और इनकी उम्र 30 से 40 वर्ष के बीच है।

तीन श्रेणियों के लोग रखे जाएंगे इन केंद्रों में: सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार, इन होल्डिंग सेंटरों का उपयोग मुख्य रूप से तीन विशेष श्रेणियों के विदेशी नागरिकों को रखने के लिए किया जाएगा।

गुलमर्ग रोपवे अचानक रुका, 300 पर्यटक फंसे

- सूचना मिलते ही श्रीनगर से विशेष बचाव दल मौके पर भेजे गए। सेना, राज्य आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की संयुक्त टीमें राहत कार्य में जुट गईं।

श्रीनगर। गुलमर्ग में दुनिया के दूसरे सबसे ऊंचे केबल कार रोपवे में सोमवार को तकनीकी खराबी आने से बड़ा संकट उत्पन्न हो गया। रोपवे के सभी केबिन बीच में रुक गए और लगभग 300 पर्यटक फंस गए, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल थे। अचानक हुई इस घटना से कई पर्यटक घबरा गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही श्रीनगर से विशेष बचाव दल मौके पर भेजे गए। सेना, राज्य आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की संयुक्त टीमें राहत कार्य में जुट गईं। अब तक कई लोगों को रस्सियों के सहारे सुरक्षित नीचे उतारा गया है और लगभग दस केबिन खाली कराए जा चुके हैं। कुल बासठ केबिनों में लोग फंसे थे जबकि पूरे रोपवे में एक सौ आठ केबिन हैं। यह रोपवे गुलमर्ग को अफरवत चोटी से जोड़ता है और इसकी दूरी श्रीनगर से इक्यावन किलोमीटर है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सभी पर्यटक सुरक्षित हैं और राहत कार्य जारी है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्थिति पर नजर बनाए रखने और तेजी से बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। घटना के बाद रोपवे के रखरखाव और सुरक्षा मानकों पर सवाल उठने लगे हैं। जांच के आदेश दिए जाने की संभावना है।

प्रेमानंदजी की अपील- मैं रहूं न रहूं, हमेशा साथ रहूंगा

- मेरी चिंता छोड़िए, श्रीजी का ध्यान लगाइए; तबीयत बिगड़ने के बाद 9 दिन से पदयात्रा बंद

मथुरा। 'बिल्कुल चिंता मत करो। हम मिलें न मिलें, बोलें न बोलें, हम आप सबको बहुत प्यार करते हैं। अंतिम बात यही कि चिंता नहीं करनी। न ये चिंता करनी है कि कैसे हमारा उत्थान होगा। बिना बोले तुम्हारे दिमाग में हम होंगे।'

ये भावुक अपील वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज ने वीडियो जारी कर अपने शिष्यों और भक्तों से की। 1 मिनट 19 सेकेंड का वीडियो रविवार को केली कुंज आश्रम ट्रस्ट के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया।

17 मई यानी 9 दिन से प्रेमानंद महाराज की रात्रि पदयात्रा बंद है। शिष्यों ने तब बताया था कि प्रेमानंद महाराज की तबीयत ठीक नहीं है। वह भक्तों से एकांतिक मुलाकात भी नहीं कर रहे हैं। प्रेमानंद महाराज की दोनों किडनी खराब हैं। उनकी हफ्ते में 2-3 बार डायलिसिस होती है। प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा कि देख लेना तुम वही करोगे, जो गुरुदेव कहेंगे। आप बिल्कुल निश्चिंत रहिएगा। जो जहां जिस सेवा में आए, उस सेवा में रहिएगा। खूब नाम जप करो। मंगल होगा। तुम्हारे गुरुदेव तुम्हारे दिमाग में बैठे रहेंगे।

मां को था बेटे के लौट आने का भरोसा, 5 दिन तक लाश पर रखे रही पवित्र बाईबल

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत क्रांति चौक का सनसनीखेज मामला

आज की जनधारा

विदिशा। सोमवार को एक ऐसी सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने अंधविश्वास की सारी हदें पार कर दी हैं। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्रांति चौक में एक मां ने अपने 42 वर्षीय बेटे की मौत को स्वीकार नहीं किया और उसे दोबारा जिंदा करने के अंधविश्वास में करीब 5 दिनों तक शव को घर के अंदर ही छुपाकर रखा। सोमवार को दूधवाला दूध देने के लिए घर पहुंचा और जैसे ही बदबू उसकी नाक तक आई तो उसने इस बात की जानकारी लेने के लिए घर में रहने वाली एक महिला से बात की तो उसकी बात को टालते हुए वह महिला अंदर चली गई। दूध वाले ने इस मामले की जानकारी आसपास के लोगों को दी और आसपास के लोगों ने इस मामले की तुरंत ही पुलिस को सूचना दी। मौके पर पुलिस पहुंची और जांच पड़ताल की गई तो पाया गया कि एक 42 वर्षीय युवक पिछले कई दिनों से मृत पड़ा था और उसकी मां उसके शरीर पर बाइबल रखकर उसे जिंदा करने की कोशिश कर रही थी।

सोमवार को सिविल लाइन थाना अंतर्गत क्रांति चौक पर उस समय सनसनी फैल गई जब आसपास के लोगों को बदबू ने परेशानी में डाल दिया। बताया गया कि यहां रहने वाली मरियम वर्गिस जो क्रिश्चियन धर्म से ताल्लुक रखती है। बेटे की मृत्यु होने के बाद महिला ने उसका अंतिम संस्कार करने की बजाय शव के सीने पर पवित्र ग्रंथ बाइबल रख दिया और उसे जीवित करने के लिए लगातार प्रार्थनाएं और टोटके करती रही। दिन बीतते गए और बंद कमरे के अंदर शव सड़ने लगा। धीरे-धीरे पूरे मोहल्ले में भयंकर बदबू फैलने लगी, जिससे आसपास के लोग बेहद परेशान थे, लेकिन घर के भीतर इतना खौफनाक मंजर चल रहा है, इसका अंदाजा किसी को नहीं था। इस अंधविश्वास का पर्दाफाश तब हुआ जब हमेशा की तरह एक दूध वाला उस घर पर दूध देने पहुंचा। दरवाजे के पास उसकी नजर फर्श पर फैले खून पर पड़ी। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए उसने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय लोगों और सिविल लाइन थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जब घर का दरवाजा खुलवाया तो अंदर का नजारा देखकर पुलिसकर्मियों के भी होश उड़ गए। कमरे में करीब 5 दिन पुरानी सड़ चुकी डेड बॉडी पड़ी थी और मां उसके पास बैठकर अजीबो-गरीब हरकतें और प्रार्थना कर रही थी।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि महिला मरियम वर्गिस की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और वह लंबे समय से मानसिक रूप से विक्षिप्त है। फिलहाल सिविल लाइन थाना पुलिस ने मौके पर पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं विज्ञान के इस दौर में अंधविश्वास की इस खौफनाक तस्वीर ने पूरे विदिशा को सकते में डाल दिया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने कहा कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है, जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

पानी की तलाश में बस्ती तक पहुंचा तेंदुआ, मोहम्मदगढ़ में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

आज की जनधारा

विदिशा। ग्यारसपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोहम्मदगढ़ में रविवार देर रात एक तेंदुआ संदिग्ध परिस्थितियों में मृत अवस्था में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्राम के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने स्थित पानी की टंकी के पास करीब एक वर्षीय तेंदुए का शव पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएफओ हेमंत यादव भी घटनास्थल पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने देर रात पानी की टंकी के पास तेंदुए को मृत अवस्था में देखा, जिसके बाद तत्काल वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही एसडीओ हिमांशु त्यागी रेंजर मुस्कान शिवहरे, वन अमला एवं नायब तहसीलदार राजेंद्र सेन मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल शुरू की। बाद में चार डॉक्टरों की टीम द्वारा तेंदुए का पोस्टमार्टम किया गया तथा नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया।

बताया जा रहा है कि मृत तेंदुआ उम्र में काफी छोटा था और संभवतः जंगल से भटककर पानी की तलाश में गांव तक पहुंच गया था। क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी और जंगलों में जलस्रोत सूखने के कारण वन्य प्राणियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यही कारण है कि जंगली जानवर अब आबादी वाले क्षेत्रों की ओर रुख करने लगे हैं। शाबक तेंदुए की मौत भूख एवं प्यास के कारण हुई यह बात पोस्टमार्टम रिपोर्ट में निकली।

घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वहीं वन विभाग के एसडीओ हिमांशु त्यागी ने बताया कि जांच में पाया गया कि मौत का कारण भूख प्यास ही रहा। इस घटना नेणछ जंगलों में वन्य जीवों के लिए जलस्रोतों की कमी और संरक्षण व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीण बताया कि प्रत्येक वर्ष वन्य प्राणियों के लिए के शासन से लाखों रुपए की राशि जंगल में पानी की व्यवस्था के लिए आती है लेकिन कहां खर्च होती है आज तक पता नहीं है। इस बारे में जब रेंजर मुस्कान शिवहरे से चर्चा के लिए फोन लगाया तो फोन रिसीव नहीं किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बेतवा नदी पर मंत्री सारंग ने किया श्रमदान

आज की जनधारा

विदिशा। 25 मई को पूरे प्रदेश में एक साथ जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत हुई। बेतवा नदी के बड़ वाले घाट पर इस अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय आयोजन बेतवा उत्थान समिति के साथ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के सहकारिता एवं खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति राकेश शर्मा, भाजपा नेता मनोज कटारे, अरविंद श्रीवास्तव, छत्रपाल शर्मा, बेतवा उत्थान समिति के अध्यक्ष अशोक गोयल के साथ विदिशा के स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बेतवा उत्थान समिति के सदस्य मौजूद रहे। घाटों पर श्रमदान करते हुए बेतवा नदी की सांकेतिक पूजा अर्चना की गई।

मंत्री सारंग ने कहा पूरे प्रदेश में सरकार के मंत्री और स्वयं मुख्यमंत्री भी प्रदेश के जल गंगा समर्थन अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने विदिशा में बेतवा के संरक्षण के लिए बेतवा उत्थान समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों पर सराहना करते हुए आम नागरिकों को पारंपरिक जल स्रोतों के प्रति जागरूक रहकर उन्हें बचाने का आग्रह किया। विश्वास सारंग द्वारा इस मौके पर स्वर्गीय मदन शर्मा स्मृति उद्यान में एक पीपल का पौधा रोपण किया गया। साथ में समिति के अध्यक्ष अशोक गोयल, संरक्षक अतुल शाह, संचालक एडवोकेट जितेंद्र दुबे, श्रमदानी राधेश्याम विश्वकर्मा, कार्तिक सैनी ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। मंत्री सारंग द्वारा चोर नाले के साथ अन्य नाले जो सीधे बिना ट्रीटमेंट के बेतवा में मिल रहे हैं उनकी जानकारी लेते हुए वह बेतवा में ना मिले, घाटों पर शुद्ध पेयजल एवं शौचालय बनाने के भी निर्देश दिए। नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति राकेश शर्मा ने घाटों पर घूम रहे जानवरों से बढ़ रही दुर्घटनाओं को देखते हुए नगर पालिका को घाटों पर जाने वाले रास्तों पर क्रॉसिंग बैरिकेट्स शीघ्र लगाने के निर्देश दिए। जिस पर बेतवा उत्थान समिति के साथ उपस्थित श्रद्धालुओं ने नगर पालिका अध्यक्षा को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कांग्रेस आज 26 कलेक्टोरेट में प्रदर्शन कर सौंपेगी ज्ञापन

आज की जनधारा

विदिशा। किसानों की विभिन्न समस्याओं, नगर पालिका में व्याप्त अव्यवस्थाओं व भ्रष्टाचार, करोड़ों का बजट खर्च करने के बाद भी जिला मुख्यालय सहित संपूर्ण जिले में व्याप्त जल संकट, विदिशा नगर पालिका में नेताओं के चहेते अयोग्य व्यक्तियों को विभिन्न शाखाओं का प्रभारी बनाने के कारण न.पा की जो दुर्दशा हो रही है उसको सुधारने एवं रीवा में जैन साध्वियों की घटना के विरोध में जिला कांग्रेस द्वारा आज 26 मई को 11 बजे जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी के नेतृत्व में कलेक्टोरेट पहुंचकर प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी सुशील शर्मा ने बताया की इस अवसर पर कांग्रेस समर्थित जन प्रतिनिधि एवं मोर्चा संगठनों के पदाधिकारी शामिल होंगे।

मेधावी छात्र-छात्राओं एवं खिलाड़ियों को किया सम्मानित

आज की जनधारा

विदिशा। सोमवार को रवींद्रनाथ टैगोर भवन ऑडिटोरियम में श्री कृष्ण जन्माष्टमी यादव समाज द्वारा इस वर्ष श्री आल्हा जयंती के पावन अवसर पर समाज के होनहार विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु एक भव्य मेधावी छात्र-छात्राओं एवं खिलाड़ियों के सम्मान समारोह एवं वीर शिरोमणि आल्हा जयंती का आयोजन किया गया।

जन्माष्टमी आयोजन समिति के अध्यक्ष रामपाल सिंह यादव ने बताया कि कार्यक्रम में मानव अधिकार आयोग प्रदेश अध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव, कप्तान सिंह यादव, महेंद्र यादव, रतन सिंह यादव सहित अन्य अतिथि मौजूद थे। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा मौजूद मेधावी छात्र-छात्राओं और खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान उपस्थितों द्वारा समाज को आगे बढ़ाने और अपने बच्चों को पढ़ा लिखाकर जीवन सुधारने की बात कही गई। साथ ही कहा गया कि बच्चा अगर पढ़ लिख जाता है तो वह अपना नहीं बल्कि अपने पूरे परिवार का नाम रोशन करता है। समाज के सभी लोगों को बच्चों को पढ़ने और खेलों की तरफ आकर्षित करने के लिए विशेष ध्यान देना चाहिए। इस दौरान रामपाल सिंह यादव ने बताया कि समाज के उन छात्र-छात्राओं एवं खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने शैक्षणिक सत्र एवं खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज का मान बढ़ाया है। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों एवं खिलाड़ीयों को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ताकि अन्य बच्चे भी उनसे प्रेरणा ले सकें। शिक्षा ही समाज की उन्नति का आधार है। हमारे बच्चे कल का भविष्य हैं और उनकी मेहनत को पहचान देना हमारा कर्तव्य है। इस दौरान बड़ी संख्या में यादव समाज के लोग मौजूद थे।

मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा

आज की जनधारा

विदिशा। मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने सोमवार को विदिशा आगमन के दौरान सर्किट हाउस में मीडिया से चर्चा करते हुए मानव अधिकारों के संरक्षण को शासन और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी बताया। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को उसके अधिकारों का संरक्षण मिलना आवश्यक है और इस दिशा में प्रशासन लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। डॉ. सिंह ने कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा केवल आयोग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि शासन, प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही इसे प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं का समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। खासकर मानव अधिकारों से संबंधित बिंदुओं के अलावा पेयजल आपूर्ति इस दौरान उन्होंने जिले में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा किए जाने की जानकारी भी साझा की। अधिकारियों के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि जिले के किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पेयजल संबंधी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाए तथा जहां आवश्यकता हो वहां वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएं। डॉ. सिंह ने विश्वास जताया कि प्रशासनिक अमला मानव अधिकारों के संरक्षण और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करेगा। मीडिया से चर्चा के दौरान आयोग की कार्यप्रणाली, जनसुनवाई और आमजन की समस्याओं के निराकरण से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। आयोग अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह से कलेक्टर अंशुल गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने संयुक्त रूप से सर्किट हाउस में सौजन्य भेंट कर जिले की सामान्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं एवं मानव अधिकारों से जुड़े विषयों की जानकारी साझा की। बैठक में विशेष रूप से पेयजल आपूर्ति व्यवस्था और ग्रीष्मकालीन जल संकट की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान विभागों के अधिकारियों ने शहर के विभिन्न वार्डों में टैंकर से जलप्रदाय स्थिति, टैंकरों की संख्या इत्यादि से अवगत कराया इसके अलावा अमृत 2.0 योजना के कार्य, हैंड पंप एवं ट्यूबवेल, ग्रीष्म काल में टैंकर एवं हैंडपंप से जलप्रदात क्षेत्र इत्यादि की जानकारी प्रस्तुत की गई।

मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष का रोटरी क्लब ने किया स्वागत

आज की जनधारा

विदिशा। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह सोमवार को विदिशा पहुंचे, जहां उनके आगमन पर शहर के सर्किट हाउस में रोटरी क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आत्मीय स्वागत किया। वे वीर अहीर आल्हा जयंती कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विदिशा आए थे। सर्किट हाउस पहुंचने पर रोटरी क्लब के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर क्लब के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत करते हुए पुरानी स्मृतियों को सांझा किया। बताया गया कि डॉ. अवधेश प्रताप सिंह रोटरी क्लब के पूर्व प्रमुख पदाधिकारी रह चुके हैं, जिसके चलते क्लब सदस्यों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

प्रतिभा आचार्य बनी भार्गव समाज की कार्यकारी संभाग अध्यक्ष

आज की जनधारा

विदिशा। भोपाल के परशुराम मंदिर में हुए भृगु भार्गव ब्राह्मण समाज संघ के निर्वाचन में विदिशा जिले के आधा दर्जन विप्रजनों को दायित्व दिए गए हैं। जिसमें छींद धाम यात्रा संयोजक प्रतिभा आचार्य को कार्यकारी संभाग अध्यक्ष बनाया गया है। जबकि सीमा व्यास, नर नारायण शर्मा, धर्मेंद्र भार्गव, आशा भार्गव को संभाग उपाध्यक्ष, मीना भार्गव संभाग सह सचिव एवं शिव नारायण शर्मा को संभाग प्रचार सचिव बनाया गया है। निर्वाचन अधिकारी परसराम दुबे एवं सह निर्वाचन अधिकारी अमित भार्गव ने मौजूद सदस्यों से प्रस्ताव प्राप्त कर 38 संभाग एवं 27 भोपाल जिले के पदाधिकारियों की घोषणा की है। विदिशा जिले की भार्गव ब्राह्मण समाज ने जिले में बड़ी संख्या में दिए संभागीय दायित्वों पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी को बधाई दी एवं प्रदेश अध्यक्ष नर्मदा शंकर भार्गव, महा सचिव डॉ. अनिल भार्गव एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष बच्चन आचार्य के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कम्युनिस्ट पार्टी ने विभिन्न मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

आज की जनधारा

विदिशा। सोमवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कलेक्टोरेट पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन दिया गया। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और सांची दूध की मूल्य वृद्धि को वापस लिया जाए। महेंद्र सिंह गुर्जर, कैलाश नारायण कुशवाहा ने बताया कि पूरे देश सहित मध्यप्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी से जनता काफी परेशान हो चुकी है। केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि का बोझ जनता पर डाल दिया गया है। इसी प्रकार प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सांची दूध की कीमतों में वृद्धि की गई है, जिससे जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मूल्य वृद्धि केंद्र सरकार की अनुचित विदेश नीति का दुष्परिणाम है। भारत सरकार यदि रूस से सस्ती दरों पर तेल का आयात करना जारी रखें और ईरान के साथ खुलकर भारत की एकजुटता को अभिव्यक्त किया जाए तो इस तेल संकट को समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पेट्रोलियम पदार्थों पर सर्वाधिक टैक्स लेती है। पेट्रोल पर लगभग 30 फीसदी और डीजल पर लगभग 20 फीसदी टैक्स लेना अनुचित और जन विरोधी नीतियों का प्रतीक है। पेट्रोलियम पदार्थों पर सर्वाधिक टैक्स लेने से मध्य प्रदेश को राजस्व की भी भारी क्षति हो रही है, क्योंकि दूसरे प्रति के वाहन चालक अब मध्य प्रदेश में पेट्रोल और डीजल नहीं खरीदते हैं। उन्होंने प्रदेश और केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि पेट्रोल डीजल और सांची दूध के दाम कम किया जाएं। जिससे की जनता को राहत मिल सके। इस दौरान बड़ी संख्या में कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

विदिशा में हुआ सिन्धियत जी पाठशाला का आयोजन

आज की जनधारा

विदिशा। सिंधी साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल के द्वारा पूज्य सिंधी पंचायत विदिशा के सहयोग से सिन्धियत जी पाठशाला नामक सिंधी भाषा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सिंधी समाज के बच्चों को सिंधी बोली लिखना, पढ़ना एवं सिंधी गीत, कविता तथा सिंधी महापुरुषों के बारे में जानकारी दी गई।पूज्य सिंधी पंचायत ऑडिटर रवि तलरेजा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शिविर दिनांक 13 मई से स्थानीय झूलेलाल मंदिर में प्रारम्भ हुआ तथा 24 मई को समापन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में ब्रह्मलीन संत साईं साधराम जी (रहड़की वाले) को श्रद्धा सुमन अर्पित किये गए। तत्पश्चात सभी विद्यार्थियों ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दीं। शिविरार्थियों द्वारा हेमू कालाणी गीत, सिंध के अंतिम सिंधी हिंदू सम्राट महाराजा दाहिरसेन जी की जीवनी, सिंधी नाट्य प्रस्तुति, सिंधी लोकगीत भजन, सिंधी कविताओं की प्रस्तुति की गई। सिंधी साहित्य अकादमी की ओर से प्रमाण पत्र वितरित किए गए। पाठशाला में शिक्षक की भूमिका में समाज पुरोहित पंडित राकेश शर्मा (रॉकी) ने बताया कि सिंधी साहित्य अकादमी भोपाल (मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद) विगत 5 वर्षों से प्रदेश के सभी नगरों में निःशुल्क पाठशाला आयोजित करा रही है जिससे युवा पीढ़ी को अपनी भाषा, बोली, संस्कृति का बोध हो। पूज्य सिंधी पंचायत के महामंत्री मनोज पंजवानी ने सभी से अपने घरों में निज बोली व मातृभाषा का उपयोग करने का आह्वान किया। पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष दीवान मंगतानी ने सभी का आभार व्यक्त किया। समापन समारोह में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष दीवान मंगतानी, महामंत्री मनोज पंजवानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वासुदेव धनवानी, कोषाध्यक्ष दिलीप रामानी, भारतीय सिंधू सभा विदिशा महिला शाखा अध्यक्षा जया लीलानी, वंशिका शर्मा, लक्ष्मी आसनानी, टीकम लालवानी, गिरधारी लाल वरलियानी कपिल लीलानी, निर्देश कामरानी, आशा पेसवानी, सुशीला धनवानी, लक्ष्मी मोटवानी, उर्वशी गंगवानी सहित समाज के सभी गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ज्ञापन

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

संतों की सुरक्षा को लेकर जैन समाज ने निकाली मौन रैली, दिया ज्ञापन

आज की जनधारा

विदिशा। सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा सोमवार को सुबह मौन रैली निकालकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन दिया गया। इस दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार से मांग करते हुए कहा कि संतों को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए उन्होंने कहा कि रीवा में जिस प्रकार से संतों को गाड़ी से कुचलकर मार डाला और उन्हें छोड़कर वहां से फरार हो गए इस मामले की पूरी जांच कराई जाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

इस दौरान व्यापार महासंघ के अध्यक्ष राजेश जैन, महामंत्री नरेश सोनी सहित समस्त पदाधिकारी एवं छत्तीस व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ज्ञापन जिला प्रशासन को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं संवैधानिक संस्थाओं को तहसीलदार बघेल के माध्यम से दिया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन ने करते हुये कहा कि केवल एक दिन की मौन रैली से सरकार की नींद नहीं खुलेगी। व्यापार महासंघ की ओर से ज्ञापन महामंत्री नरेन्द्र सोनी ने वाचन किया और कहा कि जैन समाज के साथ पूरा हिंदू समाज खड़ा हुआ है। सकल दि. जैन समाज द्वारा पांच सूत्रीय ज्ञापन में कहा गया कि पद विहारी साधु-संतों की सुरक्षा हेतु विशेष सुरक्षा व्यवस्था, राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति एवं आर्यिका माताजी दुर्घटना की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच एसआईटी से कराई जाए। घटना से संबंधित सभी सीसीटीवी, वीडियो एवं डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित किए जाएं, दोषियों पर कठोरतम कानूनी कार्यवाही की जाए और संत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया जाए। भारत सरकार द्वारा पैदल विहार करने वाले संतों हेतु राष्ट्रीय गाईड लाईन जारी की जाए तथा उनकी सुरक्षा एवं संवेदनशील मार्गों पर विशेष प्रावधान निर्मित किए जाए। संतों के विरुद्ध अपराधों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में रखा जाए क्योंकि साधु-संत आत्मरक्षा नहीं करते, वाहन या सुरक्षा साधनों का उपयोग नहीं करते तथा पूर्णतः अहिंसक जीवन जीते हैं। प्रशासन एवं समाज के बीच समन्वय तंत्र बनें। स्थानीय स्तर पर उसे लागू करें।

इस अवसर पर जैन समाज के प्रमुखों ने कहा कि जैन समाज सदैव शांति, अहिंसा, कानून और संवैधानिक मर्यादाओं में विश्वास रखता है। हमारा उद्देश्य किसी प्रकार का तनाव उत्पन्न करना नहीं बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना एवं तपस्वी संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रशासन इस अत्यन्त संवेदनशील विषय को गंभीरता से लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कदम उठाएगा।

वहीं इसी मामले को लेकर रविवार को रात्रि में नारी शक्तियों द्वारा मौन कैंडल मार्च निकाला गया जो नगर के मुख्यमार्गों से होते हुए नीमताल गांधी प्रतिमा पर समापन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं सहित जैन समाज के लोग मौजूद थे।

सांसद-विधायक जनता के बीच जाकर रखेंगे सरकार का रिपोर्ट कार्ड

मोदी सरकार के 12 साल होने पर 5 जून से भाजपा का विशेष अभियान

इस अभियान की शुरूआत विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से होगी और इसका समापन विश्व योग दिवस पर 21 जून को होगा।

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के कल 26 मई को 12 साल पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर भाजपा द्वारा 5 जून से विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जनता के बीच जाकर सरकार का रिपोर्ट कार्ड रखा जाएगा। इसके लिए प्रदेश भाजपा के द्वारा पूरा कार्यक्रम सभी शहर और जिला इकाई को भेज दिया गया है। इस अभियान की शुरूआत विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से होगी और इसका समापन विश्व योग दिवस पर 21 जून को होगा। सभी सांसद-विधायकों से कहा गया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में जाकर जनता के साथ मिले और संवाद करते हुए सरकार की उपलब्धि को जनता के सामने रखें। सांसदों की यह जिम्मेदारी होगी कि वह हर विधानसभा क्षेत्र को एक दिन का समय दें और उस दिन वहां पर लोगों के साथ संवाद करें। इसके साथी यह भी प्रावधान किया गया है कि समाज को प्रभावित करने वाले ओपिनियन मेकर्स के साथ भी चर्चा की जाए और उन्हें सरकार की नीति तथा कामकाज से अवगत कराया जाए। इस संपर्क अभियान के तहत प्रगति पथ यात्रा का आयोजन होगा और विकसित भारत संकल्प सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे।

प्रत्येक मंडल में सघन पौधरोपण

विधायकों, सांसदों से लेकर राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारियों को भी ओपिनियन मेकर्स से मुलाकात करनी होगी। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रत्येक मंडल में सघन पौधरोपण किया जाएगा। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को इस अभियान से जोड़ा जाएगा। सांसद और विधायक अपने क्षेत्रों में प्रगति पथ यात्रा और विकसित भारत संकल्प सम्मेलन के जरिए जनता से जुड़ेंगे। स्वच्छता अभियान चलाकर प्लास्टिक कचरे की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के साथ अभियान का समापन होगा। इस दौरान पार्टी द्वारा प्रत्येक मंडल में स्थानीय योग अभ्यास समूहों के सहयोग से योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। जहां संभव होगा, वहां 1 सप्ताह का योग प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का समन्वय नंदिता पाठक, राघवेंद्र शर्मा और मानसिंह यादव करेंगे।

उपलब्धियों की प्रदर्शनी एवं सभागार बैठकें

15 जून से 18 जून के बीच प्रत्येक जिले में मोदी सरकार की उपलब्धियों पर आधारित 3 दिवसीय प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान ऑन-द-स्पॉट चित्रकला प्रतियोगिता, वॉक्स पॉप वीडियो रिकॉर्डिंग और लाभार्थियों के अनुभव साझा करने जैसे कार्यक्रम भी होंगे। साथ ही जिलों में प्रबुद्धजन और व्यापारी वर्ग की व्यापक उपस्थिति वाली सभागार बैठकें आयोजित की जाएंगी। 19 जून से 20 जून तक किसानों को जागरूक करने के लिए प्रत्येक जिले में दो स्थानों पर प्राकृतिक खेती कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इन कार्यशालाओं में विशेषज्ञों और अनुभवी व्यक्तियों द्वारा प्रत्यक्ष प्रदर्शन और व्याख्यान दिए जाएंगे। इसकी जिम्मेदारी अर्चना सिंह और जयपाल सिंह चावड़ा की टोली को सौंपी गई है।

उम्मीदवारों को तैयारी के लिए मिलेगा अतिरिक्त समय

वन और जेल विभाग की संयुक्त भर्ती परीक्षा की तारीख में बदलाव

यह भर्ती परीक्षा वन विभाग के वन रक्षक, क्षेत्र रक्षक पदों के साथ-साथ जेल विभाग के जेल प्रहरी और सहायक जेल अधीक्षक पदों के लिए आयोजित की जा रही है। भर्ती प्रक्रिया को लेकर युवाओं में पहले से ही काफी उत्साह देखा जा रहा था।

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने वन विभाग और जेल विभाग की संयुक्त भर्ती परीक्षा की तारीख में बड़ा बदलाव किया है। पहले यह परीक्षा 25 मई से शुरू होना थी, लेकिन अब परीक्षा 4 जून 2026 से आयोजित की जाएगी। परीक्षा तिथि आगे बढने से लाखों अभ्यर्थियों को राहत मिली है, क्योंकि इसी दौरान एसएससी और सीयूईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं भी आयोजित हो रही थीं। बताया जा रहा है कि परीक्षा तिथियों के टकराव के कारण बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के सामने दोनों परीक्षाओं में शामिल होने की समस्या खड़ी हो गई थी। लगातार मिल रही शिकायतों और अभ्यर्थियों की मांग के बाद ईएसबी ने भर्ती परीक्षा आगे बढ़ाने का फैसला लिया। अब उम्मीदवारों को तैयारी के लिए अतिरिक्त समय भी मिल जाएगा। यह भर्ती परीक्षा वन विभाग के वन रक्षक, क्षेत्र रक्षक पदों के साथ-साथ जेल विभाग के जेल प्रहरी और सहायक जेल अधीक्षक पदों के लिए आयोजित की जा रही है। भर्ती प्रक्रिया को लेकर युवाओं में पहले से ही काफी उत्साह देखा जा रहा था। हालांकि इस बार आवेदन संख्या उम्मीद से कम रही। ईएसबी परीक्षा कैलेंडर पर पड़ेगा असर

विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, संयुक्त भर्ती परीक्षा के लिए करीब 3 लाख 92 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। पिछले भर्ती चक्र की तुलना में यह संख्या कम मानी जा रही है और आवेदन चार लाख का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। इधर, परीक्षा तारीख बदलने का असर अब पूरे ईएसबी परीक्षा कैलेंडर पर पड़ता दिखाई दे रहा है। ईएसबी के 2 अप्रैल को जारी कार्यक्रम के अनुसार, जून महीने में समूह-2 उप समूह-4 संयुक्त भर्ती परीक्षा, समूह-3 उपयंत्री भर्ती परीक्षा और पीएनएसटी जैसी बड़ी परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। तैयारी की रणनीति हो रही प्रभावित वहीं एएनएमटीएसटी परीक्षा भी मई में प्रस्तावित है। ऐसे में वन रक्षक और जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा आगे बढने से आगामी परीक्षाओं के शेड्यूल में बदलाव की संभावना जताई जा रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि मई और जून में प्रस्तावित कई भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं की रुलबुक अब तक जारी नहीं हुई है। इससे अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं का कहना है कि लगातार बदलती तारीखें और देर से जारी होने वाले नियम पुस्तिका के कारण तैयारी की रणनीति प्रभावित हो रही है।

पेट्रोल-डीजल के दाम फिर बढ़े- मप्र में कई शहरों में पेट्रोल 115 के पार

भोपाल में अब पेट्रोल 114.65 और डीजल 99.74 रुपये प्रति लीटर

भोपाल। मध्यप्रदेश में पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। तेल कंपनियों ने सोमवार को फिर ईंधन के दाम बढ़ा दिए। पेट्रोल में 2.61 रुपये और डीजल में 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही प्रदेश के कई शहरों में पेट्रोल 115 रुपये के करीब पहुंच गया, जबकि डीजल 100 रुपये के पार निकल गया है। भोपाल में अब पेट्रोल 114.65 रुपये और डीजल 99.74 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। प्रदेश के बड़े शहरों में उज्जैन सबसे महंगा हो गया है, जहां पेट्रोल 115.03 रुपए और डीजल 100.11 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया। इंदौर में पेट्रोल 114.54 रुपए और डीजल 99.57 रुपए हो गया है। जबलपुर और ग्वालियर में भी तेल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मई महीने में यह चौथी बार है जब तेल कंपनियों ने कीमतें बढ़ाई हैं। 15 मई से शुरू हुई बढ़ोतरी के बाद अब तक पेट्रोल-डीजल करीब 8 रुपए प्रति लीटर तक महंगे हो चुके हैं। प्रदेश में सबसे महंगा पेट्रोल एक ओर पेट्रोलियम कंपनियां दाम बढ़ा रही है, वहीं राज्य सरकार अपने हिस्से का टैक्स कम नहीं कर रही है, जिस कारण दूसरे राज्यों की अपेक्षा मध्यप्रदेश में पेट्रोल-डीजल के सबसे ज्यादा भाव है। अकेले पेट्रोल पर ही 29 प्रतिशत वेट टैक्स है तो सरकार इसके अतिरिक्त ढाई रुपए प्रति लीटर सरकार अलग से लेती है और फिर पूरे दाम पर 1 प्रतिशत सेस लगता है, वहीं डीजल पर 19 प्रतिशत वेट टैक्स लेती है, जो दूसरे राज्यों की तुलना में अधिक है। आशंका है कि अब घरेलू एलपीजी के दामों में बढ़ोतरी की जा सकती है, वहीं सीएनजी पर अभी सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया है। सीएनजी अभी भी 95 रुपए प्रतिकिलो के भाव से मिल रही है, इसके दाम भी बढने की संभावना है।

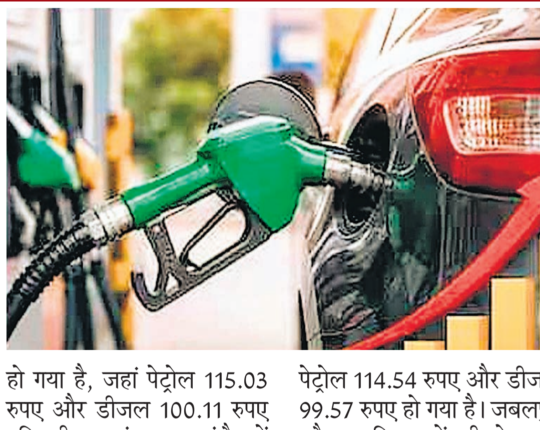

बढ़ेगा मालभाड़ा, महंगी होंगी रोजमर्रा की चीजें

डीजल महंगा होने का सीधा असर परिवहन पर पड़ेगा। ट्रक और मालवाहक वाहनों का किराया बढने से सब्जियां, फल, राशन और दूसरे जरूरी सामान महंगे हो सकते हैं। स्कूल बस, ऑटो और सार्वजनिक परिवहन का किराया भी बढने के संकेत हैं। खेती-किसानी पर भी असर पड़ेगा। ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने का खर्च बढने से किसानों की लागत बढ़ेगी, जिसका असर अनाज और खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर पड़ सकता है।

कच्चे तेल की कीमतें बनी वजह

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी को इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह बताया जा रहा है। ईरान-अमेरिका तनाव के बाद क्रूड ऑयल 70 डॉलर प्रति बैरल से बढकर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। तेल कंपनियों का कहना है कि बढ़ती लागत के कारण दाम बढ़ाना जरूरी हो गया था। डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा असर परिवहन व्यवस्था पर देखने को मिलेगा। ट्रक और मालवाहक वाहनों का किराया बढ़ने से सब्जियां, फल, राशन समेत रोजमर्रा की जरूरी वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। इसके अलावा स्कूल बस, ऑटो और सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के किराए में भी बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। इसका सीधा असर आम लोगों के मासिक बजट पर पड़ेगा।

कमलनाथ ने सरकार पर साधा निशाना

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार महंगाई रोकने के बजाय पूरा बोझ जनता पर डाल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कच्चे तेल के दाम कम थे तब जनता को राहत नहीं दी गई और अब लगातार कीमतें बढ़ाई जा रही हैं।

गर्मी से राहत देने में जुटा भोपाल मंडल, स्टेशनों पर स्वयंसेवकों द्वारा नि:शुल्क पेयजल वितरण

भोपाल (ईएमएस) । गर्मी के मौसम में यात्रियों को यात्रा के दौरान भीषण गर्मी से बचाव हेतु पीने का पानी उपलब्ध कराने की दिशा में भोपाल मंडल द्वारा सभी स्टेशनों पर पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में एनजीओ व स्वयंसेवी संस्था द्वारा बीना, व्यावरा राजगढ़, विदिशा, नर्मदापुरम, संत हिरदाराम नगर, अशोकनगर, गंज बसोदा, खिरकिया, मंडी बामोरा, रूठियाई, हरदा, भोपाल, गुना, बदरवास, मूंगावली एवं शाजापुर जैसे मंडल के कुल 16 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को पानी पिलाने के कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में स्वमं सेवक सेवाभाव से यात्रियों को पानी पिलाने का कार्य कर रहे है। जिसमे स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखा जा रहा है जिससे यात्रियों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल प्राप्त हो सके। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल यात्री सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृत संकल्पित है और यह प्रयास यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी करने हेतु एक अभीष्ट कदम है। इस अतिरिक्त पेय जल की व्यवस्था से विशेष रूप से सामान्य कोच के यात्रियों को भीषण गर्मी में राहत मिला रहा है।

नौ माह बाद अफसरों को जीएडी ने एकतरफा किया रिलीव

तबादले के बाद भी नई जगह नहीं जाना चाहते थे अफसर, अब नहीं माने तो वेतन कटेगा

विभाग ने संबंधित कलेक्टरों को भी निर्देश जारी किए हैं कि यदि आदेश के बाद भी अधिकारी पुराने स्थान पर कार्य करते पाए गए तो उनका वेतन आहरित नहीं किया जाएगा। प्रशासनिक हलकों में इस कार्रवाई को अनुशासनात्मक सख्ती के रूप में देखा जा रहा है।

भोपाल। मध्यप्रदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को तबादले के बाद समय पर रिलीव नहीं किए जाने का मामला सामने आया है। अगस्त 2025 में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा किए गए तबादलों के बावजूद कई अधिकारी नौ-नौ महीने तक पुराने पदस्थापना स्थल पर ही कार्य करते रहे, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। अब सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने सख्त कदम उठाते हुए चार राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को एकपक्षीय रूप से कार्यमुक्त कर दिया है। विभाग द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह कार्रवाई 20 मई से प्रभावी मानी जाएगी। जीएडी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल नई पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा गया है कि कार्यभार संभालने के बाद इसकी सूचना सामान्य प्रशासन विभाग को भेजना अनिवार्य होगा। सूत्रों के मुताबिक जिन अधिकारियों को एकतरफा रिलीव किया गया है, उनमें अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर और डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारी शामिल हैं। विभाग ने संबंधित कलेक्टरों को भी निर्देश जारी किए हैं कि यदि आदेश के बाद भी अधिकारी पुराने स्थान पर कार्य करते पाए गए तो उनका वेतन आहरित नहीं किया जाएगा। प्रशासनिक हलकों में इस कार्रवाई को अनुशासनात्मक सख्ती के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि लंबे समय से लंबित रिलीविंग के कारण जिलों में प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे थे, जिसके चलते विभाग को यह कदम उठाना पड़ा। नौ माह से रिलीव नहीं हुए ये अफसर प्रमोशन के बाद रोहन कुमार संयुक्त कलेक्टर बड़वानी से अपर कलेक्टर जिला अलीराजपुर, प्रियंक भारद्वाज डेहरिया डिप्टी कलेक्टर जिला सागर से डिप्टी कलेक्टर जिला छतरपुर, संतोष मुदगल, प्रभारी डिप्टी कलेक्टर जिला रायसेन से प्रभारी उप संचालक सामाजिक न्याय, ग्वालियर, राकेश कुमार चौधरी, प्रभारी डिप्टी कलेक्टर जिला कटनी से प्रभारी डिप्टी कलेक्टर जिला रीवा शामिल है।

पटवारी की अनुशंसा पर तबादले की गारंटी

भोपाल में राजस्व विभाग का कर्मचारी तैयार कर रहा है सूची

भोपाल। प्रदेश में नई तबादला नीति 1 जून से लागू होने जा रही है। इससे पहले ही विभाग और जिला स्तर पर तबादलों की कसरत शुरू हो गई है। राजधानी भोपाल में बड़ा मामला सामने आया है, जहां जिले में पदस्थ पटवारियों की तबादला सूची एक वरिष्ठ पटवारी तैयार कर रहा है। इतना ही नहीं तबादले की गारंटी भी दी जा रही है। खास बात यह है कि वरिष्ठ पटवारी शासन की नीति के विरुद्ध खुद गृह तहसील में लंबे समय से पदस्थ है। राजधानी भोपाल में सालों से जमे पटवारियों के कारनामों की शिकायतें राज्य शासन तक भी पहुंची हैं, लेकिन पटवारियों के रसूख के आगे नियम भी बौने हो जाते हैं। पिछले साल भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने भोपाल में लंबे समय से जमे पटवारियों की सूची जिला प्रशासन और प्रभारी मंत्री को सौंपी। जब तबादले हुए थे कुछ ही पटवारियों को हटाया गया। इनमें से कुछ पटवारी को सालभर बाद भी रिलीव नहीं हुए हैं। जबकि कुछ पटवारियों को रिलीव करने की वजाय जिला प्रशासन ने इधर-उधर अटैच कर दिया। यह बात अलग है कि भोपाल के पटवारियों के भ्रष्टाचार स्टिंग ऑपरेशन में उजागर हो चुका है।

सीट रिक्त करने निकाली अजीब तरकीब

बताया गया कि जो वरिष्ठ पटवारी दूसरे पटवारियों के तबादले के गारंटी ली है। उन्होंने तहसीलों में पटवारियो के पद रिक्त करने की भी तरकीब निकाल ली है। जिस पटवारी को तहसील से हटाना चाहते हैं, उनके झूठी शिकायतें कलेक्टर तक पहुंचा दी हैं। बैरसिया, हुजूर और कोलार तहसील के पटवारियों की शिकायतें कलेक्टर कार्यालय तक पहुंची हैं। शिकायत के आधार पर पटवारियों को हटाकर दूसरे को पदस्थ करने की गारंटी ली गई है। शासन की मनाही के बाद भी गृह तहसील में जमे पटवारी पिछले साल आयुक्त भू अभिलेख ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए थे कि किसी भी पटवारी को उसकी गृह तहसील में पदस्थ नहीं किया जाए, लेकिन भोपाल जिले में कई पटवारी हैं। जो वर्तमान में गृह तहसील में पदस्थ है। पूर्व कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने जानकारी होने के बाद पटवारियों की पदस्थापना में गृह तहसील के नियम का पालन नहीं कराया। वर्तमान कलेक्टर तक भी गृह तहसील में पदस्थ पटवारियों की जानकारी पहुंचा दी गई है।

अटैच पटवारियों पोस्टिंग की भी तैयारी

पिछली तबादला नीति में ट्रांसफर हुए कई पटवारी एक साल के बाद भी अभी तक रिलीव नहीं हुए है। जिसके बाद इन सभी के ट्रांसफर के लिए भी जद्दोजहद चालू हो गई है। बैरसिया से भोपाल की हुजूर और कोलार तहसील में ट्रांसफर हुए पटवारियों ने नवीन पदस्थापना पर कार्य ग्रहण कर लिया है, लेकिन इन दोनों तहसील से बैरसिया ट्रांसफर हुए पटवारी एक साल बाद भी रिलीव नही हुए है । दो दशक से एक ही तहसील में पदस्थ हैं पटवारी दिलचस्प बात यह है कि भोपाल जिले की कई तहसीलों में 23 साल से एक ही पटवारी पदस्थ हैं। सांसद आलोक शर्मा की सूची के अनुसार जिन पटवारियों को एक ही तहसील में 23 साल हो चुके हैं। उनमें भगवत सिंह धनगर, नरेंद्र बचोतिया, योगेंद्र कुमार सक्सेना, धर्मेंद्र सिंह कुशवाह, नासिर उद्दीन, महेश कुमार बंकरिया, मनोहर सिंह राजपूत, नई अहमद, सदाशिव गौड़, रेणू पटेल, नीलिमा नागर, रमेश शर्मा, प्रदीप गौर, संदीप शर्मा, अर्चना भटनागर आदि के नाम हैं, जो सालों से एक ही तहसील में पदस्थ हैं।

डिजिटल दीदी पूनम खेल-खेल में संवार रही नौनिहालों का भविष्य

वक्फ बोर्ड ने 850 विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप दी

भोपाल। डिजिटल प्लेटफॉर्म का सही इस्तेमाल अगर समाज को बदलने के लिए किया जाए, तो परिणाम कितने सुखद हो सकते हैं, इसकी मिसाल पेश की है मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने। परासिया परियोजना के वार्ड क्रमांक 12 की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पूनम चौरसिया आज सोशल मीडिया पर एक चर्चित नाम बन चुकी हैं। पूनम अपनी आंगनवाड़ी के बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाने और उनके संपूर्ण विकास के लिए अनूठे प्रयोग कर रही हैं। पूनम चौरसिया के यूट्यूब चैनल की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस चैनल पर 71 हजार 600 से अधिक सब्सक्राइबर्स जुड़ चुके हैं। खेल-खेल में प्रारंभिक बाल्याव्यस्था, देखभाल और शिक्षा गतिविधियों को सिखाते हुए पूनम अब तक 6 हजार 800 से ज्यादा वीडियो अपलोड कर चुकी हैं, जिन्हें 7 करोड़ 48 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। यूट्यूब ही नहीं, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भी उनकी वीडियो खूब पसंद किए जा रहे हैं। स्थानीय संसाधनों से शिक्षा को बनाया मजेदार

एम.कॉम शिक्षित पूनम साल 2020 से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में सेवाएं दे रही हैं। वे भारत सरकार के 48 सप्ताह के आधारशिला पाठ्यक्रम को रटाने के बजाय बेहद मनोरंजक तरीके से बच्चों को सिखाती हैं। पूनम बच्चों के लिये पाठ्यक्रम को इतना आसान और मजेदार बना देती हैं कि बच्चे खुद व खुद पढ़ाई की ओर खिचें चले आते है। खास बात यह है कि इन गतिविधियों के लिए वे किसी महंगे सामान का इस्तेमाल नहीं करतीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों जैसे कंकड़, पत्थर, रंग-बिरंगे कागज और घरेलू वस्तुओं के जरिए बच्चों को अक्षर ज्ञान, रंगों की पहचान, शेप और शैडो (आकृतियां और परछाईं) जैसी पेचीदा चीजें सहजता से सिखा देती हैं। पढ़ाई भी और पोषण भी: आंगनवाड़ी बनी स्मार्ट क्लास मध्यप्रदेश के 98 हजार से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों में 30 लाख से अधिक बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और शाला पूर्व शिक्षा दी जा रही है। आंगनवाड़ी देश का एकमात्र ऐसा संस्थान है जहां पोषण के साथ पढ़ाई भी होती है। पूनम ने इस अवधारणा को पूरी तरह धरातल पर उतारा है। उन्होंने भारत सरकार के पोषण भी-पढ़ाई भी अभियान के तहत प्रथम चरण का प्रशिक्षण लिया और उत्कृष्ट कार्य के चलते दूसरे चरण में वे स्टार चैंपियन कार्यकर्ता के रूप में चुनी गईं। इसके बाद उन्होंने निपसिड से मास्टर ट्रेनर के रूप में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्तमान में उनके केंद्र में 3 से 6 आयु वर्ग के 43 बच्चे दर्ज हैं, जिनमें से 22 बच्चे नियमित रूप से शाला पूर्व शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अभिभावकों में बढ़ा भरोसा, निजी स्कूलों को मिल रही टक्कर पूनम के इस अभिनव प्रयास का सबसे बड़ा असर स्थानीय समाज पर पड़ा है। क्षेत्र के अभिभावक निजी स्कूलों को छोड़कर अपने बच्चों को पूनम की आंगनवाड़ी केंद्र में भेज रहे हैं। माता-पिता स्वयं बच्चों को केंद्र पर छोड़ने और लेने आते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूनम ने आंगनवाड़ी के पारंपरिक ढर्रे को बदलकर उसे एक आधुनिक शिक्षा केंद्र का रूप दे दिया है। स्थिति यह है कि जब यहां के बच्चे आगे चलकर प्राथमिक स्कूलों में प्रवेश लेते हैं, तो अभिभावक गर्व से कहते हैं कि ये पूनम की आंगनवाड़ी से पढ़कर आए हैं। अन्य कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत पूनम चौरसिया की यह अनूठी पहल अन्य आंगनवाड़ी कार्यकताओं के लिये प्रेरणा है। डिजिटल माध्यमों का सही उपयोग कर सरल गतिविधियों और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों से बच्चों को शिक्षा के प्रति आकर्षित किया जा सकता है।

शिक्षा अधोसंरचना को मिलेगी नई मजबूती, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस खरगोन में नवीन भवन का भूमि पूजन

आज की जनधारा

खरगोन। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस खरगोन में अतिरिक्त कक्षाओं के लिए प्रस्तावित नवीन भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह निर्माण कार्य बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (बीडीसी) द्वारा कराया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना का विकास विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। नवीन भवन के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं प्राप्त होंगी और महाविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण और अधिक सुदृढ़ होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है और यह भवन विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात सिद्ध होगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी.एस. चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण से विद्यार्थियों को पर्याप्त शैक्षणिक स्थान उपलब्ध होगा, जिससे शिक्षण व्यवस्था अधिक प्रभावी और सुचारु बन सकेगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए शासन एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्माण कार्य महाविद्यालय के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर बीडीसी के अधिकारी श्री रवींद्र अवास्या, श्री पुष्पेंद्र डावर सहित अन्य गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

उज्जैन पुलिस की जनजागरूकता मुहिम का सकारात्मक परिणाम- राहवीर योजना एवं सी.पी.आर. प्रशिक्षण से सड़क दुर्घटना में घायल युवक की समय पर हुई मदद

आज की जनधारा

उज्जैन। खरसौदखुर्द ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटना के बाद स्थानीय दुकानदार ने पुलिस द्वारा प्रदत्त फर्स्ट एड किट एवं प्रशिक्षण का किया प्रभावी उपयोग, घायल को तत्काल अस्पताल पहुँचाने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका। उक्त सराहनीय कार्य पर पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा बालकृष्ण भाटी को किया गया सम्मानित। उज्जैन पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं दुर्घटना के दौरान घायलों को गोल्डन ऑवर में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने हेतु जिले के चिन्हित कुल 20 ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों पर लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्व में जिले के विभिन्न दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर राहवीर योजना, सी.पी.आर. प्रशिक्षण, फर्स्ट एड एवं सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सुरक्षित सहायता संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये थे।

न्यूज । ब्रीफ

आनंद सभा प्रशिक्षण में खरगोन से 50 शिक्षक होंगे शामिल, सार्वभौमिक मानवीय मूल्य पर आधारित 6 दिवसीय आवासीय कार्यशाला

खरगोन। मध्यप्रदेश शासन के आनंद विभाग द्वारा प्रदेशभर में लागू किए गए आनंद सभा पाठ्यक्रम के अंतर्गत यू.एच.वी. (सार्वभौमिक मानवीय मूल्य) आधारित छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन भोपाल में किया जा रहा है। यह कार्यशाला बोर्ड ऑफिस परिसर स्थित आनंद संस्थान सभागार में 25 मई से 30 मई तक आयोजित होगी। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के अपर संचालक के आदेशानुसार, खरगोन जिले से 50 शिक्षक-शिक्षिकाओं का चयन प्रशिक्षण के लिए किया गया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार कानुडे द्वारा संबंधित प्राचार्यों को पत्र जारी कर चयनित शिक्षकों को प्रशिक्षण अवधि में कार्य-मुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। आनंद विभाग के जिला समन्वयक श्री के.बी. मंसारे ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यशाला पूर्णतः आवासीय है। इसमें प्रतिभागियों को छह दिनों तक नियमित प्रशिक्षण के माध्यम से जीवन जीने की कला, स्वयं को समझने, परखने और जांचने के अवसर मिलेंगे। प्रशिक्षण के दौरान सहभागिता आधारित गतिविधियाँ, संवाद और अभ्यास शामिल रहेंगे। समग्र शिक्षा एवं सेकेंडरी एजुकेशन की एडीपीसी सुश्री सोनालिका अचाले तथा कार्यालय सहायक श्री सुनील मुकाती ने चयनित सभी शिक्षकों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें, ताकि प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ प्राप्त किया जा सके। यह पहल शिक्षकों के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों, सकारात्मक सोच और आनंदपूर्ण जीवन दृष्टि के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

भारतनेट से गांव-गांव तक इंटरनेट की पहुंच

खरगोन। बीएसएनएल भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी के रूप में ग्रामीण भारत में डिजिटल क्रांति की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मोबाइल, ब्रॉडबैंड, एफटीटीएच, एंटरप्राइज एवं डिजिटल कनेक्टिविटी सेवाओं के माध्यम से बीएसएनएल देश के दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों को हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड़ रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए श्री मिथिलेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, मध्यप्रदेश परिमंडल ने बताया कि भारतनेट उद्यमी ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी की रीढ़ साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से बीएसएनएल न केवल इंटरनेट सेवाओं का विस्तार कर रहा है, बल्कि स्थानीय स्तर पर उद्यमिता और रोजगार के नए अवसर भी सृजित कर रहा है। बीएसएनएल वर्तमान में 16 राज्यों में भारतनेट परियोजना का संचालन एवं रखरखाव कर रहा है। अब तक लगभग 6.94 लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर बिछाई जा चुकी है तथा 2.18 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है। इसके माध्यम से ग्रामीण भारत में 13 लाख से अधिक एफटीटीएच कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी को और सशक्त बनाने के लिए बीएसएनएल द्वारा ह्लभारतनेट उद्यमीह्व मॉडल को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में 7,700 से अधिक भारतनेट उद्यमी बीएसएनएल के साथ कार्य कर रहे हैं, जो ग्रामीण युवाओं, केबल ऑपरेटरों, स्टार्टअप्स, स्वयं सहायता समूहों एवं तकनीकी रूप से सक्षम युवाओं को कम निवेश में स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं। बीएसएनएल द्वारा इन उद्यमियों को तकनीकी प्रशिक्षण, राजस्व साझेदारी मॉडल तथा विभिन्न प्रोत्साहन सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।
भारतनेट उद्यमी योजना का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक उच्च गति ब्रॉडबैंड सेवाएं पहुंचाकर डिजिटल इंडिया मिशन को मजबूती प्रदान करना है। इस पहल के तहत स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायत कार्यालयों, कृषि संस्थानों एवं अन्य सरकारी संस्थाओं को भी हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड़ा जा रहा है। बीएसएनएल के आधुनिक और नवीनतम तकनीक आधारित एफटीटीएच एवं भारतनेट नेटवर्क का लाभ उठाकर भारतनेट उद्यमी कार्यक्रम से जुड़ने वाले व्यक्ति न केवल नियमित मासिक आय अर्जित कर सकते हैं।

संत सुरक्षा व रीवा शहर में हुई दुर्घटना की निष्पक्ष जाँच की मांग को लेकर सकल जैन समाज ने देश के राष्ट्रपति सहित अन्य विभागों के नाम एसडीएम को दिया ज्ञापन

आज की जनधारा

थांदला। सकल विश्व को भगवान महावीर के मूलभूत सिद्धांत अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्राम्हश्चर्य व अपरिग्रह का संदेश देने वाला जैन समाज जिनके संत-सती पूर्णतः इन महाव्रतों को धारण कर निहत्थे ही पैदल विहार करते है। ऐसे त्याग व तपस्या की प्रतिमूर्ति जैन समाज ही नही सकल विश्व की धरोहर है जिनकी सुरक्षा करना समाज व शासन की नैतिक जिम्मेदारी है।विगत कुछ वर्षों में अनेक उपद्रवियों द्वारा ऐसे संत समाज पर हमलों से जैन समाज की आत्मा आहत हुई है लेकिन फिर भी जैन समाज ने धैर्य का परिचय देते हुए देश की कानून व्यवस्था पर भरोसा जताया है। थांदला नगर में दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष अरुण (बाला) कोठारी, श्वेतांबर स्थानकवासी जैन समाज अध्यक्ष प्रदीप गादिया, मुर्तिपूजक संघ अध्यक्ष कमलेश जैन (दायजी), तेरापंथ महासभा अध्यक्ष अभय रुनवाल, पूज्य श्री धर्मदास गण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष भरत भंसाली के नेतृत्व में सकल जैन समाज के पदाधिकारियों व सदस्यों के संग व नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील पणदा, अटल सामाजिक संस्था के राजू धानक आदि ने हाथों पर काली पट्टी बांध कर नगर के हृदय स्थल आजाद चौक से एसडीएम कार्यालय तक मौन जुलूस निकालते हुए रीवा शहर में पूज्या श्री शुद्धमति माताजी व पूज्या श्री उपशममति माताजी के विहार के दौरान हुई दुःखद दुर्घटना द्वारा देवलोक गमन को साजिश मानते हुए उसकी निष्पक्ष जाँच करवाने के लिए विशेष जाँच दल गठित कर दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग, संत सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा नीति बनाते हुए उसे तत्काल लागू किये जाने, संतों के विरुद्ध अपराधों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में रखने जैसी मांगों को लेकर देश के महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री मोहन यादव, राज्यपाल मंगू भाई पटेल के नाम थांदला अनुविभागीय अधिकारी भास्कर गाचले को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन का वाचन प्रदीप गादिया ने किया। इस अवसर पर संघ के वरिष्ठ अभय मेहता, कांतिलाल महता, पारस मेहता, शशिकांत बोबड़ा, हितेश शाहजी, प्रदीप जैन, जितेंद्र घोड़ावत, अनिल भंसाली, प्रांजल लोढ़ा, रजनीकांत शाहजी, पवन नाहर, शरद मेहता, रजनीकांत लोढ़ा, प्रांजल भंसाली, महावीर मेहता, अभिषेक मिंडा आदि अनेक जन उपस्थित थे।

रीवा में 20 मई को हुई हृदय विदारक घटना में 2 जैन साध्वियों की समाधी होने के विरोध में करेली में निकला मौन जुलूस

संत सुरक्षा कानून बनाने की उठी मांग, सकल जैन समाज में भारी आक्रोश

आज की जनधारा

करेली। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में 20 मई को हुई हृदय विदारक घटना, जिसमें दो जैन साध्वियों का समाधि मरण हो गया, के विरोध में करेली के सकल जैन समाज द्वारा सोमवार को विशाल मौन जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। समाजजनों ने घटना को अत्यंत निंदनीय एवं पीड़ादायक बताते हुए दोषी वाहन चालक पर कठोरतम कार्रवाई की मांग की। साथ ही देशभर में भ्रमणशील साधु-संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष ह्लसंत सुरक्षा कानूनह्व बनाए जाने की मांग भी जोरदार तरीके से उठाई गई।ज्ञात हो कि गत दिवस रीवा जिले में जैन साध्वी आर्यिका माताजी को एक वाहन चालक द्वारा कथित रूप से जानबूझकर टक्कर मार दी गई थी, जिससे उनका समाधि मरण हो गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे प्रदेश सहित करेली के जैन समाज में गहरा शोक और आक्रोश व्याप्त हो गया। घटना के विरोध में करेली के सकल जैन समाज ने एकजुट होकर नगर में शांतिपूर्ण मौन जुलूस निकाला।मौन जुलूस सुबह दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से प्रारंभ हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुए। पुरुष वर्ग सफेद वस्त्रों में तथा महिला वर्ग पीले एवं केसरिया वस्त्रों में श्रद्धा और अनुशासन के साथ शामिल रहा।

श्रद्धालु हाथों में पूज्य समाधिस्थ संत आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी एवं वर्तमान आचार्य पूज्य समय सागर महाराज श्री के चित्र लेकर मौन धारण किए हुए चल रहे थे। पूरे नगर में शोक, श्रद्धा और आक्रोश का वातावरण दिखाई दिया।मौन जुलूस के दौरान समाजजनों ने कहा कि अहिंसा, संयम, त्याग और तपस्या का जीवन जीने वाले साधु-संतों पर इस प्रकार के हमले अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और असहनीय हैं। समाज की नगर गौरव ब्रह्मचारिणी नूरी दीदी ने कहा कि जैन समाज इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं बल्कि सुनियोजित कृत्य मानता है। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाना चाहिए और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मोन जुलूस को संबोधित करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी मुकेश जैन ने शासन-प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि देशभर में पदयात्रा एवं विहार करने वाले संतों की सुरक्षा के लिए ठोस और प्रभावी कानून बनाया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। समाजजनों ने यह भी कहा कि संत समाज देश को आध्यात्मिक दिशा देने का कार्य करता है, ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।नगर में निकले इस मौन जुलूस का नागरिकों ने भी सम्मानपूर्वक स्वागत किया तथा संतों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम के समापन पर दिवंगत आर्यिका माताजी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई,अंत में समाजजनों ने एक स्वर में दोषियों पर सख्त कार्रवाई एवं संत सुरक्षा कानून लागू करने की मांग दोहराई।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश महामंत्री रविंद्र सिंह लोधी जी का दमोह प्रवास, कार्यकताओं को दिया संगठन मजबूती का मंत्र

आज की जनधारा

दमोह। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महामंत्री श्री रविंद्र सिंह लोधी आज दमोह जिले के एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे। श्री लोधी ने सर्वप्रथम जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बंदकपुर स्थित जागेश्वर नाथ धाम में भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात भाजपा जिला कार्यालय में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला पदाधिकारियों की बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक में श्री लोधी ने सभी पदाधिकारियों से आत्मीय मुलाकात कर आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा की। अपने संबोधन में प्रदेश महामंत्री श्री रविंद्र सिंह लोधी ने कहा कि ₹ओबीसी मोर्चा भाजपा का एक महत्वपूर्ण अंग है। सभी ओबीसी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की ओबीसी हितैषी योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करना है।₹ उन्होंने छोटे-छोटे गांवों तक पहुंचकर ओबीसी समाज को संगठन से जोड़ने तथा मोर्चा के कार्यों को और अधिक मजबूती के साथ करने के निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष श्री श्याम शिवहरे ने कहा कि ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ता संगठन की योजनाओं को ओबीसी वर्ग में पहुंचाएं तथा ऐसे वर्ग को भी भाजपा से जोड़ें जो ओबीसी समाज से हैं परन्तु अभी संगठन से नहीं जुड़े हैं। इससे ओबीसी समाज और संगठन दोनों सशक्त होंगे। इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री भरत यादव, मोर्चा जिला अध्यक्ष भोले सराफ, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया, महामंत्री अरुन सोनी, मनीष सोनी,पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अभिषेक राय, जगत सिंह, जिला मंत्री राजेश कुशवाहा, जिला कोषाध्यक्ष नर्मदा साहू, जिला मीडिया प्रभारी खेमचंद कुशवाहा, कार्यालय मंत्री दीपक गुप्ता, तुलसी राम कुशवाहा, लक्ष्मी नारायण साहू, नर्मदा पटेल, हरी रजक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दमोह में एससी-एसटी एक्ट के लंबित मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित

आज की जनधारा

दमोह। आज दिनांक 25.05.2026 को पुलिस अधीक्षक श्री आनंद कलादगि (IPS) के निर्देशन में , पुलिस अधीक्षक अजाक श्रीमति प्रतिमा पटेल ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुजीत सिंह भदौरिया की उपस्थिति में समस्त थाना प्रभारियों एवं राजपत्रित अधिकारियों की एससी-एसटी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज मामलों की विस्तृत समीक्षा एवं लंबित अपराधों के त्वरित निराकरण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि 1. लंबित मामलों को प्राथमिकता से लिया जाए विवेचना में किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए। पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। 2 .समीक्षा के दौरान वर्ष 2025-2026 में दर्ज प्रकरणों की स्थिति ,लंबित प्रकरणों के कारण , उनके निराकरण की प्रगति पर अधिकारियों से जानकारी ली गई।

रीवा की घटना के विरोध में जैन समाज का बड़ा प्रदर्शन, संत सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग

आज की जनधारा

दमोह। रीवा में जैन समाज की साध्वियों साथ घटित घटना के विरोध में जैन समाज द्वारा व्यापक स्तर पर मौन आक्रोश के साथ श्री दिगंबर जैन पंचायत, दमोह , श्री दिगंबर सिद्ध क्षेत्र कुण्डलगिरी के नेतृत्व में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने एकजुट होकर प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संतों की सुरक्षा, निष्पक्ष जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। श्री दिगंबर जैन पंचायत अध्यक्ष सुधीर सिंघाई ने कहा कि जैन समाज अहिंसा, संयम और शांति का प्रतीक रहा है, लेकिन हाल रीवा की घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। समाज ने इसे सामान्य दुर्घटना मानने से इनकार करता हैऔर निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग करता है। श्री दिगंबर सिद्ध क्षेत्र कुण्डल गिरी अध्यक्ष चंद्रकुमार जैन सराफ ने कहा कि जैन समाज प्रशासन और सरकार से यह मांग करता है कि रीवा की घटना की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच हेतु एस आई टी अथवा न्यायिक जांच कराई जाए। घटना कि सभी सीसीटीवी फुटेज, वीडियो एवं डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखे जाएं। दोषियों पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई हो। और यदि सुनियोजित षड्यंत्र सामने आए तो दोषियों पर कठोर धाराएं लगाई जाएं। संत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू को किया जाए संतों के विहार मार्गों पर प्रशासनिक समन्वय, एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस सहयोग, ट्रैफिक नियंत्रण की व्यवस्था, चेतावनी संकेतक लगाए जाएं। हाईवे एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। महामंत्री आर के जैन ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर संत सुरक्षा नीति बने, पैदल विहार करने वाले संतों के लिए राष्ट्रीय गाइडलाइन सुरक्षा एस ओ पी तैयार किया जाए। संवेदनशील मार्गों के लिए विशेष प्रावधान किए जाएं, संतों के विरुद्ध अपराधों को विशेष श्रेणी में रखा जाए क्योंकि संत आत्मरक्षा नहीं करते। किसी प्रकार के सुरक्षा साधनों का उपयोग नहीं करते, वह पूर्णतः अहिंसक जीवन जीते हैं, प्रशासन और समाज के बीच समन्वय स्थापित किया जाए एवं आपातकालीन संपर्क व्यवस्था विकसित की जाए। ज्ञापन में समाज दिगम्बर जैन पंचायत अध्यक्ष सुधीर सिंघई, पदमचंद जैन (महामंत्री), मनोज मीनू जैन, अनिल मम्मा, आलोक पलंदी, संजीव शाकाहारी, सुनील वेजिटेरियन, चंद्रकुमार सराफ, अमित त्यागी, दिलेश चौधरी, मुकेश मम्मा, सुधीर डब्ल्यू, आशीष गांगरा, नवीन निराला, ज्ञानेंद्र इटोरया, जितेंद्र गुड्डु बजाज सहित अन्य संगठनों श्री दिगंबर जैन पंचायत, कुंडलपुर कमेटी, जैन मिलन प्रमुख शाखा एवं महिला मिलन, जैन मित्र मंडल सेवा समिति, श्रावक कल्याण समिति, शाकाहार उपासना परिसंघ की सहभागिता रही। सामाजिक संगठनों से विश्व हिंदू परिषद से अंजू खत्री, कांग्रेस कमेटी से मनु मिश्रा, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष प्रिंस जैन की उपस्थिति रही।

युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर, 26 मई को जिला रोजगार कार्यालय में लगेगा रोजगार शिविर

आज की जनधारा

खरगोन। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 26 मई 2026 को जिला रोजगार कार्यालय परिसर, पुराना कलेक्ट्रेट, खरगोन में रोजगार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर प्रातः 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें योग्य एवं इच्छुक युवा सीधे भाग लेकर रोजगार का लाभ उठा सकेंगे। रोजगार शिविर में निजी कंपनी अउए ACE EnterPrises InDore द्वारा मशीन ऑपरेटर पदों पर भर्ती की जाएगी। भर्ती के लिए शैक्षणिक योग्यता के रूप में स्नातक (बीकॉम/बीएससी) अथवा आईटीआई (वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, डीजल मैकेनिक) उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। आयु सीमा 18 से 40 वर्ष (केवल पुरुष) निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को 19,918 से 21,500 प्रतिमाह वेतन के साथ EPF एवं ESIC की सुविधा प्रदान की जाएगी। जॉब लोकेशन इंदौर रहेगी। रोजगार शिविर में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को रिज्यूमे/सीवी, रोजगार कार्यालय का पंजीयन प्रमाण, समग्र आईडी (अनिवार्य), आधार कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड, शैक्षणिक अंकसूचियां, अन्य प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियां तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी हेल्पलाइन नंबर 07282-232787 पर संपर्क कर सकते हैं।

केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन तहसील-करेली के चुनाव सम्पन, अमित अध्यक्ष तो नवीन सचिव, प्रदीप बने कोषाध्यक्ष

आज की जनधारा

करेली। नरसिहपुर केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट के अध्यदेव धन्वन्तरि की पूजन कर दीप प्रज्वलित करते हुये वरिष्ठ केमिस्टों द्वारा कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। वरिष्ठ सदस्यों द्वारा जिला केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन नरसिंहपुर से नियुक्त चुनाव अधिकारी डॉ. राजेश राज बहरे एवं विष्णु ताम्रकार द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुये सर्वप्रथम नये एवं सभी केमिस्ट बंधुओं को जानकारी नियमों की दी गई कि आपकी दुकानों पर स्पष्ट साइन बोर्ड जिसमें लाइसेंस क्रमांक, जी.एस.टी. क्रमांक, फार्मासिस्ट का नाम प्रोप्राइटर का नाम तथा फार्मासिस्ट रजिस्ट्रेशन क्रमांक प्रदर्शित किये जावें, तथा दुकान पर फार्मासिस्ट की उपस्थिति में ही दवाओं का क्रय-विक्रय किया जावे। कोई नकली या ऐसी दवा का विक्रय न करें जिससे आपको कोई परेशानी का सामना करना पड़ें। ड्रग एक्ट के अनुसार ल1 एवं नारकोटिक्स दवाओं का विक्रय डॉक्टर के पर्चे पर ही करें एवं विधिवत उन दवाओं का रिकार्ड रखें। दुकान पर आये हर ग्राहकों का सम्मान करें। जानकारी के उपरान्त जिला एसोसिएशन से नियुक्त चुनाव अधिकारी द्वारा कार्यकारिणी गठन किये जाने में पदों की जानकारी की गई और उपस्थित सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें - अमित पेठिया अध्यक्ष, अनुराग सोनी आमगांव, मुकेश मुखिया बरमान उपाध्यक्ष, नवीन रघुवंशी सचिव नितिन उपाध्याय सहसचिव प्रदीप रघुवंशी कोषाध्यक्ष कुलदीप खरे सहकोषाध्यक्ष चन्दन गुप्ता प्रचार-प्रसार मंत्री एवं हेमन्त भारती कश्यप, हर्ष गुप्ता, सचिन नवेरिया, अनिल बजाज, अमित भाटिया, उमेश जैन, अजय जैन, रितेश पेठिया, साकार देवलिया कार्यकारिणी सदस्य घोषित किये गये। कार्यकारिणी के गठनके पश्चात जिलाध्यक्ष राकेश जी सोनी द्वारा नव निर्वाचित तहसील कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ दिलाई गई। शपथ के उपरान्त करेली कार्यकारिणी द्वारा तहसील करेली के वरिष्ठ केमिस्ट मनमोहन गुप्ता, छोटेलाल साहू, अशोक अग्रवाल, विनीत शर्मा, अरुण नेमा, राजेशराज बहरे, शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। जिले से पधारे जिलाध्यक्ष राकेश सोनी, श्रीराम अग्रवाल सचिव, मुकेश गुप्ता कोषाध्यक्ष, मदन पटेल अध्यक्ष तेंदूखेड़ा, चौकसे जी, का शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सभी केमिस्ट बन्धुओं को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये और सचिव नवीन रघुवंशी द्वारा बैठक पधारे सभी बन्धुओं का आभार व्यक्त करते हुये संगठन को सदैव मजबूती प्रदान करने की अपेक्षा की गई।

कलेक्टर श्री सिंह और प्रशासक श्री कौशिक ने आम श्रद्धालुओं की कतार में शामिल होकर किया दर्शन व्यवस्था का निरीक्षण

आज की जनधारा

उज्जैन। कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति श्री रौशन कुमार सिंह एवं प्रशासक एवं अपर कलेक्टर श्री प्रथम कौशिक द्वारा 24 मई को आम श्रद्धालुओं के समान हरसिद्धि चौराहे से प्रवेश करते हुए श्री महाकालेश्वर मंदिर की दर्शन व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दर्शन व्यवस्था को अधिक सुलभ, सुचारु एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के क्रम में हरसिद्धि चौराहा स्थित काउंटर पर जूते उतारकर आम श्रद्धालुओं की तरह कतार में प्रवेश किया तथा बड़ा गणेश मंदिर होते हुए प्रवेश कर मानसरोवर क्षेत्र का निरीक्षण किया। इसके पश्चात फैसिलिटी टनल से होते हुए गणेश मंडपम में दर्शन किए गए तथा पालकी हॉल मार्ग से निर्गम कर निरीक्षण पूर्ण किया। इस दौरान संपूर्ण दर्शन मार्ग पर स्थापित जूता स्टैंड, पेयजल व्यवस्था, मैटिंग व्यवस्था, श्रद्धालुओं के लिए छायादार शेडिंग व्यवस्था, विभिन्न स्थलों की साफ-सफाई, शीघ्र दर्शन काउंटर एवं लड्डू प्रसाद काउंटर का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं के सतत रखरखाव के आवश्यक निर्देश प्रदान किए। कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं से संवाद कर व्यवस्थाओं के संबंध में उनके अनुभव भी जाने।

गंगा दशहरा पर बेलाताल में चला स्वच्छता अभियान

आज की जनधारा

दमोह। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर दमोह शहर के बेलाताल में पूजा-पाठ के उपरांत वृहद साफ-सफाई अभियान चलाया गया.अभियान में पशुपालन राज्य मंत्री लखन पटेल, विधायक जयंत मलैया, भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश शिवहरे, कलेक्टर प्रताप नारायण यादव,जिपं सीईओ प्रवीण फुलपगारे, सीएमओ राजेंद्र सिंह लोधी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक व स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ता शामिल हुए.सभी ने बेलाताल परिसर में श्रमदान कर जलाशय के घाटों व आसपास के क्षेत्र की सफाई की. गंगा दशहरा के उपलक्ष्य में आयोजित इस स्वच्छता अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण व जलाशयों की स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा इस दौरान राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा कि गंगा दशहरा जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व है.हमें अपने तालाबों, नदियों को साफ रखना चाहिए.विधायक जयंत मलैया ने नागरिकों से स्वच्छता को आदत बनाने की अपील की।

विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी वर्ग प्रारंभ

आज की जनधारा

कुरावर आज नगर कुरावर से भोपाल में लगने वाले 07 दिवसीय वर्ग हेतु नगर से दुर्गा वाहिनी की बहनों की टोली रवाना हुई। इस अवसर पर दुर्गा वाहिनी संयोजिका सुश्री रीना पाल एवं मातृ शक्ति संयोजिका श्रीमति जयशीला चंद्रवंशी द्वारा बहनों को कुमकुम अक्षत एवं माला पहनाकर वर्ग में भेजा गया। साथ ही विभाग गौ रक्षा प्रमुख राजेंद्र सिंह चौहान द्वारा उपस्थित बहनों एवं माताओं को विहिप और दुर्गा वाहिनी के बारे में बताया गया कि नारी केवल दया या करुणा की प्रतिमूर्ति नहीं है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर वह 'रणचंडी' का रूप भी ले सकती है। यह वर्ग युवतियों के भीतर के इसी संकोच को दूर कर उन्हें साहसी, अनुशासित और वैचारिक रूप से राष्ट्रहित के प्रति समर्पित बनाने का एक माध्यम है। वही जिला सह संयोजक धनराज सिंह राठौड़ द्वारा भी अपने वक्तव्य में वर्ग का माहौल लड़कियों के मन से डर को निकालकर उनमें आत्मविश्वास और साहसिक सोच पैदा करना तथा नेतृत्व क्षमता अनुशासन और समूह में काम करने की भावना सिखाई जाती है, जिससे युवतियों में नेतृत्व करने के गुण विकसित होते हैं।

गंगा दशहरा पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सिंगरी नदी पुनर्जीवन के लिए हुआ श्रमदान

मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल अखंड निराहार परम पूज्य दादा गुरु हुए शामिल

आज की जनधारा

नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गंगा दशहरा के पावन अवसर पर सिंगरी नदी को पुनर्जीवन करने के लिए जनभागीदारी से श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सिंगरी नदी में आयोजित इस अभियान में शामिल हुए और स्वयं श्रमदान कर लोगों को प्रेरित किया इस अवसर पर प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि आज का दिन नरसिंहपुर जिले के जीवनदायिनी सिंगरी नदी को पुनर्जीवन करने वाला दिन है। आओ हम सब मिलकर सिंगरी नदी को पुनर्जीवन करने का संकल्प लें, जो? आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बन सके। मंत्री श्री पटेल सोमवार को कलेक्टर बंगला के पीछे गणेश मंदिर रोड स्थित सिंगरी नदी में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गंगा दशहरा के अवसर पर सिंगरी नदी पुनर्जीवन श्रमदान कार्य एवं जल संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सिंगरी नदी को साफ-सुथरा एवं भव्य व सुंदर बनाया जाएगा। सिंगरी नदी के दोनों तटों के किनारे-किनारे मार्ग बनाए जाएंगे। इससे कोई भी नागरिक सिंगरी नदी की सुंदरता का आनंद ले सकेगा। मंत्री श्री पटेल ने इस अवसर पर सिंगरी नदी पुनर्जीवन के लिए सभी उपस्थित समुदाय को शपथ दिलाई। आयोजित कार्यक्रम में जल संरक्षण पर की गई चित्रकला करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमारी सरकार ने प्राचीन नदियों को पुनर्जीवन करने का कार्य प्रारंभ किया है। प्राचीन नदियों से ही हमारी संस्कृति एवं विरासत का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि नदियों की पहचान ही ऐसी है, कि वह अपने इतिहास को समेटे हुए प्रवाहित होते रहती है, जिससे विभिन्न सभ्यताओं की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि भविष्य में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो इसलिए वर्तमान समय में जल संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सभी नागरिकों को संकल्प लेना होगा कि सिंगरी नदी के जल को साफ व स्वच्छ रखने के लिए गंदा पानी नदी में प्रवाहित न करें। यह हम सभी के लिए एक चुनौती है, लेकिन इसे पूरा करना हमारा दायित्व है। सिंगरी नदी का जल आगे जाकर मां नर्मदा जी में समाहित होता है, इसलिए सिंगरी नदी का जल साफ व स्वच्छ होकर प्रवाहित हो, इसके लिए सभी नागरिकों की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन व पर्यावरण की रक्षा के लिए जल एक आवश्यक तत्व है, इसलिए हमें आने वाले भविष्य के लिए जल का संरक्षण करना जरूरी है। जिससे जल की बचत हो, जल की शुद्धता हो और हमारा भविष्य बेहतर बन सके मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरकार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लगातार जल संरक्षण के कार्य कर रही है। जल स्त्रोतों, तालाबों, नदी-नालों की साफ-सफाई कर उन्हें पानीदार बनाया जा रहा है।

'मेलोडी खाओ, रेट बढ़ाओ' पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन, वाहन चालकों को बांटी चॉकलेट

आज की जनधारा

बुरहानपुर। बुरहानपुर में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और महंगाई के विरोध में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया। शहर के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर पहुंचे कांग्रेस कार्यकताओं ने वाहन चालकों और ग्राहकों को मेलोडी चॉकलेट बांटी और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा – ह्लमेलोडी खाओङ्क रेट बढ़ाओङ्क और महंगाई भूल जाओङ्कह्व। दरअसल हाल ही में प्रधानमंत्री के विदेश दौरे के दौरान मेलोडी चॉकलेट का जिक्र चर्चा में आया था। कांग्रेस ने उसी को राजनीतिक व्यंग का रूप देते हुए महंगाई के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं का कहना था कि लगातार बढ़ रही पेट्रोल-डीजल की कीमतों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है, लेकिन सरकार जनता को 'मीठी बातों' में उलझाकर असली मुद्दों से ध्यान भटका रही है। पेट्रोल पंपों पर दिखा अलग अंदाज- प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में मेलोडी चॉकलेट लेकर पेट्रोल पंपों पर पहुंचे। उन्होंने वाहन चालकों को चॉकलेट बांटते हुए कहा – ह्लभैया पेट्रोल महंगा हो गया तो क्या हुआ, मेलोडी खाइए और मूड मीठा कर लीजिए। इस दौरान कई वाहन चालक भी मुस्कुराते नजर आए। कुछ लोगों ने मजाकिया अंदाज में कहा कि 'टंकी फुल नहीं करा सकते, लेकिन चॉकलेट जरूर फुल मिल रही है।' प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस नेता अजय रघुवंशी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और आम आदमी की जेब पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई कम करने के बजाय सिर्फ इवेंट और प्रचार में व्यस्त है। 'मेलोडी मोमेंट' से जनता का ध्यान भटकाने का आरोप कांग्रेस नेता हेमंत पाटील ने कहा कि देश में महंगाई चरम पर पहुंच चुकी है। पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे परिवहन खर्च से लेकर रोजमर्रा की वस्तुओं के दामों पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनता यह जानना चाहती है कि आखिर पेट्रोल और डीजल के रेट कब कम होंगे, लेकिन सरकार जनता को 'मेलोडी मोमेंट' में उलझाकर असली मुद्दों से ध्यान भटकाने का काम कर रही है।

लोगों के बीच चर्चा का विषय बना प्रदर्शन- कांग्रेस का यह 'मीठा विरोध' पूरे शहर में चर्चा का विषय बना रहा। किसी ने इसे राजनीतिक व्यंग बताया तो किसी ने महंगाई पर 'चॉकलेटी कटाक्ष' कहा। सोशल मीडिया पर भी प्रदर्शन की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल होते रहे। फिलहाल पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर विपक्ष लगातार सरकार को घेरने में जुटा है, वहीं बुरहानपुर में कांग्रेस का यह अनोखा प्रदर्शन लोगों के बीच खासा आकर्षण का केंद्र बना रहा।

राजगढ़ में भाजपा प्रशिक्षण वर्ग का समापन, डॉ. महेंद्र सिंह ने दिया वैचारिक मार्गदर्शन

आज की जनधारा

राजगढ़। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी राजगढ़ जिले के जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय दिवस के समापन सत्र में अध्यक्षता का अवसर प्राप्त हुआ। समापन सत्र में मध्यप्रदेश भाजपा के यशस्वी प्रदेश प्रभारी आदरणीय डॉ. महेंद्र सिंह जी ने 'वैचारिक प्रतिष्ठान' विषय पर अत्यंत प्रभावी, प्रेरणादायी एवं विचारसमृद्ध मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने संगठन की वैचारिक आधारशिला,कार्यकर्ता जीवन में सिद्धांतों की प्रासंगिकता तथा राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना को विस्तारपूर्वक स्पष्ट करते हुए कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया।

25 फीट गहरे कुएं में उतरकर पानी भर रहे मासूम

आज की जनधारा

बुरहानपुर। एक तरफ केंद्र और राज्य सरकार जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक नल से स्वच्छ पानी पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे कर रही है। बुरहानपुर जिले को तो देश में सबसे पहले हर घर तक नल के जरिए पानी पहुंचाने वाले जिले का तमगा भी मिल चुका है। लेकिन जिले के आदिवासी बाहुल्य धूलकोट क्षेत्र से सामने आई तस्वीरें इन दावों की हकीकत बयां कर रही हैं। धूलकोट क्षेत्र की ग्राम पंचायत भगवानिया के रेखालिया झिरा फालिया में रहने वाले करीब 45 आदिवासी परिवार आज भी एक ही पुराने और गंदे कुएं के पानी पर निर्भर हैं। हालात इतने बदतर हैं कि यहां छोटे-छोटे बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर करीब 25 फीट गहरे कुएं में उतरकर पानी निकालने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी के बीच इलाके में पेयजल संकट गहरा गया है। फालिया में ना तो नल जल योजना का लाभ पहुंच पाया है और ना ही नियमित टैंकरों की व्यवस्था हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार पंचायत से कुएं के गहरीकरण और स्वच्छ पेयजल की मांग की गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। ग्रामीण बुजुर्ग ज्ञान सिंह का कहना है कि सरकार हर घर पानी पहुंचाने की बात करती है, लेकिन यहां लोग आज भी कुएं में उतरकर पानी भर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ कुएं का जलस्तर लगातार नीचे चला गया है, जिसके कारण बच्चों को रस्सियों के सहारे नीचे उतरना पड़ता है। ग्रामीण गन सिंह ने बताया कि गांव के लोग कई वर्षों से पेयजल संकट झेल रहे हैं। साफ पानी नहीं मिलने से लोगों को मजबूरी में गंदा पानी पीना पड़ रहा है। वहीं ग्रामीण महिला कोनू बाई ने कहा कि गंदा पानी पीने से बच्चे बीमार पड़ रहे हैं, लेकिन गांव में दूसरा कोई जलस्त्रोत नहीं है। कुएं से पानी भरने वाले बालक मदन सिंह ने बताया कि डर तो लगता है, लेकिन पानी लाना जरूरी है इसलिए उन्हें कुएं में उतरना पड़ता है। ग्रामीण राजेश ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल कुएं का गहरीकरण कराया जाए और नियमित टैंकरों से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही क्षेत्र में बिजली की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। मामले को लेकर कांग्रेस नेता अजय रघुवंशी ने जिला प्रशासन और पंचायत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों की लगातार अनदेखी की जा रही है। सरकार सिर्फ कागजों में योजनाएं चला रही है, जबकि जमीनी हालात बेहद खराब हैं। वहीं प्रशासन की ओर से सृजन श्रीवास्तव ने कहा कि मामले की जानकारी ली जा रही है और जल्द वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था कराई जाएगी। इधर भागीरथ वाखला ने भी ग्रामीणों को राहत देने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब बड़ा सवाल यही है कि जब 'हर घर नल से जल' का दावा किया जा चुका है, तो फिर आदिवासी बच्चे आज भी अपनी जान जोखिम में डालकर गंदा पानी भरने को क्यों मजबूर हैं।

संतों के आगमन से ही जीवन होता है पावन : शास्त्री चिंतन प्रियदास जी

आज की जनधारा

बुरहानपुर। पावन पुरुषोत्तम मास के अवसर पर श्री स्वामीनारायण मंदिर सीलमपुर में आयोजित अधिक मास महात्म्य कथा में व्यासपीठ से कथा का रसपान कराते हुए शास्त्री चिंतन प्रियदास जी ने संत महिमा, गौसेवा, हरिनाम और भगवान भक्ति का महत्व विस्तार से बताया। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। शास्त्री जी ने कहा कि सनातन धर्म के सभी पुराणों और शास्त्रों में संतों को भगवान का स्वरूप माना गया है। जिस घर या गांव में संतों का आगमन होता है, वहां उसी दिन दशहरा और दीपावली जैसा पावन वातावरण बन जाता है। संतों के चरणों से ही मनुष्य के जीवन का उद्धार संभव होता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन का सबसे बड़ा ध्येय संतों का आश्रय ग्रहण करना होना चाहिए।

श्रीमद्भागवत और रामचरितमानस का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा संतों के माध्यम से ही प्राप्त होती है। कथा के दौरान उन्होंने सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति धन से सेवा नहीं कर सकता, तो वह तन और मन से भी सेवा कर सकता है। निष्काम भाव से की गई सेवा भगवान को अत्यंत प्रिय होती है। अधिक मास की महिमा बताते हुए शास्त्री जी ने कहा कि शास्त्रों में वर्णित है कि पुरुषोत्तम मास में गौमाता की सात बार परिक्रमा करने से एक अश्वमेध यज्ञ के बराबर पुण्य प्राप्त होता है। वहीं श्रद्धा और सेवा भाव से गौसेवा करने पर बड़े से बड़े कष्ट और भयावह रोगों से भी मुक्ति मिल सकती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन पानी के बुलबुले के समान क्षणभंगुर है, इसलिए इसे भगवान की भक्ति और सत्कर्मों में लगाना चाहिए। अंत समय में यदि मनुष्य भगवान का नाम ले लेता है, तो उसका जीवन सफल हो जाता है। शास्त्री चिंतन प्रियदास जी ने कहा कि भगवान की भक्ति निष्काम भाव से होनी चाहिए। भक्ति कभी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि आत्मा की शांति और परमात्मा की प्राप्ति के लिए की जानी चाहिए। कथा में उन्होंने 'चिंता' और 'चिंतन' का अंतर समझाते हुए कहा कि यदि मनुष्य चिंता छोड़कर भगवान का चिंतन करे, तो जीवन के दुख स्वतः समाप्त होने लगते हैं।

बदलता बस्तर : भय से विश्वास और विकास तक

संपादकीय

कभी गोलियों की आवाज़, बारूदी सुरंगों और लाल आतंक से कांपने वाला बस्तर आज एक नए मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है। जंगलों की खामोशी में अब विकास की हलचल सुनाई देने लगी है। सड़कें बन रही हैं, स्कूल खुल रहे हैं, पर्यटन की संभावनाएँ आकार ले रही हैं और सबसे बड़ी बात यह कि लोगों के भीतर धीरे-धीरे भय की जगह विश्वास लौट रहा है।

लेकिन यह बदलाव केवल नेताओं के भाषणों और सरकारी दावों तक सीमित नहीं रह सकता। बस्तर का असली परिवर्तन तब माना जाएगा जब बरसात के दिनों में बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और अबूझमाड़ के वे गांव देश से कटना बंद होंगे, जहाँ आज भी बारिश आते ही सड़कें बह जाती हैं और लोग हफ्तों तक अलग-थलग पड़ जाते हैं।

आज भी कई ऐसे इलाके हैं जहाँ कोई बीमार पड़ जाए तो उसे अस्पताल तक पहुँचाने के लिए खटिया, मोटरसाइकिल या कंधों का सहारा लेना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं को घंटों पैदल चलना पड़ता है। कई गाँव ऐसे हैं जहाँ एम्बुलेंस पहुँच ही नहीं सकती। इसलिए बस्तर में विकास का सबसे बड़ा पैमाना यही होगा कि क्या वहाँ के लोगों तक सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और संचार वास्तव में पहुँच पाया या नहीं।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत 'बस्तर 2.0' विजन डॉक्यूमेंट उम्मीद जरूर जगाता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सौंपा गया यह विजन केवल एक योजना नहीं, बल्कि दशकों के संघर्ष के बाद उभरती नई उम्मीद का दस्तावेज़ माना जा रहा है। इसमें सड़क, रेल, एयर कनेक्टिविटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, सिंचाई और निवेश जैसे कई बड़े लक्ष्य शामिल हैं।

दरअसल, बस्तर की कहानी केवल नक्सलवाद की कहानी नहीं रही। यह उस ऐतिहासिक उपेक्षा की कहानी भी है जिसमें शासन और विकास की पहुँच जंगलों के भीतर बसे आदिवासी समाज तक कभी पूरी तरह नहीं पहुँच पाई। इसी खालीपन का फायदा माओवादी संगठनों ने उठाया। गरीबी, बेरोजगारी और प्रशासनिक दूरी ने नक्सलवाद को जमीन दी। परिणाम यह हुआ कि बस्तर दशकों तक देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बना रहा। हालांकि अब हालात बदलते दिखाई दे रहे हैं। सुरक्षा बलों के लगातार अभियानों, नए कैंपों, सड़क और मोबाइल नेटवर्क के विस्तार तथा आत्मसमर्पण नीति ने माओवादी नेटवर्क को कमजोर किया है। बस्तर के लोगों के भीतर भी अब यह भरोसा पैदा होने लगा है कि नक्सलवाद का प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। लोगों के मन में एक तरह का सुकून लौटा है।

लेकिन असली सवाल अब शुरू होता है—क्या नक्सलमुक्त बस्तर वास्तव में विकसित बस्तर बन पाएगा? क्योंकि केवल सुरक्षा अभियान स्थायी समाधान नहीं होते। विकास तभी दिखाई देता है जब आम आदमी की जिंदगी बदलती है। जब गांव तक सड़क पहुँचती है, जब बच्चे नियमित स्कूल जा पाते हैं, जब अस्पतालों में डॉक्टर मौजूद रहते हैं, जब लोगों को साफ पानी मिलता है और जब युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं।

आज भी बस्तर के कई हिस्सों में यह बुनियादी बदलाव अधूरा है। यही वजह है कि सरकारी दावों के बीच जमीनी सच्चाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाल ही में बैलाडीला क्षेत्र से दो ट्रकों में लौह अयस्क की कथित तस्करी पकड़े जाने की खबर यह भी दिखाती है कि बस्तर केवल विकास की कहानी नहीं, बल्कि संसाधनों की लड़ाई का क्षेत्र भी बना हुआ है। खनिज संपदा से समृद्ध यह इलाका लंबे समय से बाहरी हितों और स्थानीय जरूरतों के बीच संघर्ष का केंद्र रहा है।

बस्तर का मूल स्वभाव हमेशा शांत, सामुदायिक और प्रकृति से जुड़ा रहा है। नक्सलवाद ने इस सामाजिक संरचना को गहरे स्तर पर प्रभावित किया। अब जब हिंसा कम हो रही है तो यह अवसर है कि बस्तर अपनी मूल पहचान को फिर से हासिल करे। लेकिन इसके लिए केवल खनन और बड़े निवेश पर्याप्त नहीं होंगे। जरूरी यह है कि विकास का केंद्र वहां का आदिवासी समाज बने। जल, जंगल और जमीन पर उनका अधिकार सुरक्षित रहे। स्थानीय लोगों को केवल दर्शक नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया का भागीदार बनाया जाए। क्योंकि इतिहास गवाह है कि संवाद और संवेदनशीलता के बिना थोपा गया विकास नए असंतोष को जन्म देता है।

पर्यटन, कृषि, वन उत्पाद, हस्तशिल्प और स्थानीय संस्कृति बस्तर की सबसे बड़ी ताकत हैं। चित्रकोट, तीरथगढ़, कांगेर घाटी और अबूझमाड़ जैसे क्षेत्र देश-दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर बड़ी पहचान बना सकते हैं। यदि बुनियादी ढांचा मजबूत होता है तो यह इलाका इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बन सकता है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और पलायन कम होगा।

आज बस्तर एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है। बंदूक की आवाज़ धीमी पड़ी है, लेकिन विकास की असली परीक्षा अभी बाकी है। सड़क बनाना आसान है, भरोसा बनाना कठिन। पुल-पुलिया खड़ी करना संभव है, लेकिन लोगों के मन में राज्य के प्रति विश्वास पैदा करना सबसे बड़ी चुनौती है।

यदि सरकार सुरक्षा, विकास और संवेदनशीलता इन तीनों के संतुलन को बनाए रखती है, तो आने वाले वर्षों में बस्तर सचमुच देश के सबसे विकसित और संभावनाशील संभागों में शामिल हो सकता है। तब 'बदलता बस्तर' केवल एक सरकारी नारा नहीं रहेगा, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक विकास मॉडल की एक सफल मिसाल बन जाएगा।

हो. वे. शेषाद्रि : जीवन, मूल्य और संघ की दायित्व-परंपरा

(जन्म-जयन्ती 26 मई के उपलक्ष्य में विशेष लेख)

–कैलाश चन्द्र

हो.. वे.. शेषाद्रि जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की उस धारा के तेजस्वी प्रवाह हैं, जिसमें व्यक्तिगत पद नहीं-कर्तव्य और उत्तरदायित्व ही प्रधान होते हैं। उनका जीवन सतत तप, अध्ययन, संगठनशीलता और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प से ओतप्रोत रहा। 26 मई की उनकी जन्म-जयंती हमें याद दिलाती है कि संस्कृति, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण कैसा होता है।

मूलतः कर्नाटक के निवासी शेषाद्रि जी का प्रारम्भिक जीवन सादगी, अध्ययन और तेजस्वी बुद्धि के लिए जाना जाता है। वे प्रारम्भ में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संपर्क में आये और विद्यार्थी जीवन में ही संघ प्रचारक बनने का निर्णय लिया। संघ की शाखा उनके लिए केवल वैचारिक प्रशिक्षण का स्थल नहीं, बल्कि व्यक्तित्व-निर्माण की प्रयोगशाला बन गई।

एक प्रचारक के रूप में उन्होंने दक्षिण भारत में संगठन के विस्तार, कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन और समाजजीवन में समन्वय स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। चाहे 1960-70 के दशक का संगठनात्मक संघर्ष हो या 1975 के आपातकाल का दौर, उन्होंने अद्भुत धैर्य, अनुशासन और सूक्ष्म दृष्टि से कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया।

संघ में 'पद नहीं, दायित्व' की परंपरा और शेषाद्रि जी का आदर्शः संघ की परंपरा में पद का आग्रह नहीं, दायित्व का निर्वाह ही मूल विषय रहा है। शेषाद्रि जी इसका जीवंत उदाहरण थे। दायित्व स्वीकारने में विनम्रता और संघीय परंपरा का अनुपम प्रसंग

1990 के दशक के अन्त में, जब चौथे सरसंघचालकः प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह (रज्जु भैय्या जी) स्वास्थ्यगत कारणों से अवकाश चाहते थे, तब अनेक कार्यकर्ताओं का मत था कि शेषाद्रि जी को यह सर्वोच्च दायित्व दिया जाए। परन्तु शेषाद्रि जी ने विनम्रता और आत्मावलोकन के स्वर में कहा

'स्वास्थ्य ऐसा नहीं कि यह दायित्व निभा सकूँ। युवा कार्यकर्ता को अवसर मिलना चाहिए।' यह मात्र विनम्रता नहीं थी, बल्कि उस गहन परंपरा का विस्तार था, जिसमें व्यक्ति नहीं, संगठन की आवश्यकता प्रधान होती है। अंततः सर्वोच्च दायित्व सुदर्शन जी को दिया गया, और शेषाद्रि जी ने सह-सरकार्यवाह एवं प्रचारक प्रमुख के रूप में पूरी निष्ठा से उनके साथ सहयोगी के नाते कार्य किया।

संघ परंपरा का ऐतिहासिक अनुकरणः यह परंपरा संघ के प्रारम्भ से ही प्रवाहित है। पहले सरसंघचालक केशव बलिराम हेडगेवार ने स्वयं कहा था 'मुझसे अधिक योग्य कार्यकर्ता मिलते ही यह दायित्व उसे सौंप दूँगा।' द्वितीय सरसंघचालक एम एस गोलवरकर (श्री गुरुजी) को भी नियुक्ति के पश्चात ज्ञात हुआ; उन्होंने कहा 'यह दायित्व मेरा व्यक्तिगत नहीं, संगठन का है।' तृतीय सरसंघचालक बाला साहब देवरस ने स्वास्थ्य कारणों से स्वयं दायित्व त्यागने का आग्रह किया।

शेषाद्रि जी दायित्व की गरिमा के संरक्षकः

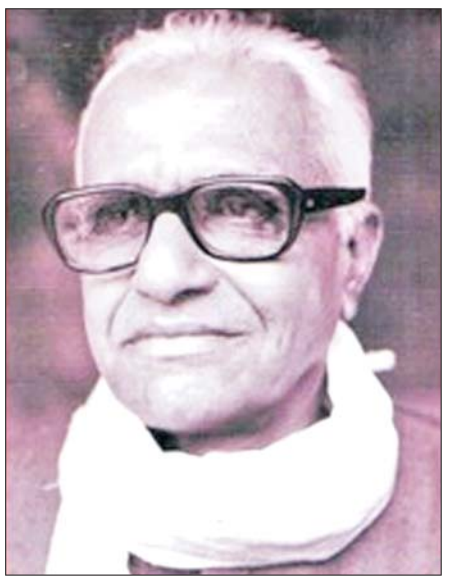

शेषाद्रि जी के जीवन में यह परंपरा कई बार प्रकट हुई। एक महत्वपूर्ण प्रसंग 'दोनों ओर 'वरिष्ठ-कनिष्ठ' नहीं, केवल 'कार्यकर्ता' ही दिखता था।'

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जु भैय्या) जब सरकार्यवाह थे तब शेषाद्रि जी क्षेत्र प्रचारक थे। कुछ ही वर्षों में शेषाद्रि जी माज़ सरकार्यवाह बने तो रज्जु भैय्या सह सर कार्यवाह रहे। उसके 7-8 वर्ष पश्चात रज्जु भैय्या संघ के सरसंघचालक बने और शेषाद्रि जी ने उनके नेतृत्व में पूर्ण निष्ठा से कार्य किया।

इस लेख के लेखक के कथनानुसार ÷मैंने स्वयं देखा है कि शेषाद्रि जी ने सरसंघचालक रज्जु भैय्या जी का कुर्ता स्वयं तुरपाई कर पहना।÷क्षयह केवल शारीरिक सेवा नहीं थी। यह आत्मीयता, सौहार्द, अहंकार-शून्यता और कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा है। संघ की जड़ें इसी भावभूमि में गहरी हैं।

संघ के पाँच महान दायित्व-पुरुषः पद की नहीं, कर्तव्य की परंपरा

नीचे संघ के पाँच शीर्ष नेतृत्वकर्ताओं का 'दायित्व-दर्शन'

डॉ. हेडगेवारः संगठन का दायित्व सर्वोपरि- डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि संघ का मूल आधार पद की प्रतिष्ठा नहीं कर्तव्य की पूर्णता है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन एक ऐसे संगठन के निर्माण में लगाया जिसमें 'व्यक्ति' नहीं, 'व्यवस्था' प्रमुख हो।

उनकी दृष्टि स्पष्ट थी।दायित्व उसी को मिले जो सक्षम, समर्पित और परिस्थिति के अनुकूल हो।

दायित्व छोड़ना भी उतना ही पवित्र है जितना दायित्व स्वीकारना।

इसलिए वे बार-बार कहते थे–'संघ व्यक्ति पर नहीं, संघ-व्यवस्था पर चलता है।'

श्री गुरुजी : दायित्व को तप में रूपांतरित करने वाले

माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर (श्री गुरुजी) को दायित्व ग्रहण करने की सूचना डॉ हेडगेवार जी के निधन पश्चात पत्र के माध्यम से मिली है। यह बताते समय वे भावुक हो उठे–'यदि संघ को यही अपेक्षित है, तो मैं अपना स्वत्व निछावर करता हूँ।' उनका पूरा जीवन तप, विचार-गहराई, संगठन की सुगंध और कर्तव्य की पूर्णता का प्रतीक रहा।

बाला साहब देवरसः दायित्व में प्रयोगशीलता और व्यावहारिक दृष्टि

बाला साहब देवरस ने दायित्व को निरंतर गतिमान रखा–

सामाजिक समरसता,

अस्पृश्यता-उन्मूलन,

राष्ट्रीय स्तर पर संगठन विस्तार में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा 'संगठन की शक्ति सेवा से बढ़ती है, पद से नहीं।'

रज्जु भैय्या : सरलता, सहजता और दायित्व की पवित्रताः प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जु भैय्या) जैसे विद्वान, वैज्ञानिक दृष्टि वाले और अत्यंत सरल व्यक्तित्व में 'दायित्व' स्वभाव की तरह था, पद की तरह नहीं। उन्होंने बार-बार कहा– 'दायित्व मेरा नहीं–संघ का है।'

स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्होंने स्वयं दायित्व छोड़ने का आग्रह किया–यह संगठन-केंद्रित सोच का सर्वोच्च उदाहरण है।

सुदर्शन जी : अनुशासन, परिश्रम और दायित्व की श्रेष्ठता

सुदर्शन जी का जीवन कठोर अनुशासन, बौद्धिक ताजगी और निरंतर संगठन-प्रयास का प्रतीक था। वे स्पष्ट कहते थे– 'दायित्व कभी हल्का नहीं होता, परंतु स्वयंसेवक उसे आनंद से निभाता है।' उन्हें जब सर्वोच्च दायित्व मिला तो वे भी उतने ही विनम्र थे जितने कि प्रचारक अवस्था में।

हो. वे. शेषाद्रि और रज्जु भैय्या एक-दूसरे के लिए आदर्श सहयोग एक ओर रज्जु भैय्या का सौम्य नेतृत्व, दूसरी ओर शेषाद्रि जी की बौद्धिक शक्ति–दोनों ने मिलकर दक्षिण और उत्तर भारत के बीच संगठनात्मक सेतु बनाया।

रज्जु भैय्या कहते थे– 'शेषाद्रि जी संगठन की सर्वोत्तम स्मृति और बुद्धि हैं।'शेषाद्रि जी कहते थे– ÷रज्जु भैय्या सरलता की प्रतिमूर्ति हैं–जो सीखा, उनसे ही सीखा।÷ दोनों संबंधों में स्पर्धा नहीं, केवल सहयोग था। यह संघ-परंपरा का अद्भुत उदाहरण है।

शेषाद्रि जी के ग्रंथ–विचार, नीति और युग-चिंतन की निधि

शेषाद्रि जी केवल संघ के शीर्ष संगठनकर्ता ही नहीं, बल्कि अत्यंत गहन विचारक, इतिहास-विश्लेषक और लेखन-कुशल अध्येता थे। उन्होंने समाज, इतिहास, राष्ट्रीय अस्मिता और संगठन पर अनेक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ लिखे। उनके लेखन की तीन विशेषताएँ खड़ी होती हैं–सुस्पष्ट विश्लेषण, सरल भाषा, तथ्यों पर आधारित दृष्टि।

'राष्ट्र निर्माण की दिशा'

इस महत्वपूर्ण विषय को अनेकों कृति में उन्होंने बताया कि भारत का राष्ट्र-निर्माण केवल राजनीतिक क्रिया न होकर एक संस्कृति-आधारित प्रक्रिया है। उन्होंने शिक्षा, समाज-संगठन, सेवा, समरसता और संस्कारों को राष्ट्र निर्माण के पाँच आधार-स्तंभ बताया।

'भारत की राष्ट्रीय पहचान'

यह पुस्तक भारतीय राष्ट्र की आध्यात्मिक-ऐतिहासिक यात्रा को समझने के लिए अमूल्य है। इसमें उन्होंने सिद्ध किया कि–

भारत केवल भौगोलिक इकाई नहीं; बल्कि संस्कृति-समूह, मूल्य-संपन्न सभ्यता और निरंतरता का चमत्कार है।

उनकी विश्लेषण शैली अकादमिक होते हुए भी सरल है–यह उनकी सबसे बड़ी लेखन शक्ति है।

'संघ : एक परिचय'

संघ के उद्देश्य, कार्यपद्धति, संगठनात्मक रूप, शाखा-जीवन और राष्ट्र-चिंतन का सरलतम रूप में परिचय देने वाली यह पुस्तक सदैव लोकप्रिय रही है।

ये पुस्तक उन जिज्ञासुओं के लिए बने विशाल सेतु का कार्य करती है जो संघ के बारे में निष्पक्ष, स्पष्ट और विश्वसनीय जानकारी चाहते हैं।

इस ग्रंथ में शेषाद्रि जी ने हिंदू समाज के पुनर्जागरण की वैश्विक प्रक्रिया का अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि 'हिंदू पुनर्जागरण' केवल धार्मिक जागरण नहीं–बल्कि

सांस्कृतिक स्वाभिमान,

सामाजिक समरसता,

राजनीतिक आत्मविश्वास

का समेकित स्वरूप है।

निबंध-संग्रह और व्याख्यान-समाहार

उनके विभिन्न व्याख्यान–आपातकाल, भारतीय राजनीति, समाज-संगठन, शिक्षा और राष्ट्र-चिंतन पर केंद्रित रहे। इन संग्रहों में वाक्य-शक्ति, तथ्य-निष्ठा और विश्लेषण-गहराई अद्वितीय है। पूजनीय श्री गुरुजी के मार्गदर्शन पर कृतिरूप संघ दर्शन और विचार नवनीत का अनोखा संयोजन एवं संकलन भी अनुपम कृतियों में से है।

संक्षेप में, शेषाद्रि जी की कृतियाँ विचार-जगत की निधि और राष्ट्र-चिंतन के विश्वसनीय दस्तावेज हैं।

जहाँ कार्य ही पूजा है–वहीं दायित्व ही गौरव है

शेषाद्रि जी, रज्जु भैय्या, सुदर्शन जी, श्री गुरुजी, देवरस जी और डॉ. हेडगेवार इन सभी व्यक्तित्वों ने हमें एक बात सिखाई है। संगठन का कार्य पद से बड़ा है। पद का त्याग भी उतना ही पवित्र है जितना पद का स्वीकार। स्वयंसेवक का गौरव उसकी विनम्रता से बढ़ता है, अधिकार से नहीं। राष्ट्र-जीवन के इस विराट यज्ञ में इन महापुरुषों का योगदान केवल इतिहास का विषय नहीं। यह वर्तमान और भविष्य दोनों की दिशा है। शेषाद्रि जी की जन्म-जयंती पर यही संकल्प जगता है कि हम पद के पीछे नहीं–कर्तव्य के पीछे चलें। पद नहीं, दायित्व ही हमारा स्वभाव बने। कार्य ही हमारी पूजा बने।

व्यंग्य

दुमदार जी की दुम

सुशांत सुप्रिय

आज मैं आपको एक विश्व-प्रसिद्ध दुम की कहानी सुनाने जा रहा हूँ। यह कहानी किसी ऐरे-गैरे व्यक्ति की नहीं है। यह कहानी दुमदार जी की है।

दुमदार जी का असली नाम कोई नहीं जानता। बचपन से ही दुमदार जी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। चमचागिरी, चापलूसी, चाटुकारिता और मक्खन लगाने में उनका कोई सानी नहीं थी। हैरानी की बात यह है कि उनके पिता बेहद ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ स्कूल-मास्टर थे जो दुम हिलाने को पाप समझते थे। ऐसे परिवार में पैदा हो कर भी दुमदार जी ने हिम्मत नहीं हारी। दुम हिलाने की कला उन्हें विरासत में नहीं मिली थी। यह कला उनकी 'जीन्स' में नहीं थी। उनकी आनुवंशिकी इससे वंचित थी। लेकिन उन्होंने इस अड़चन को अपनी सफलता की राह में रुकावट नहीं बनने दिया। अपने परिवेश और समाज से निरंतर शिक्षा ग्रहण करते हुए अंत में वे इतने बड़े दुमबाज बन गए कि लोगों ने उनका नाम ही दुमदार जी रख दिया। इस लिहाज से दुमबाजी में वे एक 'सेल्फ-मेड' व्यक्ति थे।

दुमदार जी प्रागैतिहासिक काल में पूर्वजों के पास पाई जाने वाली विलुप्त पूँछ हिलाने में माहिर थे। दुम हिलाने को फूहड़ सड़क-छापपने के टुच्चे स्तर से उठा कर उसे ललित-कला के स्तर तक पहुँचाने में श्री दुमदार जी का अद्भुत योगदान भुलाया नहीं जा सकता। अखिल भारतीय दुमदार महासभा के पहले अधिवेशन में उनका ऐतिहासिक भाषण मील का पत्थर साबित हुआ। 'दुनिया के दुमबाजो, एक हो जाओ' और 'दुम नहीं तो दम नहीं' जैसी उनकी उक्तियाँ लोकप्रिय उद्धरण बन गए। 'सफलतापूर्वक दुम कैसे हिलाएँ' शीर्षक वाली उनकी पुस्तक इतनी लोकप्रिय हुई कि उसे 'नेशनल बेस्टसेलर' माना गया। इस पुस्तक के कई संस्करण निकले और दर्जनों भाषाओं में अनूदित हो कर इसकी करोड़ों प्रतियाँ बिकीं।

लेकिन यह तो बाद की बात है। इसकी शुरुआत कैसे हुई वह भी किसी चमत्कार से कम नहीं था। एक रात दुमदार जी सोने गए। सुबह उठने पर उन्होंने पाया कि उनकी दुम निकल आई है। यह खबर दुमबाजों के बीच हिलती पूँछ-सी फैली। इसे कुदरत का करिश्मा और भगवान का वरदान माना गया। इस महान दुम के दर्शन के लिए अपार जन-सैलाब उमड़ पड़ा। लोगों को आपस में यह कहते हुए सुना गया – 'जरूर दुमदार जी ने पूर्व-जन्म में दुमबाजी के अच्छे कर्म किए होंगे। इसीलिए भगवान दुमश्री महाराज ने उन्हें यह फल दिया है।' इस तरह देखते-ही-देखते दुमदार जी जग-प्रसिद्ध हो गए। शोहरत के साथ सम्मान और धन भी आया। दुमदार जी के दिन फिर गए।

इतिहास में कहीं ऐसा कोई उल्लेख नहीं मिलता जब किसी आदमी की दुम निकल आई हो। लिहाजा अरबों में एक होने की वजह से दुमदार जी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति-प्राप्त हो गए। उनकी महान दुम को 'राष्ट्रीय धरोहर' की संज्ञा दी गई। उन्हें अनेक सम्मानों से अलंकृत किया गया। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में दुमदार जी को 'दुम-विभूषण' की उपाधि देने की घोषणा की। विपक्ष के नेता भला क्यों पीछे रहते। उन्होंने भी अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में दुमदार जी को 'दुम केसरी' की उपाधि से नवाजा। राष्ट्रपति जी ने भी राष्ट्रपति-भवन के प्रांगण में आयोजित एक भव्य समारोह में महामहिम दुमदार जी को देश के सर्वोच्च सम्मान 'दुम-रत्न' से अलंकृत किया। 'दुम-रत्न दुमदार जी, अमर रहें, अमर रहें' के नारों से आकाश गूँज उठा।

दुमदार जी की हिलती दुम की ख्याति दिन-दोगुनी, रात-चौगुनी बढ़ने लगी। सरकारी खर्चे पर करोड़ों रुपयों में उनकी दुम का बीमा कराया गया। उनकी दुम की सुरक्षा के लिए 'नेशनल सेक्येरिटी गार्ड' के जाँबाज कमांडो नियुक्त किए गए। यूनिसेफ ने उन्हें अपना 'गुडविल अंबेसेडर' बना लिया। दुमदार जी की दुम को दुनिया का आठवाँ आश्चर्य माना गया। विदेशी शासनाध्यक्षों के भारत आगमन पर दुमदार जी से मिलना उनके कार्यक्रम का अभिन्न भाग बन गया। हालाँकि कुछ लोग जरूर दबी जुबान से दुमदार जी की दुम को 'ईश्वर का दंड' या 'दैवी प्रकोप' बताते थे। पर ऐसे लोग केवल मुट्ठी भर थे। इन्हें विदेशी एजेंट या राष्ट्र-द्रोही कहा जाता था।

एक बार दुमदार जी की महान दुम को चोट लग गई। पूरा राष्ट्र हतप्रभ रह गया। लोग स्तब्ध और शोकाकुल थे। इसे दुमदार जी के विरोधियों का षड्यंत्र माना गया। मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और गिरिजा-घरों में दुमदार जी की दुम की सलामती के लिए विशेष प्रार्थना-सभाएँ आयोजित की गईं तथा नमाज पढ़ी गई।

कविता संसार

बेटियों के जल्लादों का हिसाब कब?

संजय एम तराणेकर

बेटियों के जल्लादों का हिसाब कब होगा,
ये सोई हुई व्यवस्था का जवाब कब होगा।
यूं रोज़ कहीं मासूमियत कुचली जाती है,
इंसाफ़ की चौखट पर क्यों चुप्पी छाती है।

यूं आँखों में आँसू लिए माँ पूछ रही है अब,
इन दरिंदों पर कानून का प्रहार होगा कब।
क्या? ट्विशा, क्या? दीपिका एवं अब अनु,
इन देश के लोभियों को कहाँ-कहाँ पे गिनु।

नारे तो बहुत गूँजते रहते चौक-चौराहों पर,
लेकिन क्यों? सन्नाटा है सत्ता की राहों पर।
कब जागेगी मानवता, यूं शर्मिंदा होगा मन,
बेटियों के जल्लादों को नसीब न हो कफ़न।

बेटी तो घर की रौशनी, जीवन का सम्मान,
उससे ही तो महकता है हर आँगन-जहान।
जो हाथ उठे बेटियों पे, वो हाथ झुकेंगे अब,
इन अत्याचारों का आखिर अंत होगा कब?

क्या गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने में कोई समस्या है?

–महेन्द्र तिवारी

भारत में गाय केवल एक पशु नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक चेतना और ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा मानी जाती है। भारतीय समाज में सदियों से गाय को माता का दर्जा दिया जाता रहा है। अनेक धार्मिक ग्रंथों, लोक परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गाय का विशेष महत्व रहा है। यही कारण है कि समय समय पर गाय को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठती रही है। कई धार्मिक संगठनों, सामाजिक समूहों और कुछ राजनीतिक दलों ने यह मांग सार्वजनिक रूप से रखी है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी एक मामले की सुनवाई के दौरान गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की आवश्यकता पर टिप्पणी की थी। इसके बावजूद भारत सरकार ने अब तक ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है। इसके पीछे केवल राजनीतिक कारण नहीं बल्कि सामाजिक, संवैधानिक, आर्थिक और प्रशासनिक जटिलताएँ भी हैं।

भारत का वर्तमान राष्ट्रीय पशु बंगाल टाइगर है। इसे 1973 में शुरू किए गए प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत संरक्षण का प्रतीक बनाया गया था। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के अनुसार देश में बाघ संरक्षण के लिए विशेष कानूनी और पर्यावरणीय ढांचा तैयार किया गया। आज भारत विश्व के लगभग 70 प्रतिशत बाघों का घर माना जाता है और देश में 50 से अधिक टाइगर रिजर्व स्थापित किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय पशु के रूप में बाघ केवल शक्ति और साहस का प्रतीक नहीं है बल्कि वह भारत की जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण नीति का केंद्र भी है। ऐसे में गाय को राष्ट्रीय पशु बनाने का प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं बल्कि नीतिगत बहस का विषय बन जाता है।

भारत एक बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक देश है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और अनेक आदिवासी समुदाय रहते हैं। हिंदू धर्म में गाय को पवित्र माना जाता है, लेकिन सभी समुदायों की मान्यताएँ समान नहीं हैं। पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों, केरल और गोवा जैसे क्षेत्रों में गोमांस भोजन का हिस्सा रहा है। भारतीय संविधान सभी नागरिकों को अपनी संस्कृति और भोजन की स्वतंत्रता देता है। ऐसे में यदि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाता है तो कई लोग इसे एक धर्म विशेष की मान्यताओं को सरकारी पहचान देने के रूप में देख सकते हैं। आलोचकों का तर्क है कि धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र में किसी धार्मिक प्रतीक को राष्ट्रीय पहचान बनाना संवैधानिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

हालांकि दूसरी ओर यह भी सच है कि भारतीय संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में अनुच्छेद 48 के अंतर्गत राज्यों को गोवंश संरक्षण और नस्ल सुधार के लिए प्रयास करने का निर्देश दिया गया है। देश के अधिकांश राज्यों में गोहत्या पर किसी न किसी रूप में प्रतिबंध पहले से मौजूद है। केंद्र सरकार का

पशुपालन और डेयरी विभाग भी गोवंश संरक्षण और पशुधन विकास के लिए कई योजनाएँ चला रहा है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन जैसी योजनाओं का उद्देश्य देशी नस्लों का संरक्षण और दुग्ध उत्पादन बढ़ाना है। इससे स्पष्ट होता है कि गाय को पहले से ही विशेष सरकारी संरक्षण प्राप्त है। इसलिए समर्थकों का कहना है कि राष्ट्रीय पशु का दर्जा केवल उस सम्मान को औपचारिक रूप देने जैसा होगा जो भारतीय समाज में गाय को पहले से प्राप्त है। लेकिन वास्तविक समस्या केवल सम्मान तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश के अनेक राज्यों में आवारा पशुओं की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में किसान खुले घूमते पशुओं से परेशान हैं। जब गाय दूध देना बंद कर देती है या बूढ़ी हो जाती है तो गरीब किसान उसका पालन जारी नहीं रख पाते। परिणामस्वरूप उन्हें सड़कों या खेतों में छोड़ दिया जाता है। ये पशु किसानों की फसलों को नुकसान पहुँचाते हैं और सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। अनेक ग्रामीण इलाकों में रात भर खेतों की रखवाली करना किसानों की मजबूरी बन गया है। यदि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाता है और कानून और कठोर हो जाते हैं तो यह संकट और बढ़ सकता है, क्योंकि पशुओं के पुनर्वास के लिए पर्याप्त गौशालाएँ और संसाधन अभी उपलब्ध नहीं हैं।

भारत की कृषि व्यवस्था अभी भी छोटे और सीमांत किसानों पर आधारित है। अधिकांश किसान सीमित आय और बढ़ती लागत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। एक बूढ़ी या अनुत्पादक गाय का पालन करना उनके लिए भारी आर्थिक बोझ बन जाता है। चारा, दवा और देखभाल पर लगातार खर्च होता है जबकि उससे कोई आय नहीं होती।

यदि सरकार गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करती है तो संभव है कि पशुधन प्रबंधन से जुड़े नियम और कड़े हो जाएँ। इससे किसानों की आर्थिक कठिनाइयाँ और बढ़ सकती हैं। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी बड़े निर्णय से पहले पशु आश्रय, चारे की व्यवस्था और किसानों के लिए आर्थिक सहायता की मजबूत नीति आवश्यक है।

गाय से जुड़ा एक बड़ा आर्थिक पक्ष चमड़ा और मांस उद्योग भी है। भारत दुनिया के प्रमुख चमड़ा उत्पादक देशों में शामिल रहा है। इस उद्योग से लाखों लोगों का रोजगार जुड़ा है। इनमें बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर और हाशिए पर रहने वाले समुदाय शामिल हैं। भारत में मांस निर्यात का बड़ा हिस्सा भैंस के मांस से जुड़ा होता है, लेकिन कठोर सामाजिक माहौल का प्रभाव पूरे उद्योग पर पड़ता है। यदि राष्ट्रीय पशु का दर्जा मिलने के बाद कानून और सामाजिक दबाव बढ़ते हैं तो रोजगार और व्यापार दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए आर्थिक विशेषज्ञ इस विषय को केवल धार्मिक दृष्टि से देखने के बजाय रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संदर्भ में भी देखते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में गाय के नाम पर हिंसा और भीड़ द्वारा हमले की घटनाएँ भी सामने आई हैं। कई मामलों में गौ रक्षा के नाम पर लोगों को पीटा गया, अपमानित किया गया या उनकी हत्या तक कर दी गई। ऐसे मामलों ने देश की कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द पर गंभीर प्रश्न खड़े किए। समाजशास्त्रियों का मानना है कि यदि गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिया जाता है तो कुछ कट्टर समूह इसे अपने सामाजिक अधिकार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

तराना - श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर अत्यंत प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिर है: जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज

श्री तिलभांडेश्वर महादेव के दर्शन मात्र से ही सभी कष्ट दूर हो जाते हैं: श्रीमहंत हरि गिरि महाराज

आज की जनधारा

उज्जैन। उर्ध्वाम्नाय श्रीकाशीसुमेरू पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य अनन्त श्रीविभूषित स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज के पावन सानिध्य व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के मार्गदर्शन में संतों ने रविवार को प्रसिद्ध श्री तिलभंडेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन किए। जूना अखाड़ा के वरिष्ठ अध्यक्ष श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमहंत केदार पुरी महाराज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमहंत उमाशंकर भारती महाराज, उपाध्यक्ष श्रीमहंत महेश पुरी महाराज, सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर गाजियाबाद के पीठाधीश्वर जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व जूना अखाड़ा की 13 मढ़ी के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज समेत सभी संतों ने मंदिर में पूजा-अर्चना की व भगवान का अभिषेक किया। मंदिर के पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अध्यक्ष गद्दीपति श्री महंत मोहन भारती जी महाराज अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा ने सभी संतों का स्वागत-अभिनंदन किया। संतों ने नासिक कुंभ की तैयारियों के साथ धर्म चर्चा भी की। उर्ध्वाम्नाय श्रीकाशीसुमेरू पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य अनन्त श्रीविभूषित स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर अत्यंत प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिर है। इस मंदिर का शिवलिंग अपने आकार में घटने.बढ़ने के चमत्कार के लिए प्रसिद्ध है और इसके दर्शन के लिए दूर.दूर से श्रद्धालु आते हैं। जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने कहा कि श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन मात्र से ही सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। इस मंदिर से जुड़ी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ का शिवलिंग हर महीने शुक्ल पक्ष में एक तिल ;तिल के दाने के बराबर बढ़ता है और कृष्ण पक्ष में तिल के बराबर ही घट जाता है। जूना अखाड़ा के वरिष्ठ अध्यक्ष श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज ने कहा कि श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर में साक्षात भगवान महादेव विराजमान हैं। इसी कारण मंदिर में पूजा-अर्चना करने वालों पर महादेव की कृपा हमेशा बनी रहती है। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर उज्जैन जिले के तराना शहर में करंज मार्ग पर स्थित है। इस प्राचीन मंदिर की स्थापना व शिवलिंग का संबंध ऋषि भांडव से होने के कारण ही मंदिर श्री तिलभांडेश्वर महादेव के नाम से विश्व भर में प्रसिद्ध है। यह मंदिर सदियों पुराना है। स्थानीय इतिहास के अनुसार मंदिर की मूल संरचना का निर्माण लगभग सन् 1626 में हुआ था। इसके आध्यात्मिक महत्व को पहचानते हुए ही मराठा रानी देवी अहिल्याबाई होलकर ने मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था। श्रावण और भाद्रपद के पवित्र महीनों के दौरान सोमवार को भव्य जुलूस, यात्रा-सवारी निकाला जाता है, जिसमें सजावटी झांकियां होती हैं जिसमें देश भर से बडी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। महाशिवरात्रि पर मंदिर परिसर में विशाल मेला और सामुदायिक भोज, महाभंडारा का आयोजन किया जाता है। यहां होने वाली सुबह और शाम की आरती बहुत दर्शनीय होती है। मंदिर की जलाधारी में चौबीसों घंटे जल भरा रहता है, जिसे भक्त भगवान शिव की कृपा और प्रकृति का चमत्कार मानते हैं। मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत मोहन भारती महाराज ने बताया कि मंदिर में जो भी भक्त सच्चे मन से पूजा-अर्चना करता है, उसका हर कष्ट दूर होता है और उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। श्रीमहंत आनंदपुरी महाराज, सचिव श्रीमहंत रामेश्वरानंद गिरि महाराज सचिव श्रीमहंत आदित्य गिरि महाराज, सचिव श्रीमहंत रत्न गिरि महाराज, सचिव श्रीमहंत ओम भारती महाराज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमाशंकर भारती महाराज मंत्री श्रीमहंत आनंदेश्वरानंद गिरि महाराज, मंत्री महंत गिरिशानंद गिरि महाराज, किन्नर अखाड़ा के महामंडलेश्वर पवित्रानंद गिरि महाराज, श्रीमहंत पृथ्वी गिरि महाराज, दत्त अखाड़ा के पीठाधीश्वर श्रीमहंत सुंदर पुरी महाराज, साध्वी आईकावा कैला गिरि, महामंडलेश्वर साध्वी चेंतनानंद गिरि, साध्वी श्रद्धांनद गिरि श्रीमहंत शिवानंद सरस्वती महाराज, महंत राघवेंद्र पुरी महाराज, महंत विद्या गिरि महाराज पंजाब, थानापति परमानंद गिरि महाराज थानापति चांद गिरि महाराज, थानापति नीलकंठ गिरि महाराज, थानापति मोनानंद गिरि महाराज, माया देवी हरिद्वार के पुजारी भास्करानंद गिरि महाराज, श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष डॉ. राहुल कटारिया , अखाडा परिषद के प्रवक्ता गोविंद सौलंकी आदि ने भी मंदिर में पूजा-अर्चना की।

ऊंचे बड़े पौधे जिले में सभी स्थानों पर लगाकर जिले को हरियाली से आच्छादित किया जाएगा-प्रभारी मंत्री टेटवाल

आज की जनधारा

उज्जैन। प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सोमवार को गया कोटा परिसर स्थित ऋषि तलाई गहरीकरण कार्य में श्रमदान किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव,श्री संजय अग्रवाल ने गया कोटा परिसर में वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश नई ऊंचाइयां छू रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गायकोटा स्थित ऋषि तलाई के जीर्णोद्धार से ना सिर्फ इस पौराणिक स्थल का सौंदर्यीकरण होगा परंतु इससे आस पास के इलाकों का भू जल स्तर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि यहां रोपित ऊंचे बड़े पौधों जैसे पौधे जिले में सभी स्थानों पर लगाकर जिले को हरियाली से आच्छादित किया जाएगा।

यहां रोपित किए गए पौधों के रख रखाव की जिम्मेदारी नागरिकों और स्थानीय जनप्रतिधियों की होगी। उन्होंने कहा कि श्री महाकाल महालोक से जिले की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हुई है और लाखों की संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन आ रहे हैं। सभी श्रद्धालुओं को पानी की जरूरत पूरी करने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरचनाओं का पुनरुद्धार किया जा रहा है। विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सिंहस्थ 2028 के लिए हजारों करोड़ रुपए के विकास कार्य किए जा रहे हैं। उक्त विकास कार्यों के पूर्ण होने के बाद नागरिकों को अत्याधिक सुविधा होगी और सिंहस्थ 2028 का वैभव विश्व देखेगा। गया कोटा के गंधर्व तालाब के उन्नयन का सबसे बहुप्रतीक्षित कार्य हो गया है। ऋषि तलाई के गहरीकरण कार्य से आस पास के इलाके में भू जल स्तर बढ़ेगा। महापौर श्री मुकेश टटवाल ने कहा कि पौराणिक महत्व के स्थान गया कोटा स्थित ऋषि तलाई का जीर्णोद्धार कर प्राचीन जलसंरचना को नया जीवन प्रदान किया गया है। नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने कहा कि श्राद्ध पक्ष में गया कोटा स्थित ऋषि तलाई में 16 दिन तर्पण किया जाता है। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत यहाँ स्थित ऋषि तलाई का जीर्णोद्धार कर तलाई का गहरीकरण किया गया है और तलाई के आस पास वृक्षारोपण कर पानी की आवक बढ़ाने का कार्य किया जा रह है। ऋषि तलाई के साथ गंधर्व तालाब का भी जीर्णोद्धार किया गया है।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा किए गए नवाचार प्रोजेक्ट संवर्धन की पोषक रेसिपी के जादुई परिणाम

आज की जनधारा

उज्जैन। तराना पोषण पुनर्वास केंद्र की पोषक प्रशिक्षक श्रीमती क्षमा यदुवंशी ने कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के नवाचार प्रोजेक्ट संवर्धन की ट्रेनिंग में ही ठान लिया था कि मुम्बई आईआईटी की टीम ने जो प्रशिक्षण आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आशा एएनएम को मां बच्चे के सुपोषण के लिए दिया है उसे वह अपने एनआरसी में भी कुपोषण निवारण के लिए अपनाएंगी। श्रीमती यदुवंशी ने एनआरसी की निर्धारित डाइट के साथ अतिरिक्त डाइट के रूप में प्रोजेक्ट संवर्धन में सिखाई गई जो रेसिपी बनाई। उसमें उन्होंने बताया कि आधा कप गेहूं, आधा कप हरी मूंग, आधा कप रागी , सभी को रात भर पानी में भिगो कर रखकर और अंकुरित कर के एक-दो दिन धूप में सुखा कर फिर इन सभी सामग्रियों को अलग-अलग धीमी आंच पर भूनकर ठंडा करके हाथों से रगड़ के ऊपरी छिलका निकाल कर फिर सभी सामग्री को पीसकर पाउडर बनाकर हवा बंद डब्बे में सुरक्षित रख लिया। कुपोषित बच्चे का खाना बनाये समय 2 दो चम्मच पावडर डालकर उसे बच्चे को स्वादिष्ट रूप में एनआरसी में खिलाया गया और घर में खिलाने के लिए मां को समझाइश भी दी गई।

उज्जैन जिले में जल संरक्षण को मिली नई गति

जल गंगा संवर्धन अभियान में उज्जैन जिला प्रदेश के टॉप-5 में शामिल

आज की जनधारा

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गत गुडीपडवा पर्व पर पूरे प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया था। पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश में बड़ी संख्या में खेत तालाब, अमृत सरोवर, रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और सूखे कुओं को नया जीवन देने का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उज्जैन जिला जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियांवयन में प्रदेश के टॉप-5 जिलों में शामिल है। इसके अंतर्गत उज्जैन जिले के विभिन्न विकास खण्डों, नगरीय निकायों और ग्रामों में अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशमी पर्व पर भी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों की समेकित पहल से मुख्यतः जन जागरूकता, नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई व मरम्मत /नवीनीकरण, जल गुणवत्ता परीक्षण, जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने, जल स्त्रोतों तथा जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई, राजस्व रिकार्ड में जल संग्रहण संरचनाओं व नहरों को अंकित करने और मानसून में किये जाने वाले पौधारोपण के लिए आवश्यक तैयारियों के कार्य प्राथमिकता पर किये जा रहे है। यह अभियान समाज और सरकार की साझेदारी से जल संरक्षण व संवर्धन का जन आंदोलन बन गया है।

सड़क दुर्घटना में गम्भीर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाने वाले, राहवीर को मिलेंगे 25,000/-रुपए एवं प्रशस्ति पत्र

सड़क दुर्घटना में पीड़ित घायल व्यक्ति के सही समय पर अस्पताल न पहुंचने के कारण घायल व्यक्ति की मृत्यु तक हो जाती है।

आज की जनधारा

उज्जैन। सड़क दुर्घटना में पीड़ित घायल व्यक्ति के सही समय पर अस्पताल न पहुंचने के कारण घायल व्यक्ति की मृत्यु तक हो जाती है। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने में आम नागरिकों को यह भय रहता है कि वे भी पुलिस कार्यवाही के भागी बन जायेंगे अर्थात घायल को अस्पताल पहुंचाने की मदद करने वाले व्यक्ति से पुलिस द्वारा पूछताछ की जाएगी। किन्तु ऐसा नहीं है। सड़क दुर्घटना में गम्भीर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाने वाले राहवीर को राशि 25,000/-रूपए एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करने का प्रावधान है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला उज्जैन, डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि शासन द्वारा सड़क दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में त्वरित उपचार कराने के उ?द्देश्य से राहवीर योजना लागू की गई है। ताकि सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल को अस्पताल ले जाने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन स्वरूप राशि प्रदान की जा सकें। इस योजनांतर्गत सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाने वाले व्यक्ति को राहवीर की परिभाषा में शामिल किया गया है। सड़क दुर्घटना में गम्भीर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाने वाले राहवीर को राशि 25,000/-रुपए एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करने का प्रावधान है। योजना से सड़क दुर्घटना मे गम्भीर घायल व्यक्ति का त्वरित उपचार संभव हो सकेगा वही प्रोत्साहन राशि 25,000/-रुपए के कारण नव युवा एवं आम आदमी पीड़ित की मदद के लिए तत्पर रहेंगे, जिससे सड़क दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति की जान भी बचेगी।

धड़ल्ले से चल रहा रेत का अवैध उत्खनन

आज की जनधारा

शहडोल। जिले के अंतिम छोर में स्थित देवलोंद (बाणसागर) थाना क्षेत्र इन दिनों रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के लिए कुख्यात बन चुका है। रेत माफिया यहां रात दिन नदी का सीना छलनी कर बड़े पैमाने पर रेत का उत्खनन कर रहे हैं। यह रेत यहां से दूसरे जिलों में भी भेजी जा रही है। यह सब यहां खाकी के संरक्षण में फल फूल रहा है। रेत माफिया का दुस्साहस इस कदर बढ़ गया है कि गत दिनों माफिया ने सोन घड़ियाल अभ्यारण्य क्षेत्र में वन विभाग की टीम पर ही हमला कर दिया। इसमें सबसे हैरत की बात तो यह है कि वन विभाग के कर्मचारी जब रिपोर्ट दर्ज करने देवलोंद थाना पहुंचे तो उन्हें यहां से वहां चक्कर काटना पड़ा और पुलिस टाल मटोल करती रही। इस क्षेत्र में रेत के अवैध कारोबार का ही परिणाम है कि देवलोंद में लंबे समय से पदस्थ थाना प्रभारी सुभाष दुबे और उनके कारिंदे इस समय कथरी ओढ़ कर घी खा रहे हैं। इतना ही नहीं देवलोंद थाना प्रभारी और उनकी टीम जिस तरीके से गांधी की बैटिंग कर रही है, उसमें हर्रा लगे न फिटकरी, रंग चोखा होए कहावत चरितार्थ हो रही है। जिले के देवलौद थाना क्षेत्र अंतर्गत बुढ़वा और सतानी क्षेत्र में लंबे समय से रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर गत दिनों सोन घड़ियाल अभ्यारण्य वन विभाग की टीम जब अवैध रेत उत्खनन रोकने पहुंची, तो उसी दौरान रेत माफियाओं ने टीम पर हमला कर दिया। ऐसी भी चर्चा व्याप्त है कि थाना प्रभारी सुभाष दुबे के दो चहेते आरक्षक इन दिनों इस पूरे क्षेत्र में वसूली कार्य को अंजाम दे रहे हैं। पूरे क्षेत्र में चर्चा इस बात की हो रही है कि सुभाष दुबे के पास आखिर ऐसा कौन सा जुगाड़ है कि निरीक्षक स्तर के इस थाने में उप निरीक्षक को लंबे समय से कमान सौंपी गई है।

आयुष्मान योजना बनी राहुल के जीवन का सहारा

आज की जनधारा

उज्जैन। शहर के ढांचा भवन क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय राहुल पिता श्री बाबूलाल कम उम्र में ही किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित हो गए। बीमारी के चलते उनके शरीर में लगातार सूजन रहने लगी और वे सामान्य जीवन जीने में कठिनाई महसूस करने लगे। हालत ऐसी हो गई कि राहुल अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाने में भी असमर्थ होने लगे। परिजनों ने राहुल का निजी अस्पताल में उपचार करवाया, जहां चिकित्सकों ने उनकी किडनी खराब होना बताते हुए तत्काल डायलेसिस की सलाह दी। शुरूआत में परिवार ने निजी अस्पताल में डायलेसिस करवाना शुरू किया, लेकिन सप्ताह में दो बार डायलेसिस की आवश्यकता पड़ने से उपचार का खर्च लगातार बढ़ता गया। इससे परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में आ गया। इसी दौरान क्षेत्रीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने राहुल के परिजनों को आयुष्मान भारत निरामयम योजना की जानकारी दी और जिला चिकित्सालय उज्जैन जाने की सलाह दी। इसके बाद राहुल को जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां उनका आयुष्मान योजना में पंजीयन किया गया। पात्रता मिलने के बाद अब राहुल का सप्ताह में दो बार सिविल अस्पताल माधवनगर उज्जैन की डायलेसिस यूनिट में निःशुल्क डायलेसिस किया जा रहा है। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत उपचार का खर्च शासन द्वारा वहन किए जाने से परिवार को बड़ी राहत मिली है। नियमित डायलेसिस से राहुल के स्वास्थ्य में भी सुधार देखने को मिल रहा है। परिवार को उम्मीद है कि राहुल जल्द स्वस्थ होकर फिर से सामान्य जीवन जी सकेंगे। योजना का लाभ मिलने से परिवार ने शासन और स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है।

एनसीसी 10 दिवसीय CATC शिविर के चौथे दिन ग्रुप मुख्यालय इंदौर के प्रशिक्षण अधिकारी कर्नल रितेश श्रीवास्तव ने किया निरीक्षण

नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (CATC) के चौथे दिन रविवार को ग्रुप मुख्यालय इंदौर से प्रशिक्षण अधिकारी कर्नल रितेश श्रीवास्तव ने शिविर का निरीक्षण किया।

आज की जनधारा

उज्जैन। नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (C AT C) के चौथे दिन रविवार को ग्रुप मुख्यालय इंदौर से प्रशिक्षण अधिकारी कर्नल रितेश श्रीवास्तव ने शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों व स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। शिविर में आज छात्र सैनिकों ने वेपन ड्रिल का अभ्यास किया। साथ ही उन्हें पॉइंट 22 राइफल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एनएनओ श्वेता शर्मा ने नागरिक सुरक्षा संगठन (Civil Defence) के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (N D M A) के स्वरूप, उद्देश्यों और कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। लेफ्टिनेंट संकल्प मिश्र ने क्रियात्मक गतिविधियों के माध्यम से छात्रसैनिकों को समय प्रबंधन तथा नेतृत्व कौशल के विभिन्न प्रकारों के बारे में रोचक एवं प्रभावी ढंग से समझाया। कर्नल रितेश श्रीवास्तव ने छात्रसैनिकों के उत्साह और अनुशासन की सराहना की और उन्हें आगामी दिनों में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

6 किन्नरों की सनातन धर्म में घर वापसी, किन्नर महामंडलेश्वर और संतों का महा समागम

आज की जनधारा

शहडोल। सनातन धर्म को आगे बढ़ाने और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना के उद्देश्य से शहडोल में दो दिवसीय राष्ट्रीय किन्नर महा समागम का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में यहां देश भर से किन्नर महामंडलेश्वर, जगद्गुरु और संतों का जमावड़ा हुआ है। यह ल कार्यक्रम जगद्गुरु काजल ठाकुर मां (भोपाल) के पावन सानिध्य में आयोजित हो रहा है। इस विशाल समागम की मुख्य आयोजक सोनाली पटेल शहडोल और सिवानी पटेल शहडोल हैं। कार्यक्रम के पहले दिन देश भर से आए संत समाज और किन्नर समुदाय का जुड़ाव एवं एकत्रीकरण हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन सोमवार को संतों की उपस्थिति में विधि-विधान से पट्टाभिषेक (पदवी सौंपने का उत्सव) संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंत्रोच्चार और शुद्धिकरण के साथ 6 किन्नरों की सनातन धर्म में घर वापसी करवाई गई। शाम 4 बजे से शहर में एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो गाजे-बाजे और पारंपरिक उल्लास के साथ मुख्य मार्गों से गुजरी।

यह भव्य आयोजन वैष्णव अखाड़ा मुंबई, किन्नर अखाड़ा भोपाल व उज्जैन की अगुवाई में हो रहा है। इस समागम में भोपाल, इटारसी, उज्जैन, खण्डवा, सागर, जबलपुर, अमरावती, नागपुर, पिपरिया और बण्डा समेत देश के कई हिस्सों से प्रमुख हस्तियां शामिल हुई हैं। शामिल होने वाले प्रमुख संत और किन्नरों में सपना नायक, आनंदी आनंद गिरि माता इन्दौर, गोलू नायक रंग महल, सागर, शांति नायक पिपरिया, मद्दू मां जबलपुर, महामंडलेश्वर मुस्कान नायक भोपाल, सितारा गुरु खण्डवा, करिश्मा, काली नंद गिरी पांचाली गुरु इटारसी, रूबी नायक बण्डा, संजना नायक पिपरिया, गुड्डी नायक अमरावती, उत्तमा मां नागपुर प्रमुख रूप से शामिल हैं। समाज सेवा ही हमारा धर्म इस अवसर पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए जगद्गुरु काजल ठाकुर मां एवं अन्य वरिष्ठ संतों ने कहा कि हमारा किसी भी धर्म से कोई विरोध नहीं है। जो जिस धर्म का है, वह अपनी आस्था से माने। हमारा राजनीति से कोई सरोकार नहीं है और न ही हमें धन-संपत्ति से कोई मोह है।

गंगा दशमी पर कुंदा सफाई अभियान आयोजित, कतारबद्ध होकर जनप्रतिनिधि व अधिकारियों ने हटाई जलकुंभी

आज की जनधारा

खरगोन। गंगा दशमी पर्व के अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कुंदा नदी में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कतारबद्ध होकर कुंदा से जलकुंभी व गंदगी हटाई और जल संरक्षण व स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान समाज और संस्कृति के संरक्षण का अभियान है। आज स्वच्छ पेयजल एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है— ह्लपरोपकाराय बहन्ति नद्यः, परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः। नदियाँ, वृक्ष और संत हमारी संस्कृति के आधार स्तंभ हैं, जिनका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी की कृपा से क्षेत्र में सिंचाई एवं भूजल स्तर में सुधार हुआ है, जबकि 10 वर्ष पूर्व गंभीर पेयजल संकट की स्थिति थी। कई गांवों में अनेक बोरवेल होने के बावजूद पानी उपलब्ध नहीं हो पाता था। आज स्थिति बेहतर है, फिर भी स्वच्छ जल भविष्य की बड़ी चुनौती बना हुआ है। विधायक श्री पाटीदार ने बताया कि जिले में 16 प्रमुख नदियाँ हैं। नर्मदा को छोड़कर अधिकांश नदियाँ एक समय सूख चुकी थीं, लेकिन नर्मदा आधारित जल परियोजनाओं से सहायक नदियों में पुनः जल प्रवाह प्रारंभ हुआ है। अब आवश्यक है कि इन जलस्रोतों को स्वच्छ रखा जाए, जिससे यह प्रवाह निरंतर बना रहे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल गंगा संवर्धन अभियान की योजनाएँ क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाई जाएँ। यह क्षेत्र विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के बीच स्थित है, जहाँ भूमि की जलधारण क्षमता सीमित है, इसलिए जल के स्वच्छ प्रवाह और संरक्षण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। विधायक श्री पाटीदार ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार नदी, वृक्ष, गौ एवं संत जैसे संस्कृति के सभी स्तंभों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नदियों की स्वच्छता, वृक्षारोपण, गौशालाओं का विस्तार तथा ह्लएक पेड़ माँ के नामह्व जैसे अभियान इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। अंत में उन्होंने सभी नागरिकों से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए गंगा दशमी की शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, जिला पंचायत सीईओ श्री मिलिंद कुमार नागदेवे, एसडीएम श्री वीरेंद्र कुमार कटारे, नगर पालिका सीएमओ सुश्री कमला कौल, स्वास्थ्य अधिकारी श्री प्रकाश चित्ते, पार्षदगण सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बस्तर संभाग में बैंकिंग सुरक्षा को नई मजबूती, आरबीआई ने सिखाई नकली नोट पहचान तकनीक

● अब काउंटर पर ही पकड़े जाएंगे नकली नोट

जगदलपुर। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर द्वारा बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों ने बस्तर संभाग के सातों जिलों में संचालित शाखाओं के शाखा प्रबंधकों एवं कैशियरों को नकली नोटों की पहचान, क्लीन नोट पॉलिसी, सुरक्षा मानकों एवं तकनीकी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

शनिवार को कांकेर, कोंडागांव एवं नारायणपुर जिले की शाखाओं के लिए तथा रविवार को बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा जिले की शाखाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक जगदलपुर के सभा कक्ष में यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय से आए प्रबंधक मंगेश मेश्राम एवं सहायक प्रबंधक प्रफुल्ल तायड़े द्वारा मुख्य प्रशिक्षक के रूप में बैंक कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शाखा प्रबंधकों एवं कैशियर कार्य से जुड़े कर्मचारियों को नकली भारतीय मुद्रा नोट, अत्यधिक गंदे अथवा अनुपयोगी नोटों तथा कटे-फटे नोटों के संबंध में आवश्यक सुरक्षा मानकों एवं तकनीकी जानकारी से अवगत कराना था।

प्रशिक्षण के दौरान आरबीआई अधिकारियों द्वारा नोटों के सुरक्षा मानकों की पहचान करने की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे काउंटर स्तर पर ही नकली नोटों की पहचान कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि रिजर्व बैंक का मुख्य उद्देश्य नकली नोटों के प्रचलन को रोकना एवं सुरक्षित बैंकिंग व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

इसके अतिरिक्त क्लीन नोट पॉलिसी के अंतर्गत अत्यधिक गंदे अथवा अनुपयोगी हो चुके नोटों को करेंसी चेस्ट में जमा करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि जिन नोटों को किसी कारणवश चेस्ट बैंक में जमा नहीं किया जा सकता, उन्हें सीधे आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय में भी जमा कराया जा सकता है।

प्रशिक्षण के अंतिम चरण में प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया, जिसमें बैंक कर्मचारियों से उनके अनुभव एवं समस्याओं की जानकारी लेकर समाधान संबंधी दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रशिक्षण को बैंकिंग सुरक्षा, नकली नोटों की रोकथाम तथा दैनिक बैंकिंग कार्यों की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी एवं व्यवहारिक बताया।

इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के. एस. धुव, अतिरिक्त प्रबंधक एस. ए. रज़ा, मुख्य लेखापाल गौरव शर्मा, सीबीएस नोडल अधिकारी गुलशेर मोहम्मद, तकनीकी अधिकारी आसिफ खान, स्थापना प्रभारी संजय पाण्डेय, नोडल अधिकारी मनोज वानखेड़े सहित संभागांतर्गत सम1स्त शाखाओं के शाखा प्रबंधक एवं कैशियर उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय जगदलपुर के 90 छात्रों ने किया उत्तर भारत का शैक्षणिक दौरा

● राष्ट्रीय संस्थानों की कार्यप्रणाली को समझा

जगदलपुर। वर्तमान शिक्षा पद्धति को अधिकाधिक व्यावहारिक, रोजगारोन्मुखी एवं विद्यार्थियों के मध्य उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने हेतु कृषि संकाय के विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया जाता है। इसी तारतम्य में कृषि महाविद्यालय जगदलपुर के अधिष्ठाता डॉ आरएस नेताम कुशल मार्गदर्शन में इस वर्ष विद्यार्थियों को उत्तर भारत में स्थित विभिन्न राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों का भ्रमण कराया गया। डॉ. अश्विनी ठाकुर, सहसंचालक, जोनल एग्रीकल्चर रिसर्च सेंटर एवं डॉ. एन. सी. मंडावी, प्रभारी शैक्षणिक शाखा के विशेष प्रयासों से महाविद्यालय में अध्ययनरत बी. एस. सी. कृषि तृतीय वर्ष के 90 छात्र-छात्राओं को पांच प्राध्यापकों के नेतृत्व में दिनांक 14 मई से 23 मई तक इस ज्ञानवर्धक भ्रमण पर भेजा गया था। इस 90 सदस्यीय टीम को 4 दलों में बांटकर सुव्यवस्थित ढंग से पूरा भ्रमण कराया गया, जिसका नेतृत्व भ्रमण प्रभारी डॉ. पीके सलाम, कोर्स कॉर्डिनेटर डॉ. नीता मिश्रा, डॉ. सत्येंद्र कुमार गुप्ता, डॉ. चेतना खांडेकर एवं सह-समन्वयक संदीप ने किया, जबकि छात्र सौरभ के कुशल नेतृत्व एवं विद्यार्थियों के बीच बेहतरीन समन्वय से पूरा टूर अनुशासन एवं उत्कृष्टता की एक अनूठी मिसाल बन गया।

जगदलपुर से प्रारंभ होकर रायपुर, दिल्ली, करनाल, मनाली एवं देहरादून तक पहुंचे इस भ्रमण के रूट चार्ट के दौरान विद्यार्थियों को देश के शीर्ष संस्थानों को करीब से देखने का अवसर मिला। दिल्ली स्थित प्रमुख संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नेशनल प्लांट जेनेटिक रिसोर्सेस और नेशनल जीन बैंक का विजिट कर छात्रों ने वहां की कार्यप्रणाली और एडवांस कृषि प्रणाली का विस्तारपूर्वक अवलोकन सह अध्ययन किया, जहां आईएआरआई के डॉ. मेहरा, डॉ. विनोद गुप्ता, अविनाश एवं एनबीपीजीआर से डॉ. संध्या ने बहुत ही आत्मीयतापूर्वक विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। इसके पश्चात दूसरे दिन करनाल स्थित राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान में छात्रों ने शुद्ध नस्ल के साहीवाल, थारपारकर, करन स्विस, करन फ्रिज गायों और मुर्राह भैंसों का अवलोकन किया तथा सेंटर प्रभारी डॉ. नितिन त्यागी से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु उचित रखरखाव व प्रबंधन की महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इसी कड़ी में एबीआरसी में डॉ. निशांत कुमार के गाइडेंस में दूध बढ़ाने हेतु चयनित सांडों से वीर्य संग्रहण एवं कृत्रिम गर्भाधान के महत्व को समझा गया, जहां सोमेटिक सेल से विकसित क्लोन भैंसे 'श्रेष्ठ', 'तेजस' एवं 'करण' सभी के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। इसके बाद करनाल स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ व्हीट एंड बार्ली रिसर्च का भ्रमण कर ब्रीडिंग, उत्पादन, प्रोसेसिंग एवं प्रबंधन का अवलोकन किया गया ।

नीट पेपर लीक मामले पर एवायएसयू का फूटा गुस्सा

● 24 लाख विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं-संभाग अध्यक्ष लक्ष्मण बघेल

जगदलपुर। बस्तर-देशभर में आयोजित नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले को लेकर आदिवासी युवा छात्र संगठन (एवायएसयू) ने कड़ा विरोध जताया है। एवायएसयू के संभाग अध्यक्ष लक्ष्मण बघेल ने बयान जारी करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक परीक्षा में गड़बड़ी नहीं, बल्कि देश के लगभग 24 लाख विद्यार्थियों के भविष्य के साथ सीधा अन्याय है।

उन्होंने कहा कि लाखों छात्र-छात्राएँ दिन-रात मेहनत कर डॉक्टर बनने का सपना देखते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाएँ मेहनती विद्यार्थियों का मनोबल तोड़ने का काम करती हैं। यह शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

एवायएसयू संभाग अध्यक्ष लक्ष्मण बघेल ने केंद्र सरकार एवं संबंधित एजेंसियों से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए मजबूत व्यवस्था लागू की जाए। नीट परीक्षा लीक पर आदिवासी युवा छात्र संगठन कड़ा निंदा करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान जी को स्तीफा की माँग करता है!

उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो छात्र संगठन सड़क से सदन तक आंदोलन करने को मजबूर होगा।

जनजाति सुरक्षा मंच की दिल्ली महारैली में दुर्गूकोंदल की मजबूत भागीदारी

डीलिस्टिंग की मांग को लेकर हजारों आदिवासी दिल्ली में जुटे, अधिकारों की बुलंद हुई आवाज

कांकेर। अनुसूचित जनजाति समुदाय के अधिकारों की रक्षा एवं डीलिस्टिंग की मांग को लेकर नई दिल्ली में आयोजित जनजाति सुरक्षा मंच की विशाल महारैली में दुर्गूकोंदल क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। देशभर से पहुंचे हजारों जनजातीय समाज के लोगों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को जोरदार तरीके से उठाया और आदिवासी हितों की रक्षा के लिए संगठित आंदोलन का संदेश दिया।

महारैली का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, जनजातीय पहचान एवं संस्कृति के संरक्षण तथा समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाना रहा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों और अस्तित्व की रक्षा के लिए व्यापक जनजागरण एवं संगठित प्रयासों की आवश्यकता है।

दुर्गूकोंदल क्षेत्र से सुदेश कुमार टोपा, राहुल जमुलकर, रामकिशोर सिन्हा, जयसिंह महावीर, रघुनाथ मंडावी, बहादुर, प्रताप, सतीश जैन, मीना कुलदीप, पुष्पा बालेश्वर तथा सामाजिक उपाध्यक्ष बजोती अचला सहित अनेक प्रतिनिधि दिल्ली पहुंचे और महारैली में शामिल हुए। प्रतिनिधियों ने कहा कि जनजातीय समाज के हितों से जुड़े मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए इस प्रकार के राष्ट्रीय आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रैली में शामिल प्रतिनिधियों ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन और जनजातीय अधिकारों की रक्षा के लिए समाज को एकजुट होकर आवाज बुलंद करनी होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की यह महारैली जनजातीय समाज की एकता, जागरूकता और अधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बनकर उभरी है।

कार्यक्रम के समापन पर प्रतिनिधियों ने जनजातीय समाज के हितों की रक्षा के लिए लगातार जनजागरण अभियान चलाने तथा समाज को संगठित करने का संकल्प लिया।

गांजा बिक्री करते पनारा पारा की महिला कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़ी

जगदलपुर। पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा नशे तथा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध व्यापक रूप से लगातार कार्यवाही किया जा रहा है जो इसी तारतम्य में अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने हेतु परिवहन करने वाले पर कार्यवाही करने में बस्तर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

थाना कोतवाली जगदलपुर को सूचना प्राप्त हुआ था कि एक महिला गांजा बिक्री करने हेतु ग्राहक के इंतजार में पनारापारा स्कूल के पीछे रानी के घर के पास खड़ी हैं। सूचना पर थाना प्रभारी कोतवाली लीलाधर राठौर के नेतृत्व में महिला पुलिस सहित टीम गठित कर, कार्यवाही हेतु टीम रवाना किया गया था। जो उक्त टीम के द्वारा मिले सूचना स्थान पनारापारा स्कूल के पीछे रानी के घर के पास पहुंचकर घेराबंदी कर मुखबिर द्वारा बताए महिला को घेराबंदी कर पकड़ा गया। जिनसे पूछताछ करने पर अपना पूरा श्रीमती निशा नाग 18 वर्ष पता पनारापारा स्कूल के पीछे जगदलपुरका होना बताया। जिसके कब्जे से प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। जो बरामद हुए गांजा के संबंध में पूछताछ करने पर रखने के संबंध में कोई वैधानिक प्रत्युत्तर नहीं दिया गया। अवैध मादक पदार्थ गांजा को बिक्री करना स्वीकार करने से उक्त प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा को 20.एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत् जप्त कर आरोपीया को दिनांक 23.05.26 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में विशेष न्यायालय जगदलपुर भेजा गया है।

खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण एवं अग्रिम उठाव कराने कलेक्टर ने दिए निर्देश

● निर्माण कार्यों का समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराएं

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में आगामी खरीफ सीजन के लिए खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण किया जाकर किसानों को अग्रिम उठाव के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने इस कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी कृषि विभाग के उप संचालक को दिए हैं। समीक्षा के दौरान उप संचालक ने बताया कि जिले के किसानों द्वारा खाद-बीज का उठाव प्रारंभ कर दिया गया है।

कलेक्टर ने जिले में संचालित निर्माण कार्यों को समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश भी दिए। उचित मूल्य दुकानों के लिए भवनों का निर्माण बारिश के पूर्व करने तथा पहुंचविहीन क्षेत्रों में खाद्यान्न का अग्रिम भंडारण करने के लिए निर्देशित किया गया। दूरसंचार टॉवर की स्थापना कार्य की समीक्षा भी उनके द्वारा की गई एवं सभी एसडीएम को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

बस्तर गोंचा महापर्व संचालन समिति 2026 का गठन

● मुक्तेश्वर पांडे बने अध्यक्ष, वैभव सचिव, बिम्भाधर कोषाध्यक्ष बने

जगदलपुर। रियासत कालीन बस्तर गोंचा पर्व की तैयारियों को लेकर स्थानीय जगन्नाथ मंदिर,जगदलपुर में 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डे ने की। बैठक में 14 क्षेत्रीय समितियों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में आगामी बस्तर गोंचा महापर्व को भव्यता एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में बताया गया कि 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज द्वारा शताब्दियों से इस वृहद धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन का निरंतर आयोजन किया जाता रहा है। रियासत कालीन परंपराओं के निर्वहन एवं पर्व के सुचारू संचालन के उद्देश्य से बस्तर गोंचा पर्व संचालन समिति 2026 का गठन किया गया।

समिति गठन के दौरान मुक्तेश्वर पांडे को सर्वसम्मति से बस्तर गोंचा महापर्व 2026 का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं मिनेश पानीग्राही को उपाध्यक्ष, बिम्भाधर पाण्डे को कोषाध्यक्ष, वैभव पांडे को सचिव तथा परमानंद पाण्डे को सह सचिव मनोनीत किया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष मुक्तेश्वर पांडे के नेतृत्व में समिति की कार्यकारिणी गठन के साथ ही गोंचा महापर्व की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। बैठक में पर्व को पारंपरिक गरिमा एवं व्यापक जनसहभागिता के साथ आयोजित करने पर जोर दिया गया।

ग्राम मोहलई में ईसाई मतातंरित महिला के शव दफनाने को लेकर विवाद

ग्रामीणों के विरोध के बाद ईसाई कब्रिस्तान में शव दफन

जगदलपुर। बस्तर प्रखंड के ग्राम पंचायत मोहलई में एक ईसाई मतातंरित महिला फूलमनी बघेल की मृत्यु के बाद उसके अंतिम संस्कार को लेकर उपजे विवाद को ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों की बैठक के बाद सुलझा लिया गया। अंततः परिवार द्वारा मृतका का अंतिम संस्कार ईसाई कब्रिस्तान ले जाकर किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, मोहलई निवासी एक ईसाई मतातंरित महिला की मृत्यु के बाद परिजन ईसाई रीति-नीति से उसका अंतिम संस्कार करने की तैयारी में थे। इसके लिए परिवार द्वारा ग्राम के माहरा समाज के पारंपरिक मुक्तिधाम का उपयोग करने की योजना बनाई गई थी। जैसे ही इसकी भनक ग्रामवासियों को लगी, उन्होंने इसका कड़ा विरोध कियाद्य स्थिति को देखते हुए गाँव में ग्राम और समाज संगठन की एक आपात बैठक आहूत की गई, जिसमें विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारी भी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में सामाजिक संगठन पदाधिकारियों व ग्रामवासियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस मुक्तिधाम में सदियों से पुरातन एवं सनातन परंपरा के अनुसार अंतिम संस्कार किया जाता रहा है। किसी अन्य पंथ या धर्म के रीति रिवाजों के यहाँ प्रवेश से उनकी सदियों पुरानी संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

बजरंग दल विभाग संयोजक सिकंदर कश्यप ने कहा कि हमारी पारंपरिक मान्यताओं, संस्कृति और स्थानीय संसाधनों पर किसी भी प्रकार का बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। माहरा समाज के पदाधिकारी घनश्याम नाग ने कहा कि सामाजिक समरसता और हमारी पुरातन परंपराएं सर्वोपरि हैं। समाज के मुक्तिधाम का उपयोग केवल तय सामाजिक और पारंपरिक रीति रिवाजों के लिए ही हो सकता है,ताकि समाज की मूल पहचान अक्षुण्ण रहे।

विहिप बस्तर प्रखंड अध्यक्ष विवेक शुक्ला ने कहा कि धर्म परिवर्तन के बाद पारंपरिक संस्कारों और संसाधनों पर अधिकार स्वतः ही समाप्त हो जाता है। सनातन संस्कृति और जनजातीय परंपराओं की रक्षा के लिए विहिप हमेशा समाज के साथ खड़ी है।

ग्रामवासियों, माहरा समाज और हिंदूवादी संगठनों के कड़े और एकजुट विरोध के पश्चात, ईसाई मतातंरित परिवार ने अपनी योजना बदली। इसके बाद मृतका के शव को निर्धारित ईसाई कब्रिस्तान ले जाया गया, जहाँ ईसाई रीति रिवाज से उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस दौरान ग्राम सभापति श्याम सुन्दर बघेल, उपसरपंच सनत बघेल, बनसाय कश्यप, तुलसी मौर्य, दीपक मौर्य, राजू मौर्य, लखमू, सम्पत, कलीच, सोनूराम बघेल, लखेश्वर यादव, सोमारुराम कश्यप, कमलोचन मौर्य, होमेश राठौर और सनी रैली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं समाज के प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

दिल्ली में 3 आदिवासी अपने साथियों से बिछड़े

● सांसद महेश कश्यप ने तत्परता से किया गया सुरक्षित रेस्क्यू

जगदलपुर। नई दिल्ली में आयोजित 'जनजाति समागम' के दौरान सुकमा जिले से आए बस्तर के तीन कार्यकर्ता बंधु अनजाने में अपने समूह से बिछड़ गए थे। जैसे ही इस संवेदनशील विषय की जानकारी बस्तर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद महेश कश्यप को प्राप्त हुई, उन्होंने इसे अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तत्काल त्वरित संज्ञान लिया।

सांसद कश्यप ने बिना विलंब किए दिल्ली में मौजूद अपने सहयोगियों और साथियों की एक टीम को सक्रिय किया और सघन प्रयास कर कुछ ही घंटों के भीतर तीनों बस्तरिया भाइयों को सुरक्षित खोज निकाला। एक महानगर और अजनबी शहर में अपनों से बिछड़ जाने के कारण कार्यकर्ताओं के मन में उपजी घबराहट और मानसिक परेशानी को समझते हुए, सांसद महेश कश्यप ने उन्हें तुरंत नई दिल्ली स्थित अपने आधिकारिक आवास पर लाने के निर्देश दिए। आवास पर तीनों बस्तरिया भाइयों के ठहरने,उत्तम विश्राम और उच्च स्तरीय खान पान की संपूर्ण व्यवस्था सांसद कश्यप की देखरेख में सुनिश्चित की गई।

हार्ट में ब्लॉकेज क्यों होता है?

बदलती जीवनशैली और खान-पान के चलते कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बना रहता है। इनमें से एक है हार्ट में ब्लॉकेज होना। अक्सर लोगों का सवाल होता है कि आखिर हार्ट में ब्लॉकेज क्यों होती है? इसके लक्षण क्या नजर आते हैं? इन सभी सवालों का जवाब हम आपके हेल्थ एक्सपर्ट से लेकर आए हैं। आइए जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

हार्ट ब्लॉकेज क्यों होता है?

हार्ट ब्लॉकेज जिसे हम कोरोनरी आर्टरी डिजीज के नाम से जानते हैं, यह एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जो खून देने वाली नड़ियों में रुकावट के कारण होती है। इस स्थिति में दिल को पर्याप्त मात्रा में खून और ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

एक्सपर्ट बताते हैं इस ब्लॉकेज का सबसे सामान्य कारण है एथेरोसिलेरोसिस। इसमें नाड़ियों के अंदर फैट्स, कोलेस्ट्रॉल जमा हो जाते हैं। यह धीरे-धीरे नाड़ियोंको संकरी बना देता है, जिससे खून का प्रवाह बाधित हो जाता है। यह स्थिति अक्सर गलत खानपान, मोटापा और सेडेंटरी लाइफस्टाइल के कारण होती है। एक्सपर्ट आगे बताते हैं कि कभी-कभी खून के थक्के नाड़ियों में रुकावट पैदा कर सकते हैं। यह खून के बहाव को पूरी तरह से रोक देते हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा हो जाता है। इसके अलावा कुछ नशीले पदार्थ जैसे स्मोकिंग करना, कोकीन नड़ियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे भी नाड़ियां संकरी हो जाती हैं जिससे खून का प्रवाह बाधित हो जाता है।

ज्यादा तनाव हार्ट को खून देने वाली नसों को अस्थाई रूप से संकरी कर सकता है। इसे कोरोनरी स्पैज्म कहा जाता है। इस स्थिति में भी हार्ट अटैक के लक्षण दिखाई दे सकते हैं। कभी-कभी नाड़ियों की दीवार फटने से ब्लॉकेज हो सकता है। यह स्थिति खास करके प्रेगनेंसी या ज्यादा तनाव के दौरान हो सकती है इससे स्पॉन्टेनियस कोरोनरी आर्टरी डिसेक्शन कहा जाता है

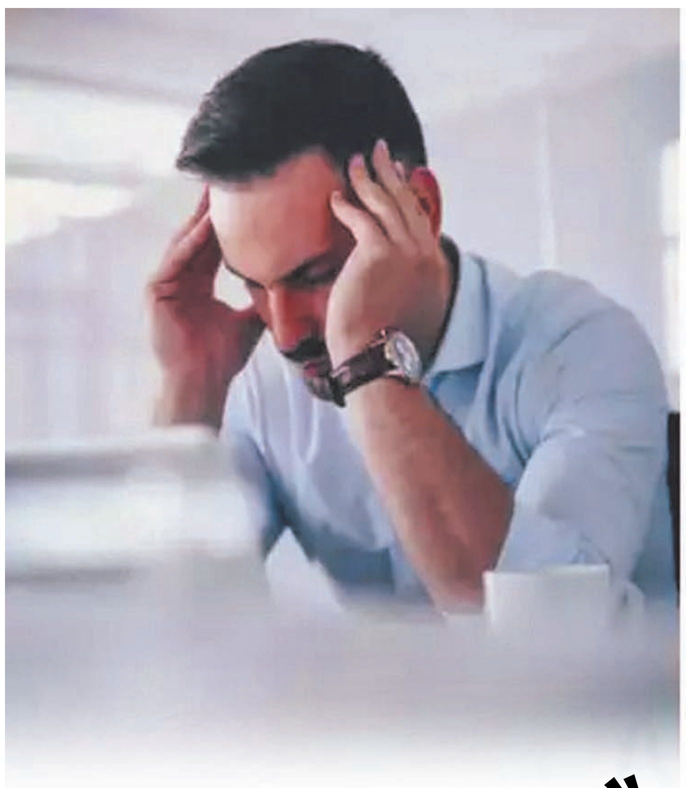

हर वक्त बना रहता है स्ट्रेस तो तनाव से बचने के लिए अपनाएं ये सरल उपाय

स्ट्रेस से राहत पाने के लिए पेंटिंग, हाइकिंग, योग, रीडिंग और जर्नलिंग जैसी गतिविधियां बेहद मददगार हैं। ये न केवल मन को शांत करती हैं, बल्कि शारीरिक और मानसिक सेहत को भी मजबूत बनाती हैं। नेचर के बीच समय बिताने, किताब पढ़ने या अपनी भावनाएं लिखने से स्ट्रेस कम होता है और आप रिलेक्स महसूस करते हैं।

स्ट्रेस आज के जीवन का आम हिस्सा बन गई है। हर कोई स्ट्रेस, तनाव और चिंता से घिरा हुआ है। कई बार हम छोटी छोटी बातों के कारण काफी स्ट्रेस ले लेते हैं। हालांकि स्ट्रेस से आपके शरीर में भी काफी नुकसान हो सकता है। डॉ. के मुताबिक आप को कम से कम स्ट्रेस लेने की कोशिश करनी चाहिए। आप कुछ ऐसी गतिविधियों में खुद को शामिल कर सकते हैं जो स्ट्रेस को कम करने में आपकी मदद करें और आपको एनर्जी से भरें। आज हम आप को कुछ ऐसी ही गतिविधियों के बारे में बताने वाले हैं जो आपकी स्ट्रेस को कम करने में, आपके मूड को अच्छा बनाने में और आपको रिलेक्स करने में काफी मदद करेंगी। आप अपनी किसी भी हॉबी को उस समय कर सकते हैं जब आप को स्ट्रेस महसूस होती है। इससे आप थोड़े व्यस्त रहते हैं और चिंता कम करते हैं। आइए जान लेते हैं स्ट्रेस को कम करने वाली एक्टिविटीज के बारे में।

हाइकिंग

अगर आप को थोड़ा प्रकृति के बीच रहना पसंद है तो हाइकिंग करना आपके लिए एक काफी अच्छी गतिविधि हो सकती है। इससे आप का दिल काफी प्रसन्न होगा क्योंकि इसमें आप को खूबसूरत नजारे तो दिखेंगे ही साथ में आप को काफी एडवेंचर भी महसूस होगा। ताजा हवा और सन लाइट के बीच रहने से आप का दिमाग बहुत रिलेक्स होता है और आपका स्ट्रेस लेवल काफी कम हो सकता है। ऐसा करने से मूड को अच्छे करने वाले हार्मोन रिलीज होते हैं ताकि आप खुश रह सकें।

योग

योग करने से भी आप की स्ट्रेस दूर होती है और एक स्थिर मस्तिष्क आपको मिलता है। इसमें आप शारीरिक और मानसिक रूप से लगे हुए होते हैं और स्ट्रेस दूर करने की यह एक समग्र तकनीक है। जब भी आप को स्ट्रेस महसूस होती है तो थोड़ी देर योग कर लेना चाहिए। इससे आपकी मसल्स टेंशन दूर होती है। इसमें आप की सांस लेने की तकनीक पर भी फोकस किया जाता है जो आपके नर्वस सिस्टम के लिए लाभदायक होता है।

रीडिंग

कोई अच्छी किताब पढ़ना आप के दिमाग को काफी रिलेक्स कर सकता है इसलिए आप खाली समय में रीडिंग भी कर सकते हैं। अगर आप कोई फिक्शन की किताब पढ़ रहे हैं तो आप एक अलग ही दुनिया में खो जाते हैं जिससे आप को स्ट्रेस का अनुभव ही नहीं होता है। रीडिंग करने से आपकी सांस थोड़ी धीमी हो जाती हैं और हार्ट रेट भी कम हो जाता है। इससे आपका दिमाग भी अच्छे से काम करने लगता है।

जर्नलिंग

अगर आप अपने दिमाग में आने वाले विचारों और ख्यालों को एक किताब में लिख लेते हैं तो इससे आप को काफी शांत महसूस होता है। कई बार हम अपने जज्बातों को बाहर निकालना चाहते हैं लेकिन कोई हमारे पास नहीं होता इसलिए आप एक किताब में अपने सारे जज्बात लिख सकते हैं। ऐसा करने से आपको काफी स्ट्रेस फ्री महसूस होगा। अपनी सारी चिंताओं को आप एक किताब पर लिख कर उन्हें दूर कर सकते हैं।

पेंटिंग

पेंटिंग या ड्राइंग जैसी क्रिएटिव गतिविधि को करते समय आप का स्ट्रेस लेवल काफी कम होता है। इससे आप का दिमाग पूरी तरह से उस गतिविधि में लग जाता है और स्ट्रेस वाली बातें सोचने का आपको मौका ही नहीं मिल पाता है। इससे आप स्ट्रेस भरी दुनिया से एक प्रकार से अलग हो जाते हैं। ऐसा करने से आपके शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन की मात्रा कम होती है जोकि एक स्ट्रेस हार्मोन होता है। ड्राइंग या पेटिंग करने के बाद नतीजे देख कर आपका मन और ज्यादा रिलेक्स और खुश होता है।

बिना नुकसान जानें खा रहे मेयोनेज़, मोटापा से लेकर शुगर-कोलेस्ट्रॉल के हो सकते हैं शिकार

मसाले किसी भी भोजन के स्वाद को बेहतर बनाने का काम करते हैं। अमेरिका में लोग मेयोनीज का इस्तेमाल जमकर करते हैं, ये बिना जाने कि इसके क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं। आइए जानते हैं मेयोनीज खाने से सेहत पर क्या असर पड़ता है।

अमेरिका में सरसों, सोया सॉस, हॉट सॉस, केचप, मेयोनेज़ सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले मसालों में से एक है। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि मसालों के रूप में इस देश में सबसे ज्यादा मेयोनेज़ का सेवन किया जाता है। इसका सैंडविच, सलाद और दूसरे सॉस बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। मेयोनेज़ को मेनली अंडे की जर्दी यानी एग यॉक, तेल और सिरका या नींबू के रस से तैयार किया जाता है। आज के समय में मार्केट में वीगन और वेजिटेरियन मेयोनेज़ भी उपलब्ध हैं। लेकिन ट्रेडिशनल मेयोनेज़ हमेशा अंडे से ही बनाई जाती है। हालांकि मेयोनेज़ का अधिक सेवन सेहत को कई नुकसान पहुंचा सकता है। आज हम इस आर्टिकल में मेयोनीज के नुकसान के बारे में बात करने जा रहे हैं।

डायबिटीज

मेयोनीज का अधिक सेवन शरीर में शुगर लेवल को भी बढ़ा सकता है। अगर आप रोजाना ज्यादा मात्रा में मेयोनीज खाते हैं तो इससे डायबिटीज होने के चांसेस बढ़ सकते हैं। ज्यादातर मेयोनीज का सेवन जंक फूड का सेवन किया जाता है, ऐसे में यह कॉम्बिनेशन आपके लिए और भी घातक हो सकता है।

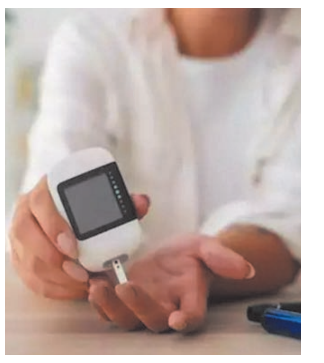

मोटापा

मेयोनेज़ के अधिक सेवन के चलते आप मोटापा का शिकार हो सकते हैं। दरअसल, इसे बनाने में करीब 70%–80% ऑयल का इस्तेमाल होता है। वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड की एक रिपोर्ट के मुताबिक,दुकान से खरीदी गई मेयोनेज़ के एक चम्मच (लगभग 13 ग्राम) में 90 कैलोरी होती है। इसके अलावा इसमें अतिरिक्त चीनी और नमक का इस्तेमाल किया जाता है, जिसके चलते अधिक कंज्यूम करने पर यह वेट गेन या मोटापा का कारण बन सकता है।

हार्ट डिजीज

इसमें अत्यधिक मात्रा में ओमेगा-6 फैटी एसिड होता है, ऐसे में डेली और ज्यादा मात्रा में मेयोनीज का सेवन हाई ब्लड प्रेशर की वजह बन सकता है। इसके अलावा मेयोनीज में सैचुरेटेड फैट होता है,जो कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक समेत दिल संबंधी अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

सिरदर्द और मतली

मार्केट में मिलने वाले मेयोनीज में प्रिजर्वेटिव और आर्टिफिशियल इंग्रेडिएंट्स यूज किए जाते हैं। इसमें मौजूद MSG सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। कई लोगों को अधिक मेयोनीज खाने से सिरदर्द,कमजोरी और मितली जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

100 की स्पीड से यूरिक एसिड बढ़ाती हैं 5 चीजें

यूरिक एसिड बढ़ने से गाउट और किडनी की पथरी का खतरा बढ़ सकता है, रोजाना खाई जाने वाली कुछ चीजें इस गंदे पदार्थ की मात्रा बढ़ाती हैं, डॉक्टर ने बताया कि आपको इससे कैसे बचना चाहिए।

यूरिक बढ़ना एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। यूरिक एसिड एक अपशिष्ट पदार्थ है, जो शरीर में प्यूरिन नामक तत्व के टूटने से बनता है। प्यूरिन प्राकृतिक रूप से शरीर में पाया जाता है और कुछ खाद्य पदार्थों में भी मौजूद होता है, जैसे मांस, मछली, दालें और शराब। जब प्यूरिन टूटता है, तो शरीर में यूरिक एसिड बनता है। सर्दियों में अधिकतर लोग मांस और शराब का खूब सेवन करते हैं और यही वजह है कि इन दिनों यह समस्या बहुत से लोगों में देखी जाती है। वैसे यूरिक एसिड किडनी के जरिए पेशाब के माध्यम से बाहर निक जाता है लेकिन जब ऐसा नहीं होता है, तो यह जोड़ों में इकट्ठा हो जाता है और छोटे क्रिस्टल का रूप लेकर वहां जमा हो जाता है। यूरिक एसिड बढ़ने के नुकसान क्या हैं? यूरिक एसिड बढ़ना खतरे की निशानी है क्योंकि यह गाउट यानी जोड़ों में दर्द और किडनी में पथरी का कारण बन सकता है। इसके अलावा पीड़ित को जोड़ों में गंभीर दर्द का सामना करना पड़ता है।

लाल मांस

डॉक्टर ने बताया कि लाल मांस यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकता है, जिससे गाउट, किडनी रोग और हाई ब्लड प्रेशर हो सकता है। लाल मांस में प्यूरीन की मात्रा अधिक होती है। बीफ, पोर्क और लैम्ब के कलेजी यानी लिवर और लाल मांस में विशेष रूप से प्यूरीन की मात्रा अधिक होती है। गाउट के लक्षणों से बचने और किडनी की पथरी के जोखिम को कम करने के लिए आपको लाल मांस का कम से कम सेवन करना चाहिए।

कुछ सब्जियां

डॉक्टर ने बताया कि रोजाना खाई जाने वाली कुछ सब्जियों जैसे मशरूम, मटर, फलियां, पालक, शलजम और ब्रोकोली आदि में प्यूरिन की मात्रा अधिक होती है जिस वजह से आपका यूरिक एसिड लेवल हाई हो सकता है। अगर आप पहले से इसका सामना कर रहे हैं, तो आपको इन सब्जियों से बचना चाहिए।

बियर और वाइन

गर्मी हो सर्दी हर मौसम में लोग बियर और वाइन का खूब सेवन करते हैं। डॉक्टर के अनुसार यह चीजें प्यूरिन का लेवल बढ़ाती हैं जिससे यूरिक एसिड बढ़ने के हाई चांस होते हैं। इन चीजों से सिर्फ यूरिक एसिड बढ़ने का नहीं बल्कि सेहत को कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं।

सॉफ्ट ड्रिंक

डॉक्टर ने बताया कि सॉफ्ट ड्रिंक और स्पोर्ट्स ड्रिंक पीने से यूरिक एसिड बढ़ने के ज्यादा चांस होते हैं क्योंकि इनके सेवन से प्यूरिन ज्यादा बढ़ता है और उससे यूरिक एसिड। इसके अलावा इन चीजों में शुगर की मात्रा अधिक होती है जिससे डायबिटीज सहित कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी होता है।

हाई फरुक्टोज कॉर्न सिरप

हाई फरुक्टोज कॉर्न सिरप गाउट और हाई यूरिक एसिड लेवल को बढ़ाने का काम करता है क्योंकि इसमें फरुक्टोज होता है, जिसे शरीर यूरिक एसिड बनाने के लिए तोड़ता है। जब शरीर फरुक्टोज को तोड़ता है, तो यह प्यूरीन जारी करता है, जो रासायनिक यौगिक हैं जो यूरिक एसिड का उत्पादन करते हैं।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर का प्रदर्शन

आज की जनधारा

पेट्रोल एवं डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों एवं बढ़ती महंगाई के विरोध में आज जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर द्वारा रोशनपुरा चौराहा, भोपाल पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर विरोध दर्ज कराया तथा पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को आम जनता पर आर्थिक बोझ बताते हुए केंद्र सरकार से तत्काल राहत देने की मांग की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री आदरणीय श्री पी.सी. शर्मा, पूर्व महापौर श्रीमती विभा पटेल, लोकसभा प्रत्याशी रहे श्री अरुण श्रीवास्तव, श्री अभिषेक शर्मा, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमित खत्री, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षगण दीपू तोमर, राहुल सिंह राठौड़, सुशील प्रजापति, तरुण गहलोत, अशोक मारण, सोनू तोमर, बृजेश साहू, अजमल मारण, फहीम बख्श, आमिर सिद्दीकी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उपस्थित नेताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम आदमी, किसान, मजदूर एवं मध्यम वर्ग का जीवन कठिन बना दिया है तथा केंद्र सरकार जनता को राहत देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

प्रवाह रुके न, स्वभाव बदले न यही सिखाती हे गंगा मैया - पंडित हर्षित बाजपेयी

आज की जनधारा

इटारसी। द्वारकाधीश मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस पर भागवत किंकर पंडित हर्षित बाजपेयी ने गंगा दशहरा के पावन अवसर पर गंगा मैया के चरित्र का सुंदर विवेचन किया। मंगलाचरण की व्याख्या के साथ कथा का शुभारंभ करते हुए उन्होंने शुकदेव जन्म, नारद जन्म एवं महाभारत के प्रसंगों को विस्तार से सुनाया। गंगा दशहरा पर गंगा मैया के महत्व को रेखांकित करते हुए पंडित बाजपेयी ने कहा, ₹गंगा का प्रवाह पहाड़ों, चट्टानों या किसी भी बाधा से रुकता नहीं है। वह सदैव बहती ही रहती है। गंगा जल का स्वभाव जीव को शीतलता प्रदान करना है, वह किसी भी स्थिति में अपना स्वभाव नहीं बदलती। उन्होंने समाज को संदेश देते हुए कहा कि जीवन में आने वाली विपरीत परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना प्रवाह नहीं रोकना चाहिए और न ही अपना श्रेष्ठ स्वभाव त्यागना चाहिए। महाराज जी ने बताया कि भगवान राधा-कृष्ण का द्रवीभूत, विगलित स्वरूप ही गंगा जल के रूप में प्रवाहित हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष में एक बार भी गंगा स्नान करने से पूरे वर्ष उसका पुण्य प्रभाव बना रहता है। कथा के प्रारंभ में व्यास पीठ का पूजन विष्णु-अनिता चौरसिया, ध्रुव-अनिता चौरसिया एवं विराट (लव), दीपक चौरसिया द्वारा संपन्न किया गया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रीवा आर्यिका संघ सड़क दुर्घटना के विरोध में सकल जैन समाज का मौन जुलूस, भवानी चौक सोमवारा पर सभा भोपाल

आज की जनधारा

रीवा मे आर्यिका संघ के साथ हुई सड़क दुर्घटना को लेकर सकल जैन समाजमें गहरा रोष हे, आज प्रदेश सहित देश में जैन समाज आंदोलन रत रही, इसके विरोध में भोपाल में सकल जैन समाज द्वारा विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर मौन जुलूस निकाला गया, चौक धर्मशाला में मुनि संभव सागर महाराज ने आशीष वचन में कहा संत केवल समाज के नहीं अपितु भारत की अमूल्य संपदा हे, देश में संत सुरक्षा प्रोटोकॉल तुरंत लागू होना चाहिए, तत्पश्चात मौन जुलूस जैन समाज ने निकाला जो चौक मंदिर से सुभाष चौक सराफा लखेरापूरा होते हुए भवानी चौक सोमवारा पर आया यहां प्रशासन के कहने पर समाज जन सोमवारा पर रुक गए, ओर विरोध सभा में समाज के लोगो ने कहा आर्यिका उपशम मति माताजी आर्यिका श्रुत मति माताजी की रीवा में हुई सड़क दुर्घटना गहरी साजिश हे, ये दुर्घटना नहीं हत्या हे, देश के विभिन्न शहरों में आए दिन हो रही सड़क दुर्घटना में पैदल पद विहार कर रहे संतों को नुकसान हो रहा है, विरोध सभा में महिलाएं हाथों में तख्तियां लिए थी जिस पर लिखा था, तपस्वियों की रक्षा मानवता संयम और भारतीय संस्कृति की रक्षा हे,, निहत्थे संतो पर प्रहार मानवता पर प्रहार हे, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया समाज द्वारा राष्ट्र पति प्रधान मंत्री प्रदेश मुख्य मंत्री के नाम ज्ञापन ए डी एम अधिकारी को दिया गया।

30 मई तक पूर्ण होगा मकान सूचीकरण कार्य

जनगणना 2027 : मध्यप्रदेश में 2 करोड़ 39 लाख से अधिक मकानों की गणना पूर्ण, फील्ड कार्य अंतिम चरण में

डिजिटल जनगणना अभियान को प्रदेशवासियों का व्यापक सहयोग

आज की जनधारा

मध्यप्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य तेज गति से अंतिम चरण की ओर अग्रसर है। प्रदेश में 01 मई से प्रारंभ हुआ यह फील्ड कार्य 30 मई 2026 तक संचालित किया जा रहा है। राज्य के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान, परिवार एवं अन्य संरचनाओं से संबंधित जानकारी डिजिटल माध्यम से संकलित की जा रही है। सचिव गृह एवं नोडल अधिकारी जनगणना कार्य श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में जनगणना कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुसार निरंतर प्रगति पर है। राज्य में 1 लाख 37 हजार से अधिक मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। दिनांक 25 मई 2026 तक प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 लाख 34 हजार 309 मकान सूचीकरण ब्लॉक में कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा 2 करोड़ 39 लाख 9 हजार 808 मकानों की गणना की जा चुकी है। शेष कार्य भी निर्धारित समयावधि में पूर्ण किए जाने के लिये सतत प्रयास किए जा रहे हैं तथा 30 मई 2026 तक पूरे प्रदेश में

मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके पूर्व 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक प्रदेश में स्व-गणना प्रक्रिया संचालित की गई थी, जिसमें 7 लाख 46 हजार 158 परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज की। नागरिकों की इस सक्रिय भागीदारी से जनगणना अभियान को गति एवं व्यापक सहयोग प्राप्त हुआ। इस बार जनगणना प्रक्रिया पूर्णतः डिजिटल माध्यम से संचालित की जा रही है। प्रगणकों द्वारा एचएलओ ऐप के माध्यम से जानकारी दर्ज की जा रही है तथा कार्य की निगरानी भी डिजिटल प्रणाली से की जा रही है, जिससे कार्य की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं गति सुनिश्चित हो रही है। आधुनिक तकनीक के उपयोग से जनगणना कार्य अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से संपादित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में जनगणना 2027 को सफल बनाने के लिये जिला प्रशासन, जनगणना अधिकारियों, प्रगणकों एवं आमजन द्वारा सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेशवासियों से अपील की गई है कि वे प्रगणकों को आवश्यक एवं सही जानकारी उपलब्ध कराकर जनगणना कार्य में सहयोग प्रदान करें। जनगणना से प्राप्त आँकड़े शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों एवं विकास कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण आधार के रूप में उपयोग किए जाते हैं।

मंगल कलश यात्रा के साथ शुरू होगा श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ

आज की जनधारा

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर साहू समाज माँ कर्मा देवी मार्ग भोपाल में 26 मई से होने बाले श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ हेतू मंगल कलश यात्रा 26 मई मंगलवार को शाम 5 बजे मंदिर कमाली से प्रारंभ होकर घोडानिक्कास,गुड़ बाजार,आजाद मार्केट,मंगलवारा, होते हुए लक्ष्मी नारायण मंदिर साहू समाज पर समापन होगी। पंण्डित श्री ओम प्रकाश गंगेले जी के सानिध्य में बनारस के पंडित श्री सतानंद जी द्वारा महायज्ञ विधि विधान से सम्पन्न कराया जाएगा। उक्त जानकारी संस्था के अध्यक्ष विजय साहू जी एवं महामंत्री राजकुमार साहू (राजू)ने बताया पांच दिवसीय महायज्ञ मंदिर के मुख्य द्वार के 111 बर्ष एवं मंदिर में कुँए के निर्माण 101 वर्ष पूर्ण होने पर शताव्दी वर्ष के अवसर पर कराया जा रहा हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे। संयोजकः सलाहकार, दीनदयाल जी साहू झूमरबाला अध्यक्ष सलाहकारः -घनश्याम साहू (जीजा) सचिव सलाहकारः श्री हिम्मत साहू जी संयोजक - सुरेन्द्र साहू 'सराय', अध्यक्ष- विजय साहू, उपाध्यक्ष श्री महेश साहू महामंत्री- राजकुमार साहू(राजू.) उत्सव मंत्री - पिन्टू साहू,ओम प्रकाश जी साहू, जगदीश साहू (गब्बर)नरेश साहू मुकेश साहू (मिर्ची)राजेश साहू (जिंसी) रमेश साहू (मामा जूस)विनोद साहू संस्कार, सुनील साहू मनीष साहू संजय साहू बालाजी राजेश जी झूमरबाला, कमलेश साहू (वर्षा)प्रीतम साहू एड. संजय साहू जगदीश साहू जे .पी., रमेश साहू लक्ष्मीचंद जी, मदन लाल शिवकुमार, राजीव साहू भगवान दास साहू एवं समस्त पदाधिकारी गण, सलाहकार मंडल एवं कार्यकारिणी सदस्य बंधुगण, नवयुवक मंडल, महिला मंडल साहू समाज भोपाल।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में मेधावी छात्रा खुशी राय सहित समाजसेवियों का हुआ सम्मान

आज की जनधारा

भोपाल। अखिल भारत वर्षीय हैहय कलचुरी महासभा मध्य प्रदेश की वार्षिक आमसभा की बैठक एलटी हॉल, जे.के. हॉस्पिटल, एलएसीटी विश्वविद्यालय,में आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, महासचिव एवं समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. अनुपम चौकसे, राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट एम.एल. राय, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एलएन मालवीय, राष्ट्रीय सचिव कार्यालय हरिराम राय, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौकसे, प्रदेश महिला अध्यक्ष कमलेश राय एवं प्रदेश महासचिव वीरेंद्र पप्पू राय विशेष रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि के रूप में महापौर मालती राय, भारतीय जनता पार्टी की गुंजन चौकसे एवं अश्वनी राय, जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं

पदाधिकारीगण का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। वही समाज की प्रतिभाशाली बेटी कु. खुशी राय ने 12वीं परीक्षा में मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर समाज एवं प्रदेश का गौरव बढ़ाया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर एलएनसीटी ग्रुप के सचिव एवं महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. अनुपम चौकसे ने उन्हें 21,000 (इक्कीस हजार रुपए) की सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। महापौर मालती राय ने अपने उद्बोधन में कहा कि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारायण चौकसे के संकल्पों को पूरा करने हेतु हम सभी निरंतर प्रयासरत रहेंगे तथा समाज के प्रत्येक कमजोर वर्ग की हरसंभव सहायता करेंगे।

सिंधी भाषा अध्यापन शिविर का समापन, बच्चों को मिले प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार

आज की जनधारा

इटारसी। सिंधी साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश द्वारा पूज्य पंचायत सिंधी समाज एवं भारतीय सिंधु सभा शाखा इटारसी के सहयोग से आयोजित 11 दिवसीय सिंधी भाषा (देवनागरी लिपि) अध्यापन शिविर का समापन रविवार, 24 मई को सिंधु भवन, सिंधी कॉलोनी में हर्षोल्लास के साथ हुआ। शिविर का शुभारंभ 14 मई को हुआ था। प्रतिदिन शाम 5:30 से 7:00 बजे तक चले इस शिविर में बच्चों को सिंधी साहित्य, तीज-त्यौहार, शरीर के अंगों के नाम, खान-पान, वेशभूषा, फल-सब्जियों, दिनों एवं महीनों की जानकारी पुस्तकों के माध्यम से दी गई। भारतीय सिंधु सभा अध्यक्ष गोपाल सिद्धवानी ने बताया कि शिविर 11 दिन तक सफलतापूर्वक चला। समापन दिवस पर शाम 6:00 बजे पूज्य पंचायत अध्यक्ष कैलाश नवलानी ने ज्योत प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर पूज्य पंचायत उपाध्यक्ष अनिल

मिहानी, सचिव मनीष वसानी, कोषाध्यक्ष सोनू परियानी, संरक्षक मोहन मोरवानी, अशोक लालवानी, सह सचिव नंद चेलानी, भारतीय सिंधु सभा अध्यक्ष गोपाल सिद्धवानी, महिला शाखा अध्यक्ष पूनम चेलानी, संगीता चेलानी, सिमरन चेलानी, अनिशा सिंगवानी, युवा शाखा अध्यक्ष मुकेश खुरानी, महामंत्री गौरव फूलवानी सहित बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। समापन कार्यक्रम में बच्चों ने शिविर के दौरान सीखे गए पाठों पर आधारित प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें देखकर अभिभावक गदगद हो गए। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका स्वाती मेघानी ने किया। अकादमी द्वारा सभी बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित बच्चों एवं अभिभावकों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। शिविर के कुशल संचालन के लिए पूज्य पंचायत सिंधी समाज एवं भारतीय सिंधु सभा शाखा इटारसी द्वारा अध्यापिका स्वाती मेघानी को सम्मानित किया गया।

भोपाल में ऑल बैंक ऑफ इंडिया एससी/एसटी/ओबीसी एम्प्लाइज एसोसिएशन की त्रिवार्षिक एवं राज्य स्तरीय आम सभा सम्पन्न

आज की जनधारा

ऑल बैंक ऑफ इंडिया एससी/एसटी/ओबीसी एम्प्लाइज एसोसिएशन, भोपाल आंचलिक यूनिट की त्रिवार्षिक आम सभा तथा दिनांक 24/05/2026 को मध्य प्रदेश राज्य इकाई की आम सभा का आयोजन होटल शुभ शालीन स्प्रिंग्स, पटेल नगर, रायसेन रोड, भोपाल में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उक्त आम सभा में भोपाल आंचलिक यूनिट हेतु अध्यक्ष पद पर श्री सोनू टैगोर, सचिव पद पर श्री जितेंद्र कुमार महावर एवं कोषाध्यक्ष पद पर श्री दीपक बनसोड को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। साथ ही मध्य प्रदेश राज्य इकाई की आम सभा में प्रांतीय अध्यक्ष पद हेतु श्री आर.एस. ठाकुर, महासचिव पद हेतु श्री डी.आर. मीणा एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु श्री रवि कुमार को निर्विरोध चुना गया।

ऑपरेशन 'विशेष मुस्कान' में जीआरपी इटारसी को बड़ी सफलता, 9 माह से लापता बालिका दस्तयाब

आज की जनधारा

इटारसी। पुलिस मुख्यालय द्वारा नाबालिग बच्चों की तलाश के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन 'विशेष मुस्कान' अभियान के तहत जीआरपी इटारसी को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने 9 माह से लापता 14 वर्षीय बालिका को उत्तर प्रदेश से सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल अंकित जायसवाल के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतू सिंह डावर व उप पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह कुल्हारा के निर्देशन में थाना प्रभारी संजय चौकसे के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। घटना का विवरण दिनांक 12 अगस्त 2025 को डिंडोरी निवासी एक व्यक्ति ने जीआरपी थाना इटारसी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह 8 अगस्त 2025 को गोवा एक्सप्रेस ट्रेन से अपनी 14 वर्षीय बेटी के साथ गोवा से जबलपुर जा रहा था। इटारसी स्टेशन आने से कुछ मिनट पहले बेटी बाथरूम गई और वापस नहीं लौटी। स्टेशन पर उतरकर काफी तलाश की गई, लेकिन बालिका का पता नहीं चला। नाते-रिश्तेदारों से भी संपर्क किया गया, पर कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया। पुलिस की कार्रवाई मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने थाना प्रभारी संजय चौकसे के नेतृत्व में टीम गठित की। टीम में सहायक उप निरीक्षक अनीता दास, आरक्षक सुमित यादव, बबलू कुमार और दीपक सेन को शामिल किया गया। टीम ने साइबर सेल की मदद से तकनीकी जांच शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद साइबर सेल से मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस टीम को बालिका का सुराग मिला। दिनांक 24 मई

2026 को टीम ने बालिका को उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद थाना क्षेत्र स्थित ग्राम दौलतपुर खरका में उसकी कज़िन बहन के घर से दस्तयाब किया। आज 25 मई 2026 को बालिका को विधिवत उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। टीम को मिलेगा पुरस्कार इस सफलता में थाना प्रभारी संजय चौकसे, स.उ.नि. अनीता दास, आरक्षक सुमित यादव, बबलू कुमार, दीपक सेन, महिला आरक्षक स्वाति, प्रियंका बौरासी और साइबर सेल भोपाल के आरक्षक संतोष पटेल की अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने पूरी टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

तिरछी नज़र से

रियल एस्टेट: सपने बेचने का धंधा

प्रभात दत्त झा

जहाँ Flat Ready है – बस थोड़ा और इंतज़ार चाहिए, जैसे पिछले सात साल से है

दुनिया में तीन महान कल्पनाशील प्राणी हैं। पहले – कवि, जो चाँद-तारों में प्रेमिका देखते हैं। दूसरे – नेता, जो पाँच साल में सब ठीक करने का वादा करते हैं। तीसरे – रियल एस्टेट बिल्डर, जो जंगल में खड़े होकर कहते हैं: 'यह रहा आपका प्राइम लोकेशन।'

'Brochure देखकर फ्लैट बुक मत करिए' – यह हिंदी का सबसे उपयोगी वाक्य है जो आज तक किसी पाठ्यपुस्तक में नहीं आया। Brochure में जो तस्वीर होती है – हरे-भरे पेड़, स्विमिंग पूल, क्लब हाउस, बच्चों का पार्क – वह सब उस बिल्डर के बेटे की शादी में भी नहीं दिखती जो वह Brochure छापता है।

बिल्डर ने कहा: पजेशन (Possession) छह महीने में। ग्राहक ने पूछा: कौन से छह महीने? Builder बोला: आने वाले। ग्राहक ने पूछा: यही तो आप 2019 से कह रहे हैं। Builder बोला: और हम झूठ नहीं बोले – छह महीने आने वाले ही हैं, बस अभी तक आए नहीं।

RERA आया। बिल्डरों पर लगाम लगाने के लिए। बिल्डरों ने RERA पढ़ा। कुछ ने RERA का पंजीकरण कराया – बड़ी खुशी से। फिर जब डेडलाईन निकली तो RERA को ही Petition दी: कोविड था, बारिश थी, सीमेंट महँगा था, मज़दूर नहीं मिले। RERA ने Extension दिया। ग्राहक घर में बैठकर किराया भरता रहा। RERA ने सोचा: हमने तो काम किया। ग्राहक ने सोचा: कौन से RERA की बात हो रही है?

एमेनिटीज (Amenities) की बात करें। ब्रोशर में लिखा था: जिम मिला – एक कमरे में दो ट्रेडमिल (Treadmill) जिनमें से एक चलती है। ब्रोशर में था: स्वीमिंग पूल (Swimming Pool)। मिला – एक छोटा-सा हौज़ जिसमें अगर पाँच लोग एक साथ उतरें तो पानी बाहर आ जाए। Brochure में था: 24×7 Security। मिला – एक बुज़ुर्ग Guard जो रात को सोते हैं – जो खुद की सिक्योरिटी के लिए ज़रूरी है।

सबसे मनोरंजक प्राणी होता है –प्रॉपर्टी कंसल्टेंट (Property Consultant)। वह कहता है: यह Property अभी लो, कल दाम बढ़ जाएँगे। दाम वाकई बढ़ते हैं – लेकिन Possession नहीं आती। तब वह कहता है: देखो, इनवेस्टमेंट (Investment) अच्छी रही! आप सोचते हैं: जिसमें रह नहीं सकते, उसकी कीमत बढ़ने से क्या फायदा? वह कहता है: बेच दो। आप पूछते हैं: किसे? वह कहता है: किसी और को जो अभी जहाँ आप थे, वहाँ है।

भारतीय मध्यवर्ग का सबसे बड़ा सपना है: अपना घर। बिल्डर जानता है। इसीलिए वह सपने बेचता है – पहले ज़मीन पर, फिर नक्शे पर, फिर Brochure पर। घर बनाना तो बाद की बात है।

रियल एस्टेट वह उद्योग है जहाँ ग्राहक पैसे देता है, सपने खरीदता है और Possession की तारीख का इंतज़ार करते हुए बूढ़ा हो जाता है।

हँसिए – क्योंकि रोने से EMI नहीं घटती, Smart City नहीं बनती, और Flat का Possession नहीं आता।

देवेंद्रनगर, बिलासपुर (छ.ग.)

1.8 लाख स्टार्टअप, 120 यूनिकॉर्न – पर नींव कितनी मज़बूत?

सपनों की इमारत और ज़मीन की दरारें – एक जरूरी पड़ताल

– प्रभात दत्त झा

एक दृश्य कल्पना करें। बेंगलुरु का कोई चमकदार को-वर्किंग स्पेस – काँच की दीवारें, बीन-बैग, फ्री कॉफ़ी, दीवार पर लिखा है: 'Disrupt or Die.' भीतर एक उत्साही युवा लैपटॉप पर झुका हुआ है – उसकी आँखों में ऑक्टोबर में लॉन्च, दिसंबर में फंडिंग और अगले साल यूनिकॉर्न का सपना है। अब उसी दृश्य को ज़ूम आउट कीजिए। उसी बेंगलुरु में, कुछ किलोमीटर दूर, एक और युवा है जिसके स्टार्टअप की फंडिंग तीन महीने पहले बंद हो गई, निवेशक मुँह फेर चुके हैं और वह अब फिर से नौकरी ढूँढ रहा है। यही भारतीय स्टार्टअप जगत की दो असली तस्वीरें हैं – और दोनों सच हैं।

आँकड़े जो गर्व कराते हैं

भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र है। डिपार्टमेंट फ़ॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (DPIIT) के पास पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या 1.8 लाख के पार जा चुकी है। 120 से अधिक यूनिकॉर्न – यानी एक अरब डॉलर से अधिक के मूल्यांकन वाली कंपनियाँ। 2016 में जब स्टार्टअप इंडिया अभियान की शुरुआत हुई थी, तब ये संख्या महज़ चार सौ के आसपास थी। यह छलाँग किसी उत्सव से कम नहीं।

डेटा बॉक्स

पंजीकृत स्टार्टअप (2026) - 1.80 लाख से अधिक
यूनिकॉर्न की संख्या - 120+
स्टार्टअप इंडिया लॉन्च वर्ष - 2016
वैश्विक रैंकिंग – तीसरा स्थान
2021-22 में फंडिंग शिखर - 25 बिलियन
2023 में फंडिंग - 25 बिलियन 2023 में फंडिंग - 7 बिलियन (गिरावट दर्ज, शिखर से लगभग 72% कम)
सफलता दर (5 वर्ष बाद) - 10% से कम

वह सवाल जो कोई नहीं पूछना चाहता

पहली बात: इन 1.8 लाख स्टार्टअप में से 90% से अधिक पाँच साल के भीतर बंद हो जाते हैं। वैश्विक औसत भी यही है – लेकिन जब इन स्टार्टअप में युवाओं की बचत लगी हो, परिवार की उम्मीदें जुड़ी हों और बैंक से लिए कर्ज़ का बोझ हो, तो यह महज़ एक आँकड़ा नहीं रहता।

दूसरी बात: भारत की फंडिंग 2021-22 के शिखर 25 बिलियन से गिरकर 2023 में 25 बिलियन से गिरकर 2023 में 7 बिलियन रह गई। EdTech की दुनिया को देखें – बायजू, जो एक समय दुनिया का सबसे मूल्यवान EdTech यूनिकॉर्न था (मूल्यांकन 22 बिलियन), 2024-25 में ऐसे संकट में फँसा कि उसकी दास्तान हर बिज़नेस स्कूल में केस स्टडी बन गई। लगभग 4,000 से अधिक कर्मचारियों की नौकरी गई, अभिभावकों की फ़ीस पर मुकदमे हुए, और कंपनी का मूल्यांकन 95% से अधिक गिर गया। एक विशाल ब्रांड – सब कुछ एक झटके में।

तीसरी बात: भारतीय स्टार्टअप जगत का भूगोल अत्यंत असंतुलित है। बेंगलुरु, दिल्ली-NCR, मुंबई, हैदराबाद और पुणे – यही पाँच शहर 80% से अधिक फंडिंग और लगभग सभी यूनिकॉर्न के जन्मदाता हैं।

नींव की असली परीक्षा

पहला खंभा: प्रतिभा। IIT, IIM और NIT से निकले युवाओं ने स्टार्टअप को ग्लैमर दिया। लेकिन उद्यमिता शिक्षा अभी भी महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में हाशिए पर है।

दूसरा खंभा: फंडिंग। भारत में Venture Capital का पैसा अभी भी सुरक्षित दाँव पर लगता है। Deep Tech, Manufacturing, AgriTech जैसे क्षेत्रों में फंडिंग की भारी कमी है।

तीसरा खंभा: बाजार और ग्राहक। असली भारत – उसके 65 करोड़ ग्रामीण नागरिक – अभी भी इस स्टार्टअप क्रांति के लाभार्थी कम, दर्शक अधिक हैं।

छत्तीसगढ़ का कोण – और देश की ज़रूरत

अच्छी खबर यह है कि कुछ उदाहरण उम्मीद जगाते हैं – और रास्ता दिखाते हैं। छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित स्टार्टअप 'किसान साथी' ने स्थानीय सब्जी उत्पादकों को डिजिटल मंच से जोड़ा और अब 5,000 से अधिक किसान इससे जुड़े हैं। बिलासपुर के 'कोसा सिल्क टेक' ने पारंपरिक कोसा रेशम को ऑनलाइन ब्रांडिंग देकर दिल्ली-मुंबई बाज़ार में पहचान बनाई है। सरकारी योजनाओं में मध्य प्रदेश का 'स्टार्टअप इंदौर' मॉडल और छत्तीसगढ़ की 'इन्क्यूबेशन सेंटर स्कीम' (2024) कुछ प्रयास हैं।

जश्न भी, जाँच भी

120 यूनिकॉर्न निश्चित रूप से उत्सव के विषय हैं। लेकिन एक परिपक्व राष्ट्र अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए अपनी कमज़ोरियों को भी ईमानदारी से देखता है। इज़रायल – एक छोटा-सा देश – स्टार्टअप नेशन इसलिए नहीं बना कि उसके पास अधिक यूनिकॉर्न थे, बल्कि इसलिए बना कि उसकी पूरी शिक्षा और संस्कृति में जोखिम लेने, असफल होने और फिर उठने का स्वभाव था।

भारत ने क्या कदम उठाए हैं — और क्या उठाने चाहिए? नेशनल स्टार्टअप एडवाइजरी काउंसिल, स्टार्टअप फंड ऑफ फंड्स (10,000 करोड़ रूपए), और सरकारी खरीद में स्टार्टअप को छूट। लेकिन इज़रायल के 'योज़मा' कार्यक्रम की तरह वैसी संस्थागत मानसिकता भारत में अभी नदारद है। हमें चाहिए: हर विश्वविद्यालय में अनिवार्य 'उद्यमिता प्रयोगशाला', बैंकों के साथ 'असफल ऋण माफी योजना', और एक राष्ट्रीय 'दूसरा मौका कोष'।

1.8 लाख स्टार्टअप एक संख्या है। लेकिन उनके पीछे 1.8 लाख सपने हैं, लाखों परिवारों की आशाएँ हैं, और एक देश की उद्यमशीलता की भूख है।

'सबसे मज़बूत इमारत वह होती है जिसकी नींव सबसे गहरी हो – सबसे ऊँची नहीं।'

कार लोन लेने से पहले यह तीन अंक समझ लीजिए: 20–4–10

एक गलत लोन आपकी ड्रीम कार को बोझ में बदल सकता है। एक अनुभवी बैंकर की नज़र से समझिए – कब, कितना और कैसे लें।

गीतांजलि शर्मा

20% 4 10%
डाउन पेमेंट, साल की अवधि, मासिक आय सीमा

मुझसे अक्सर लोग पूछते हैं — 'सर, कौन सी कार लूँ?' मैं हमेशा पलटकर पूछता हूँ – 'पहले बताइए, आपकी मासिक आय कितनी है?' क्योंकि सच यह है कि कार का चुनाव शोरूम में नहीं, आपकी बैंक स्टेटमेंट में होना चाहिए। बरसों की बैंकिंग में मैंने देखा है कि लोग कार की EMI तो संभाल लेते हैं, पर टायर बदलवाने के पैसे नहीं होते। यहीं से शुरू होती है असली परेशानी।

1 – 20% डाउन पेमेंट: ईएमआई का असली दुश्मन कम डाउन पेमेंट है

मान लीजिए आपने 10 लाख रूपए की कार खरीदी और केवल 50,000 रूपए डाउन पेमेंट दी। अब 9.50 लाख रूपए का लोन 7 साल के लिए 9% ब्याज पर लिया। आप हर महीने 15,200 रूपए देंगे और कुल ब्याज चुकाएंगे 3.81 लाख रूपए – यानी कार की असली कीमत हो गई 13.81 लाख रूपए।

अब वही कार, 20% यानी 2 लाख रूपए डाउन पेमेंट के साथ। लोन होगा 8 लाख रूपए, EMI घटकर आएगी 12,800 रूपए और कुल ब्याज होगा केवल 55,760 रूपए। सिर्फ़ 1.50 लाख रूपए ज़्यादा डाउन पेमेंट देने से आपने 74,000 रूपए से अधिक ब्याज बचाए। यही तर्क है 20% के पीछे।

उदाहरण - 10 लाख रूपए की कार, 9% ब्याज, 4 साल

कार की कीमत (ऑन-रोड)	**10,00,000 रूपए**
20% डाउन पेमेंट	**2,00,000 रूपए**
लोन राशि	**8,00,000 रूपए**
मासिक EMI (4 वर्ष)	**19,920 रूपए**
कुल ब्याज भुगतान	**55,760 रूपए**
कार की वास्तविक लागत	**10,55,760 रूपए**

2 - 4 साल की अवधि: लंबी अवधि सस्ती नहीं, महंगी होती है

बैंक आपको 7 साल तक का कार लोन देने को तैयार हैं – और यही उनका फ़ायदा है, आपका नुकसान। 8 लाख रूपए का लोन अगर 7 साल के लिए लें तो EMI घटकर 12,850 रूपए आएगी, जो सुनने में राहत देती है। पर 7 साल में कुल ब्याज होगा 2.79 लाख रूपए – जबकि 4 साल में ब्याज होगा केवल 55,760 रूपए। सिर्फ़ अवधि बढ़ाने से आपने अतिरिक्त 2.23 लाख रूपए ब्याज चुकाए।

इसके अलावा एक और जोखिम है — कार की बाज़ार कीमत। 4 साल बाद कार की रिसेल वैल्यू लगभग 40-50% रह जाती है, पर आपका लोन अभी भी बड़ा होगा। इसे वित्तीय भाषा में 'negative equity' कहते हैं – यानी कार की कीमत से ज़्यादा लोन बाकी है।

लोन की अवधि बढ़ाना EMI कम करता है, पर आपकी जेब से निकलने वाला कुल पैसा बढ़ा देता है।

3 – 10% आय सीमा: सिर्फ़ EMI नहीं, पूरा कार-खर्च जोड़े

यह नियम का सबसे अनदेखा हिस्सा है। लोग केवल EMI देखते हैं, बाकी खर्च भूल जाते हैं। अगर आपकी मासिक आय 60,000 रूपए है, तो कार पर कुल खर्च 6,000 रूपए से अधिक नहीं होना चाहिए।

मासिक कार खर्च का पूरा हिसाब

EMI	**4,200 रूपए**
ईंधन (पेट्रोल/डीजल)	**1,500 रूपए**
बीमा (मासिक औसत)	**700 रूपए**
रखरखाव / सर्विस	**400 रूपए**
कुल मासिक खर्च	**6,800 रूपए**

ध्यान दें

6,800 रूपए अगर आपकी आय का 10% से अधिक है, तो या तो आय कम है, या कार बड़ी है। यह संकेत है कि लोन की शर्तें या कार की पसंद – दोनों में से कुछ बदलना होगा।

4 – वार्षिक आय की 50% से अधिक कीमत की कार मत लीजिए

यह नियम का वह हिस्सा है जो लोग सबसे पहले तोड़ते हैं। 6 लाख रूपए सालाना कमाने वाला व्यक्ति 8 लाख रूपए की कार नहीं लेनी चाहिए। इससे ऊपर जाते ही पूरा 20-4-10 फ़ॉर्मूला टूट जाता है – या तो EMI असहनीय होगी, या अवधि खिंचेगी, या मासिक बजट चरमराएगा।

आय के अनुसार अधिकतम कार बजट

वार्षिक आय 5 लाख रूपए	**कार = 2.5 लाख रूपए**
वार्षिक आय 10 लाख रूपए	**कार = 5 लाख रूपए**
वार्षिक आय 20 लाख रूपए	**कार = 10 लाख रूपए**
वार्षिक आय 30 लाख रूपए	**कार = 15 लाख रूपए**

5 - जब बजट कम पड़े तो ये चार रास्ते अपनाइए

निचला वेरिएंट चुनें
पसंदीदा कार का बेस या मिड वेरिएंट लें। फ़ीचर थोड़े कम होंगे, जेब पर बोझ बहुत कम।

डाउन पेमेंट बढ़ाएं
6 महीने और रुककर बचत करें। 1 लाख रूपए अधिक डाउन पेमेंट से ब्याज में 50,000 रूपए + बचते हैं।

क्रेडिट स्कोर सुधारें
750+ स्कोर पर बैंक 0.5-1% कम ब्याज देते हैं - 8 लाख रूपए लोन पर यह 30,000 रूपए की बचत है।

NBFC से तुलना करें
बैंक के साथ NBFC की दरें भी जाँचें। 0.25-0.5% का फ़र्क भी हज़ारों रुपये बचाता है।

20-4-10 नियम कोई कठोर बेड़ी नहीं है – यह एक दर्पण है जो आपको आपकी असली वित्तीय स्थिति दिखाता है। अगर इस फ़ॉर्मूले में कार फ़िट नहीं होती, तो समझिए कि कार बड़ी है या समय अभी नहीं आया। गाड़ी बाद में भी मिलेगी – पर एक बार कर्ज़ के जाल में फँसे, तो निकलना मुश्किल होता है।

आलेख: गीतांजलि शर्मा, बिल्हा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ क यहाँ दिए गए आंकड़े औसत बाज़ार दरों पर आधारित हैं और केवल मार्गदर्शन हेतु हैं। निवेश या लोन से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से परामर्श अवश्य लें।

एक युवा बैंकर के उपयोगी टिप्स

चेक बाउंस होने पर क्या करें?

परिवार की सबसे ज़रूरी वित्तीय सुरक्षा

शशांक झा

चेक बाउंस क्या होता है?

जब बैंक चेक को वापस कर दे क्योंकि:

खाते में पर्याप्त पैसे नहीं हैं

सिग्नेचर मिसमैच है

कोई तकनीकी कारण है

यह भारत में दंडनीय अपराध है-धारा 138, परक्राम्य लिखत अधिनियम (NI Act) के तहत।

समय सीमा – इसे याद रखें (सबसे ज़रूरी!)

चेक बाउंस

30 दिन में - नोटिस भेजें
15 दिन - इंतज़ार करें
30 दिन में - कोर्ट में केस

एक भी दिन की देर हुई तो आपका केस अदालत खारिज कर सकती है!

तीन ज़रूरी कदम - Step by Step

1 बाउंस मेमो लें और संपर्क करें (पहले 30 दिन)

बैंक से Dishonour Memo (बाउंस मेमो) लेकर सुरक्षित रखें-यही आपका सबसे पहला सबूत है। चेक देने वाले से पहले मौखिक बात करें। अक्सर गलती या देरी से मामला सुलझ जाता है। अगर वह नया चेक दे तो उसे तुरंत बैंक में जमा करें।

2 लीगल नोटिस भेजें-30 दिन के अंदर

चेक बाउंस की तारीख से 30 दिनों के अंदर रजिस्टर्ड पोस्ट या स्पीड पोस्ट से नोटिस भेजें। लिखें: 'आपका चेक बाउंस हो गया। 15 दिनों में पूरी रकम दें, वरना धारा 138 के तहत कोर्ट में केस करूँगा।' नोटिस की कॉपी और डाक रसीद संभाल कर रखें।

3 मजिस्ट्रेट कोर्ट में परिवाद दर्ज करें-अगले 30 दिन में

15 दिन बाद भी पैसे न मिलें तो अगले 30 दिनों में मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट या ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत में शिकायत करें। साथ लगाएँ: बाउंस मेमो, चेक की फोटोकॉपी, नोटिस और डाक रसीद। दोषी को 2 साल तक की कैद और/या जुर्माना हो सकता है।

कानूनी आधार

धारा 138 – परक्राम्य लिखत अधिनियम (Negotiable Instruments Act)

कोई न्यूनतम राशि की सीमा नहीं-रू.100 का चेक भी हो तो केस हो सकता है

दोषी को 2 साल तक की कैद, जुर्माना, या दोनों

केस मजिस्ट्रेट कोर्ट में दर्ज होता है

शिकायतकर्ता को अपना कोर्ट चुनने का अधिकार है

विशेषज्ञ की खास सलाह

समय सीमा ही सबसे बड़ा हथियार है

30 ---> 15 ---> 30 दिन की लिमिट कैलेंडर में लिख लें। एक दिन की देरी भी केस खारिज करा सकती है। इसे अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकता बनाएँ।

हमेशा रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट करें

साधारण डाक, WhatsApp या ईमेल पर भेजा नोटिस कोर्ट में मान्य नहीं होता। रजिस्टर्ड पोस्ट की रसीद आपका अनिवार्य दस्तावेज़ है।

WhatsApp-SMS- कॉल रिकॉर्ड सुरक्षित रखें

बाउंस के बाद की हर बातचीत के स्क्रीनशॉट लें। ये सबूत के रूप में कोर्ट में सहायक हो सकते हैं-हालाँकि कानूनी नोटिस का विकल्प नहीं हैं।

लोक अदालत-तेज़ और सस्ता विकल्प

अगर दूसरा पक्ष समझौते को तैयार हो तो लोक अदालत जाएँ। यहाँ जल्दी निर्णय होता है, खर्च कम होता है और दोनों का समय बचता है।

शुरुआत खुद, आगे वकील ज़रूरी

नोटिस खुद भेज सकते हैं, पर कोर्ट में परिवाद दर्ज करने के लिए अनुभवी वकील लेना बेहतर है-खासकर बड़ी राशि के मामले में।

एक से ज़्यादा बार बाउंस हर बार अलग केस

अगर चेक बार-बार बाउंस हुए तो हर बाउंस के लिए अलग केस हो सकता है। हर बार की प्रक्रिया और समय सीमा अलग-अलग होती है।

चेक दे रहे हैं? खाते में पैसे सुनिश्चित करें

जानबूझकर चेक बाउंस कराना गंभीर अपराध है। हमेशा सुनिश्चित करें कि चेक देते समय खाते में पर्याप्त राशि हो।

लेखक: शशांक झा, असिस्टेंट मैनेजर, इंडियन बैंक – बैंकिंग विशेषज्ञ एवं कानूनी सलाहकार

[यह जानकारी केवल जागरूकता के लिए है। विधिक राय के लिए अपने वकील से अवश्य मिलें।]

एक टिप्पणी, लाखों काकरोच – भारत के युवाओं का डिजिटल विद्रोह

सुभाष दत्त झा

कभी-कभी इतिहास एक शब्द से बदलता है। 'काकरोच' – यह वह शब्द था जो 15 मई 2026 को देश के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश माननीय श्री सूर्यकांत जी के मुँह से निकला और बेरोजगार, हताश, व्यवस्था से टूटे हुए लाखों युवाओं के दिलों में उतर गया। लेकिन यह शब्द उन्हें तोड़ नहीं सका – बल्कि उन्होंने इसे अपनी पहचान बना लिया। 'काकरोच जनता पार्टी' का जन्म हुआ और तीन दिनों में 20 लाख सदस्य और 50 लाख इंस्टाग्राम फॉलोअर – यह किसी फिल्मी सुपरस्टार की उपलब्धि नहीं, यह भारत के युवाओं के संचित आक्रोश का विस्फोट है।

65% जनसंख्या, शून्य हिस्सेदारी?

भारत के 65 प्रतिशत नागरिक 35 वर्ष से कम उम्र के हैं। यह जनसांख्यिकीय लाभांश एक दुर्लभ ऐतिहासिक अवसर है – लेकिन यह अवसर तभी फलीभूत होगा जब युवाओं को आर्थिक प्रणाली में वास्तविक हिस्सेदारी मिले। आज की स्थिति यह है कि स्नातक युवा सरकारी नौकरी की कतारों में वर्षों गँवाते हैं, परीक्षाएँ लीक होती हैं, भर्तियाँ रद्द होती हैं। निजी क्षेत्र में वेतन कम है और असुरक्षा अधिक। महिला युवाओं की श्रम भागीदारी दर 20 प्रतिशत से भी नीचे है। CJP की सदस्यता में '11 घंटे ऑनलाइन रहने' की अनिवार्यता दरअसल उस युवा का दर्द है जिसके पास समय तो है, काम नहीं।

व्यंग्य से विद्रोह तक - एक डिजिटल पीढ़ी की भाषा

Gen Z की भाषा व्यंग्य है। वे सड़क पर नारे नहीं लगाते, मीम बनाते हैं। वे जुलूस नहीं निकालते, ट्रेंड बनाते हैं। लेकिन इस व्यंग्य के पीछे जो बेचैनी है, वह बिल्कुल वास्तविक है। CJP ने BJP को सोशल मीडिया फॉलोइंग में पीछे छोड़ दिया – यह कोई संयोग नहीं है। यह उस पीढ़ी का संदेश है जो अपनी शर्तों पर राजनीति को देखना चाहती है। जिस पार्टी का ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन होने लगे, वह केवल मजाक नहीं रहती।

आगे की राह - सुनिए, समझिए, सुधारिए

काकरोच जनता पार्टी एक चेतावनी है – अगर इसे समझा गया तो यह एक रचनात्मक आंदोलन बन सकता है, अगर नजरअंदाज किया गया तो यह गुस्से में बदल सकता है। जरूरत है कि भर्ती प्रक्रियाएँ पारदर्शी बनें, शिक्षा और रोजगार के बीच का अंतर पाटा जाए, और संस्थाएँ – चाहे वे न्यायपालिका हों, सरकार हों या उद्योग – युवाओं को सम्मान से सुनें। वरना काकरोच की यह फौज एक दिन वोटबूथ पर भी उसी ऊर्जा के साथ उतरेगी – और उस दिन का हिसाब बहुत बड़ा होगा।

इतिहास में जब-जब सत्ता ने युवाओं को अपमानित किया, तब-तब युवाओं ने सत्ता की परिभाषा बदल दी। भारत के काकरोच जाग चुके हैं। अब सवाल यह नहीं है कि उन्हें कैसे रोका जाए – सवाल यह है कि उनकी ऊर्जा को देश के निर्माण में कैसे लगाया जाए।

50 लाख काकरोच और बढ़ रहे हैं। ये वे युवा हैं जो भारत का भविष्य हैं। इन्हें 'काकरोच' कहना इतिहास की सबसे महँगी भूल साबित हो सकती है – या फिर यही क्षण वह मोड़ बन सकता है जब व्यवस्था ने युवाओं की बात सुनी और एक नया भारत गढ़ा।

सेवानिवृत्त प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ अयोध्या नगर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ (आज की जनधारा, बिलासपुर)

2016 की भर्ती में बड़ा स्कैम

एक नाम पर कहीं छह तो कहीं चार लोग कर रहे नौकरी

खुली पोल तो अफसरों के उड़े होश

लखनऊ। 'सुधीर कुमार ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से डॉर्क रूम सहायक की परीक्षा पास की। वर्ष 2016 में स्वास्थ्य महानिदेशालय से नियुक्ति पत्र जारी हुआ, लेकिन इन दिनों प्रदेश में छह सुधीर कुमार नौकरी कर रहे हैं। हर साल करोड़ों रुपये का चूना लगा रहे हैं। इस तरह के दो दर्जन से ज्यादा मामले सामने आए हैं। यह खेल स्वास्थ्य महानिदेशालय और मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय की मिलीभगत से हुआ है।'

स्वास्थ्य विभाग में डॉर्क रूम सहायक की भर्ती में भी फर्जीवाड़ा हुआ है। यूपीएसएसएससी से जारी परीक्षा परिणाम के पास स्वास्थ्य महानिदेशालय से जारी सूची और मानव संपदा पोर्टल पर कार्यरत कर्मियों की सूची की पड़ताल में यह बात सामने आई है। अमर उजाला ने 36 नाम की पड़ताल की। इसमें 15 का नाम सूची में है। सुधीर की तरह की तरह ही अंशुल के नाम पर चार, मनोज सिंह, रजनीकांत के नाम पर तीन-तीन लोग नौकरी कर रहे हैं।

जन्म दिन में हेरफेर किया गया

इसी तरह धीरज कुमार सिंह, कीर्ति गुप्ता,

नवनीत यादव, पवन कुमार, प्रदीप कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, राहुल कुमार, सर्वेश कुमार, सौरव कुमार, विनीत सिंह के दो-दो लोग नौकरी कर रहे हैं। किसी के पिता के नाम की स्पेलिंग अलग है तो किसी के जन्म दिन में हेरफेर किया गया है। मानव संपदा पोर्टल पर इन सभी के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि, वेतन खाता संख्या और ईएचआरएमएस आईडी अलग- अलग है।

355 पद के सापेक्ष 337 की हुई थी भर्ती

वर्ष 2015 में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 355 पद पर डॉर्क रूम सहायक के लिए आवेदन मांगे। 90 नंबर की परीक्षा और 10 नंबर का साक्षात्कार था। आयोग ने परीक्षा परिणाम जारी कर स्वास्थ्य महानिदेशालय को भेजा।

272 लोगों की सूची जारी की गई

काउंसिलिंग के जरिए चयनितों को जिले आवंटित कर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय भेजे गए। इसमें 16 जून 2016 को तत्कालीन महानिदेशक सुनील श्रीवास्तव और निदेशक पैरामेडिकल एससी त्रिपाठी के हस्ताक्षर से 272 लोगों की सूची जारी की गई। इसी तरह 15 जुलाई 2016 को 65 लोगों की सूची जारी की गई है। 18 लोगों ने नियुक्ति में हिस्सा नहीं लिया।

मानव संपदा पोर्टल पर 36 लोगों का सूची से मिलाकर किया गया। यहां मौजूद डाटा और इस सूची का मिलान करने पर पता चला कि एक ही नाम से अलग- अलग लोग नौकरी कर रहे हैं। पूरे मामले की विस्तृत जांच हो तो प्रदेश में 337 की जगह पांच सौ से अधिक लोग नौकरी करते मिल सकते हैं।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अमित कुमार घोष ने कहा कि मामला पुराना है। जानकारी में नहीं है। गलत नियुक्ति हुई है तो जांच कराई जाएगी। सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। विभाग में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

केस 1

नाम	पिता	वर्तमान तैनाती
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	बलिया
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	बाराबंकी
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	इटावा
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	इटावा
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	आजमगढ़
सुधीर कुमार	जय प्रकाश	शाहजहांपुर

केस 2

नाम	पिता	वर्तमान तैनाती
अंशुल कुमार	राम प्रकाश	अमेठी
अंशुल कुमार	श्रीराम प्रकाश	बदायूं
अंशुल कुमार	श्रीराम प्रकाश	इटावा
अंशुल कुमार	राम प्रकाश	हाथरस

केस 3

नाम	पिता	वर्तमान तैनाती
मनोज सिंह	देवकीनंदन सिंह	कानपुर देहात
मनोज सिंह	देवकीनंदन सिंह	लखनऊ
मनोज सिंह	देवकीनंदन सिंह	संत कबीर नगर

एनआईए की आतंकवाद पर बड़ी कार्रवाई

श्रीनगर-शोपियां में कई स्थानों पर छापेमारी

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआई) ने सोमवार को शोपियां जिले में कई जगहों पर छापेमारी की। एनआईए की टीमें जम्मू-कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की मदद से श्रीनगर के लाल बाजार इलाके और दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के कई स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चला रही हैं।

एनआईए ने शोपियां के इमाम साहिब स्थित दारुल उलूम जामिया सिराजुल उलूम' पर छापा मारा। यह वही स्कूल है जिसपर हाल ही में प्रशासन ने यूएपीए के तहत कार्रवाई की थी। हाल ही में कश्मीर प्रशासन ने दारुल उलूम जामिया सिराजुल उलूम स्कूल को गैर-कानूनी संस्था घोषित कर दिया था। संस्थान पर टेरर फंडिंग और यहां के कुछ लोगों के प्रतिबंधित संगठन से संबंध होने के आरोप लगे। वहीं, शोपियां में एक घर पर कार्रवाई जारी है।

जानकारी के मुताबिक, एनआईए की टीम शोपियां जिले में जैनापोरा के मूलू चित्रगाम में प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के पूर्व सदस्य शहजादा औरंगजेब के घर पहुंची। एनआईए की टीम ने पुलिस और सीआरपीएफ कर्मियों के साथ मिलकर, कई घंटों तक तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने जांच या किसी भी बरामदगी के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। वहीं, एनआईए ने श्रीनगर के लाल बाजार इलाके में एक स्कूल, 'जमीयत उल बनात' में भी तलाशी अभियान चलाया।

धर्मेंद्र प्रधान ने उदयनिधि के दावे को किया खारिज, राहुल गांधी पर साधा निशाना

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन के उस बयान को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा की जीत के पीछे कांग्रेस जिम्मेदार है। धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा, 'लोकतंत्र में जनता ही सबसे बड़ी नेता होती है। वही तय करती है कि किसे चुना जाएगा। डीएमके के खराब शासन और जनविरोधी राजनीति के कारण उसने तमिलनाडु के लोगों का भरोसा खो दिया है। हताशा में वे इस तरह की बातें कर रहे हैं। '

प्रधान ने यह भी कहा कि देश की जनता लगातार कांग्रेस पार्टी को नकारती रही है। इससे पहले डीएमके युवा विंग की बैठक को संबोधित करते हुए उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि पहले उन्हें लगता था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह भाजपा की लगातार जीत के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन अब उन्हें लगता है कि असली वजह कांग्रेस है।

राहुल पर प्रधान ने साधा निशाना

नीट मुद्दे को लेकर धर्मेंद्र प्रधान और

प्रधानमंत्री मोदी के इस्तीफे की मांग कर रहे यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि पीएम जनता के जनादेश से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, विपक्ष की दया से नहीं। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी सोचते हैं कि यह देश उनकी जमींदारी या जागीर है। दुर्भाग्य से हालिया चुनाव में देश की जनता ने कुछ और फैसला किया।'

सीबीएसई पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ी के सवाल पर प्रधान ने कहा कि सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और अब समस्या का समाधान कर लिया गया है। यह गड़बड़ी खासतौर पर 12वीं के उन छात्रों को प्रभावित कर रही थी, जो पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर रहे थे।

तमिलनाडु में नई सरकार को लेकर क्या बोले धर्मेंद्र प्रधान?

प्रधान ने कहा, 'आईआईटी मद्रास और आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञ तकनीकी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। फिलहाल पोर्टल सुचारू रूप से काम कर रहा है।' तमिलनाडु में केंद्र की योजनाओं को लेकर सहयोग के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने राज्य में हुए राजनीतिक बदलाव का स्वागत किया और नई सरकार के साथ मिलकर काम करने की बात कही।

उन्होंने कहा, 'मैं तमिलनाडु की जनता के फैसले का स्वागत करता हूं। मैं तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री विजय का स्वागत करता हूं।' प्रधान ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर काम करेंगे, जो देश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार नई राज्य सरकार के साथ सांविधानिक भावना के तहत विस्तृत चर्चा को तैयार है।

पति की हत्या के आरोप में प्रेमी समेत पत्नी गिफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले से एक बेहद सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने कथित प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी और फिर उसकी लाश को एक खेत में दफना दिया. पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या के बाद सबूत मिटाने की कोशिश भी की गई. पुलिस अब इस केस में हर पहलू से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश में जुटी है कि साजिश में कोई और भी शामिल था या नहीं.

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान 42 वर्षीय मुथ्यम रेड्डी के रूप में हुई है, जो नारायणखेड़ मंडल के गंगापुर गांव का रहने वाला था. करीब 12 साल पहले उसकी शादी मनूर मंडल की रहने वाली कल्पना से हुई थी. दोनों के दो बच्चे भी हैं और परिवार सामान्य जीवन बिता रहा था. लेकिन पिछले कुछ महीनों में पति-पत्नी के बीच विवाद लगातार बढ़ने लगे थे. गांव वालों के अनुसार परिवार में तनाव का मुख्य कारण कल्पना का कथित प्रेम संबंध था. इसी विवाद ने आखिरकार एक खौफनाक वारदात का रूप ले लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि करीब तीन महीने पहले कल्पना की पहचान मनूर मंडल के एल्गोयी

ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र पर बरसे राहुल गांधी

किस्तों में बढ़ा रहे दाम, 'जनता की जेब पर लगातार वार'

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 10 दिनों के भीतर चौथी बार हुई बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार किस्तों में ईंधन के दाम बढ़ाकर आम लोगों की जेब पर चुपचाप डाका डाल रही है।

राहुल ने क्या कहा?

विपक्षी नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सरकार ईंधन के दाम किस्तों में बढ़ा रही है, ताकि आम लोगों की जेब पर लगातार बोझ पड़ता रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से आर्थिक संकट की चेतावनी दी जा रही थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावों में व्यस्त थे और चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल के दाम 8 रुपये तक बढ़ा दिए गए।

खरगे ने केंद्र पर साधा निशाना

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में हर बढ़ोतरी घरेलू बजट पर सीधा असर डालती है और इसका प्रभाव पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। खड़गे ने आरोप लगाया कि किसान से लेकर छोटे उद्योगों तक हर वर्ग भाजपा सरकार की लूट का बोझ झेल रहा है।

पेट्रोल-डीजल के दाम कितने बढ़े?

बीते कुछ दिनों में लगातार पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। 15 मई को पेट्रोल और डीजल के दाम 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए गए थे। इसके बाद 19 मई को 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई। वहीं 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा किया गया। जानकारों के मुताबिक वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण तेल कंपनियों पर दबाव बढ़ा है। लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों का असर परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत पर पड़ सकता है, जिससे खुदरा महंगाई और घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

ममता बनर्जी की करीबी काकोली घोष ने छोड़ा जिला अध्यक्ष का पद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद तृणमूल कांग्रेस (TMC) के भीतर उठापटक थमती नजर नहीं आ रही है। पार्टी की वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने बारासात संगठनात्मक जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इलाके में पार्टी की हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ा, लेकिन साथ ही चुनावी रणनीति और नेतृत्व की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाए।

इस्तीफा देते समय क्या बोलीं घोष?

चार बार की सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने राज्य टीएमसी अध्यक्ष सुब्रत बख्शी को भेजे इस्तीफे में कहा कि पार्टी को पुराने तरीके की सड़क की राजनीति में लौटना चाहिए। उन्होंने इशारों में चुनावी रणनीतिकार संस्था I-PAC (इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी) और पार्टी में बढ़ते नए राजनीतिक ढांचे पर निशाना साधा।

उन्होंने लिखा कि अगर ईमानदार और पुराने समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ पहले की तरह काम किया जाए तो पार्टी की छवि फिर मजबूत

होगी। मुश्किल काम अस्थायी संगठनों के जरिए नहीं किए जा सकते। राजनीतिक हलकों में इसे I-PAC पर सीधा हमला माना जा रहा है, जिसे टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के करीबी रणनीतिक ढांचे से जोड़ा जाता है।

पार्टी में बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर जताई चिंता

काकोली घोष दस्तिदार ने पार्टी में बढ़ते अपराधीकरण और भ्रष्टाचार को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं से लोगों में डर और असंतोष बढ़ा है और राजनीति में पारदर्शिता, जवाबदेही और मूल्यों को ज्यादा महत्व देने की जरूरत है।

केंद्र के नोटिस के खिलाफ कोर्ट पहुंचा दिल्ली जिमखाना क्लब, सुनवाई आज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 'दिल्ली जिमखाना क्लब' को लुटियंस दिल्ली में स्थित उसके 27.3 एकड़ के परिसर को 5 जून तक खाली करने का निर्देश दिया है. इस आदेश को क्लब ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है, जिसके बाद अदालत इस याचिका पर 26 मई को सुनवाई करने के लिए तैयार हो गई है।

22 मई को भूमि और विकास कार्यालय ने दिल्ली जिमखाना क्लब को नोटिस जारी करके परिसर खाली करने के लिए कहा था. सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने जस्टिस अवनीश झिंगन के सामने इस मामले को पेश किया. उन्होंने इस मामले पर तुरंत सुनवाई करने की मांग की था। सरकार ने अपने आदेश में मूल लीज समझौते की धारा 4 (क्लॉज 4) का हवाला दिया है. ये धारा सरकार को ये अधिकार देती है कि अगर किसी सार्वजनिक उद्देश्य के लिए जमीन की जरूरत हो, तो वो जमीन को वापस अपने कब्जे में ले सकती है.

क्यों जमीन वापस लेना चाहती है सरकार?

सरकार के मुताबिक, ये जमीन प्रधानमंत्री आवास और लुटियंस दिल्ली के कई दूसरे बेहद

हाई सिक्योरिटी वाले प्रतिष्ठानों के काफी करीब है. सरकार को इस बेशकीमती जमीन की जरूरत देश के डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, शासन से जुड़ी जरूरी सुविधाओं और दूसरी जरूरतों को पूरा करने के लिए है।

नोटिस मिलते ही दिल्ली जिमखाना क्लब की जनरल कमेटी ने एक इमरजेंसी रिव्यू मीटिंग बुलाई थी. इस बैठक में क्लब के सदस्यों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों के हितों से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा की गई.

क्लब ने एक बयान में कहा कि जनरल कमेटी ने विस्तार से बातचीत करने के बाद तुरंत भूमि और विकास कार्यालय को पत्र लिखने का फैसला किया है. क्लब इस पत्र के जरिए अपने सदस्यों और कर्मचारियों के हितों से जुड़ी कई चिंताओं पर सरकार से सफाई मांगेगा।

लोहरदगा में हैवानियत! शख्स ने पिता और पत्नी को उतारा मौत के घाट

लोहरदगा। झारखंड के लोहरदगा जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक और सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां एक पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया. भंडरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेंगरा टोली गांव में 35 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने ही पिता और पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी. इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी।

पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान संदीप उरांव के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह घर में किसी बात को लेकर पारिवारिक विवाद बढ़ गया था. विवाद इतना गंभीर हो गया कि आरोपी ने अपना आपा खो दिया और अपने 60 वर्षीय पिता सुरेंद्र उरांव व 27 वर्षीय पत्नी सुजीता उरांव पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. हमले में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के दौरान घर में मौजूद तीन वर्षीय मासूम बच्ची भी इस हिंसा की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई. बच्ची को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है. डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है।

हत्या के वजहों की जांच में जुटी पुलिस

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिज़्वी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद आरोपी संदीप उरांव को गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है, जिसे जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है. हालांकि सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है. आरोपी से पूछताछ जारी है ताकि घटना के पीछे की असली वजहों का पता लगाया जा सके. इस दोहरे हत्याकांड ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है. स्थानीय लोगों के अनुसार, परिवार में पहले भी आपसी तनाव की बातें सामने आती रही थीं।

यूएस की मांग से चौंक गए खाड़ी देश! ट्रंप ने रख दिया अब्राहम समझौते से जुड़ा प्रस्ताव

नई दिल्ली। जैसे-जैसे ईरान संघर्ष को खत्म करने की बातचीत तेज हो रही है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नजरें सिर्फ शांति से कहीं ज्यादा बड़ी चीज पर टिकी हुई नजर आ रही हैं. बंद दरवाजों के पीछे, ट्रंप अब खुद पश्चिम एशिया के पूरे समीकरण को बदलने की कोशिश कर रहे हैं.

Axios की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस राष्ट्रपति ने शनिवार को एक हाई-लेवल कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान कई अरब और मुस्लिम-बहुल देशों के नेताओं से कहा कि एक बार ईरान के साथ युद्ध खत्म हो जाए, तो वह चाहते हैं कि और भी देश इजरायल को मान्यता दें और अब्राहम समझौते में शामिल हों.

कहा जा रहा है कि इस मैसेज से कई नेता हैरान रह गए। इस फोन कॉल में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन और बहरीन के नेता शामिल थे. यह बातचीत US-ईरान के बीच संभावित शांति समझौते को लेकर चल रही थी, जिससे इस पूरे क्षेत्र में महीनों से चली आ रही अस्थिरता को शांत करने में मदद मिल सकती है.

डोनाल्ड ट्रंप ने नेताओं से कहा कि एक बार ईरान युद्ध खत्म हो जाए, तो उन्हें उम्मीद है कि जो देश अभी तक इजरायल को मान्यता नहीं देते हैं, वे उसके साथ अपने संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे. रिपोर्ट में जिक्र किए गए स अधिकारियों के मुताबिक, उनकी इन टिप्पणियों के बाद कॉल पर कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया, खास तौर पर सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान के नेताओं की तरफ से, जिनके इजरायल के साथ कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं.

नई पश्चिमी एशिया व्यवस्था पर ट्रंप की नजर?

डोनाल्ड ट्रंप के रास्ते में सबसे बड़ी रुकावट सऊदी अरब है, जो औपचारिक

तौर पर इजरायल को मान्यता नहीं देता. सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पहले इजरायल के साथ रिश्ते बनाने को लेकर कुछ नरमी दिखाई थी, लेकिन गाजा में चल रही जंग, ईरान के साथ तनाव और पूरे अरब जगत में बढ़ रहे गुस्से ने इस काम को मुश्किल बना दिया है.

सऊदी अरब अपनी बात पर अड़ा हुआ है कि इजरायल के साथ भविष्य में कोई भी रिश्ता तभी बनेगा, जब फिलिस्तीनी राष्ट्र के गठन की दिशा में एक साफ और पक्का रास्ता हो और इजरायल इस बात को मानने से साफ इनकार करता है.

US का एक नया विचार

ट्रंप ने एक बार फिर अपना एक सबसे विवादित विचार सामने रखा, क्या ईरान भी अब्राहम समझौते में शामिल हो सकता है? ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'मैं अब तक मध्य-पूर्व के सभी देशों को उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा. ऐतिहासिक अब्राहम समझौते में शामिल देशों के साथ जुड़ने से यह समर्थन और सहयोग और भी ज़्यादा बढ़ेगा और मज़बूत होगा. कौन जाने, शायद इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान भी इसमें शामिल होना चाहे।'

ईरान की मौजूदा सरकार को देखते हुए यह विचार बात बहुत ज़्यादा अवास्तविक लगी. तेहरान ने दशकों से इजरायल को मान्यता देने से इनकार किया है और आज भी उसे एक 'कब्ज़ा करने वाली ताकत' ही मानता है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पिछले साल भी इसी तरह की टिप्पणियों को सिरे से खारिज कर दिया था. अराघची ने 2025 में ईरानी सरकारी टेलीविजन को दिए एक इंटरव्यू में कहा था, 'ईरान कभी भी किसी ऐसी कब्जा करने वाली सरकार को मान्यता नहीं देगा, जिसने नरसंहार किया हो और बच्चों की जान ली हो।'

अब्राहम समझौते पर दस्तखत होने से बहुत पहले ही, ईरान अरब देशों द्वारा इजरायल के साथ संबंध बनाने का जोरदार विरोध करता रहा था.

ट्रंप के इस प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए, अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि अगर अमेरिका के सभी सहयोगी देश, जिनमें अरब और मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं, अब्राहम समझौते में शामिल होने पर राजी हो जाते हैं, तो यह मध्य-पूर्व के इतिहास का सबसे ज्यादा असरदार समझौता साबित हो सकता है.

अब्राहम समझौते ने क्या बदला?

साल 2020 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए अब्राहम समझौते ने मिडिल ईस्ट में एक ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत की. इसके तहत इजरायल और कई अरब देशों (संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और मोरक्को) के बीच औपचारिक संबंध स्थापित हुए. दशकों तक, ज़्यादातर अरब देशों ने इजरायल को तब तक मान्यता देने से इनकार कर दिया था, जब तक कि फिलिस्तीनी मुद्दा हल नहीं हो जाता।

इन समझौतों ने उस पुरानी सोच को पीछे छोड़ दिया और इसके बजाय साझा रणनीतिक हितों पर ध्यान केंद्रित किया. इसके साथ ही, व्यापार, तकनीक, रक्षा और निवेश के क्षेत्रों में सहयोग को भी बढ़ावा दिया. इन समझौतों ने इस खित्ते में कई साल बाद आए सबसे बड़े कूटनीतिक बदलावों में से एक को उजागर किया और पश्चिमी एशिया में अमेरिका समर्थित एक नए क्षेत्रीय गठबंधन को आकार देने में मदद की.

ईरान डील पर मिले-जुले संकेत

अब, ट्रंप भले ही मिडिल ईस्ट में नए सिरे से रिश्तों की बात कर रहे हों, लेकिन ईरान के साथ समझौता अभी भी दूर की कौड़ी है ।

स्वत्वाधिकारी अभिव्यक्ति प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक सुभाष मिश्रा के लिए, मुद्रक प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कॉम्पलेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) भोपाल म.प्र.से मुदित एवं एसआर-4-102, रुदाक्ष पार्क फेस-1 बबाड़िया कलां, भोपाल, म.प्र.से प्रकाशित, प्रधान संपादक -सुभाष मिश्रा, सलाहकार संपादक- भालचन्द्र जोशी, स्थानीय संपादक- अंशुमन खरे आरएनआई रजि. RNI.NO.MPHIN/ 25/A3544 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।